खबरें जो सोच बदल दे

# शुभ लाभ

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । बुधवार, 27 नवंबर, 2024 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । epaper.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 । मूल्य-8 रु.। वर्ष-6 । अंक-327

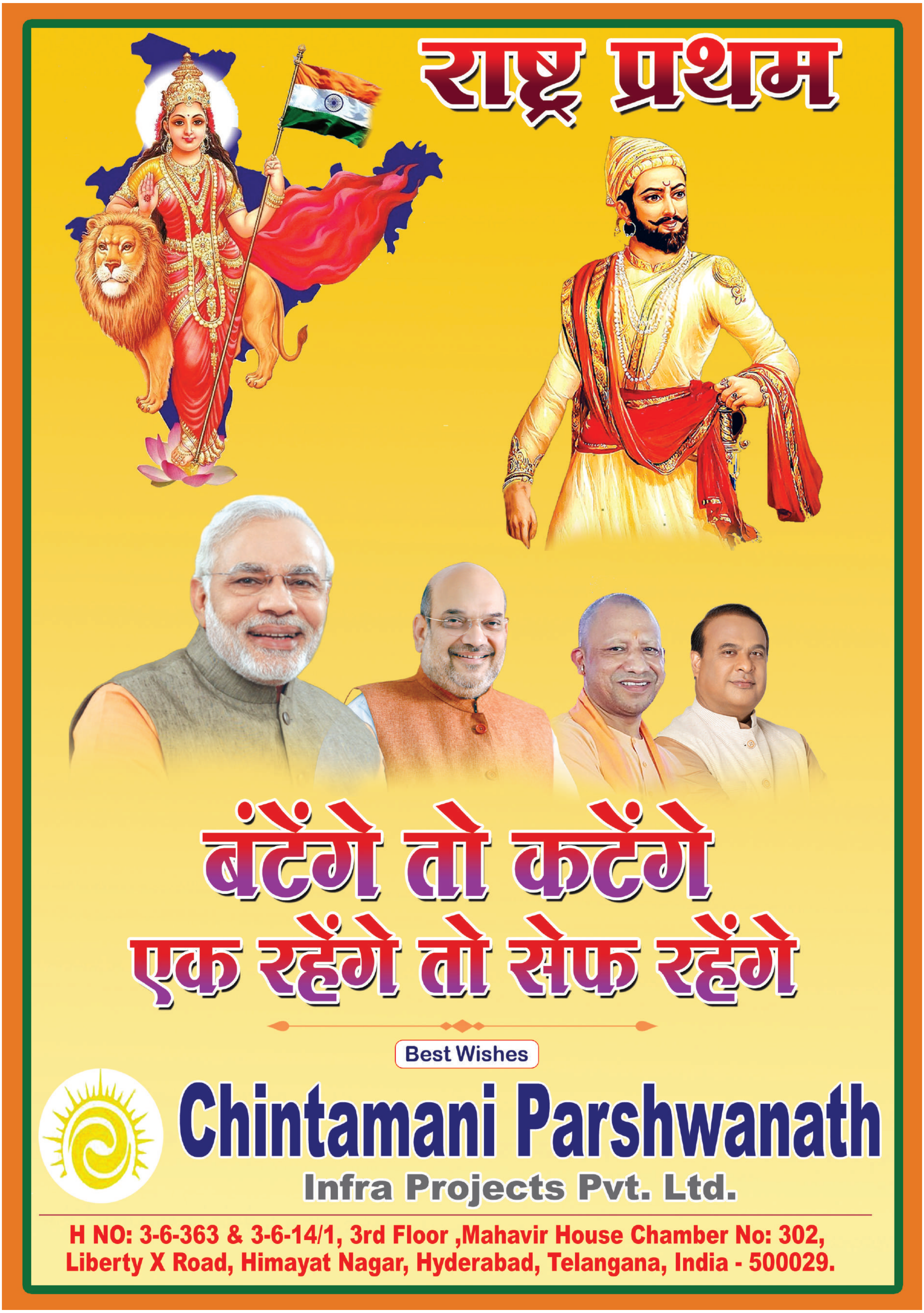

# ट्रंप ने भारत के शत्रु जॉर्ज सोरोस के पूर्व मनी मैनेजर को चुना वित्त मंत्री

**जॉर्ज सोरोस फंड मैनेजमेंट के पूर्व मनी मैनेजर रह चुके हैं, वह एक प्रमुख वित्तीय विशेषज्ञ हैं**

**वॉशिंगटन, 26 नवंबर (एजेंसियां)।**

अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव में जीतने के बाद डोनाल्ड ट्रंप अब अपनी टीम बनाने की तैयारी कर रहे हैं। राष्ट्रपति बनने से पहले ही उन्होंने अपनी टीम के महत्वपूर्ण सदस्यों का चयन करना शुरू कर दिया है और इसी कड़ी में उन्होंने एक ऐसे व्यक्ति को वित्त मंत्री के रूप में नियुक्त किया है, जिनका कनेक्शन भारत के प्रमुख विरोधी जॉर्ज सोरोस से रहा है। डोनाल्ड ट्रंप ने ऐलान किया कि वह स्कॉट बेसेंट को अपना अगला ट्रेजरी सेक्रेटरी यानी वित्त मंत्री नियुक्त करेंगे। स्कॉट बेसेंट, जो कि जॉर्ज सोरोस फंड मैनेजमेंट के पूर्व मनी मैनेजर रह चुके हैं, एक प्रमुख वित्तीय विशेषज्ञ हैं। अगर सीनेट ने उनकी नियुक्ति पर मुहर लगा दी तो वह अमेरिका के पहले समलैंगिक ट्रेजरी सेक्रेटरी बनेंगे। 62 वर्षीय स्कॉट बेसेंट हेज फंड स्क्वायर कैपिटल मैनेजमेंट के संस्थापक हैं और 1991 से जॉर्ज सोरोस फंड मैनेजमेंट में काम कर चुके हैं। वे घाटे को कम करने और सरकारी खर्चों में कटौती के पक्षधर रहे हैं। अमेरिका के बढ़ते कर्ज के बारे में उनकी चिंता को ध्यान में रखते हुए वह ट्रंप के कैम्पेन से जुड़े थे और अब वित्त मंत्री के रूप में उनकी जिम्मेदारी अमेरिकी अर्थव्यवस्था को संभालने की होगी। स्कॉट बेसेंट का जॉर्ज सोरोस के साथ करीबी संबंध रहा है। सोरोस वही हैं, जो भारत के खिलाफ कई बार बयान दे चुके हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भारतीय व्यापारिक वर्ग के खिलाफ अपनी आलोचनाओं को खुलकर व्यक्त किया है और विशेष रूप से कश्मीर से आर्टिकल 370 के हटने और सीएए के विरोध में कई विवादित टिप्पणियां की हैं। सोरोस पर यह भी आरोप हैं कि उन्होंने 1992 में बैंक ऑफ इंग्लैंड को नुकसान पहुंचाकर बड़ी राशि कमाई थी। स्कॉट बेसेंट पहले डेमोक्रेटिक पार्टी के समर्थक थे, लेकिन बाद में उन्होंने रिपब्लिकन पार्टी को अपना समर्थन दिया।

## न्यूज ब्रीफ

### बड़ी राहत- इजरायल और लेबनान के बीच चल रहा संघर्ष थमेगा, सीजफायर एग्रीमेंट पर होंगे दस्तखत

**तेल अवीव।** इजरायली सेना एक के बाद एक एयर स्ट्राइक करके हिजबुल्लाह के ठिकानों और हथियारों के भंडार को निशाना बना रहा था, तो जमीन पर भी ऑपरेशन शुरू तेज़ था। लेकिन अब सीज़फायर का समय आ गया है। इजरायली मीडिया के मुताबिक, सोमवार को इस सीजफायर एग्रीमेंट को तैयार कर लिया गया और मंगलवार को होने वाली इजरायली नेशनल सिक्योरिटी कैबिनेट की बैठक में इस पर मुहर लग सकती है। इजरायली सरकार के प्रवक्ता ने कहा, डील की तरफ बढ़ रहे हैं, लेकिन अब भी कुछ मुद्दे हैं जिसे एड्रेस करना है। हालांकि बेंजामिन नेतन्याहू से इसे मंजूरी भी दे दी है। रिपोर्ट के मुताबिक, अमेरिका के इस सीजफायर ऑफर पर लेबनान में हिजबुल्लाह की लीडरशिप भी सहमति जता रहा है, लेकिन जब तक डील नहीं हो जाती तब तक कुछ कहा नहीं जा सकता। यूनीफिल ने अपने बयान में कहा कि लेबनान की सेना के इस जंग में शामिल ना होने के एलान के बाद भी इजरायली वायुसेना ने लेबनानी सैनिकों को निशाना बनाया। पिछले कुछ हफ्तों में इजरायली हमलों में लेबनानी सेना को जान माल का भारी नुकसान हुआ। लेबनान की सेना के मुताबिक अब तक उसके 45 सैनिक मारे गए हैं। इस तरह के हमले यूनाइटेड नेशंस सिक्योरिटी काउंसिल रेजिल्यूशन 1701 और अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार कानूनों का उल्लंघन हैं, जो कि संघर्ष में शामिल ही नहीं है। हरहाल इजरायल और हिजबुल्लाह के बीच सीज़फायर से ना सिर्फ़ लेबनान के आम लोगों को राहत मिलेगी साथ ही जो भी इस जंग से बचने के लिए सीरिया और अन्य जगह पर शरण लेने को मजबूर हैं उनकी भी घर वापसी हो सकेगी।
जब से इस सीजफायर की चर्चा शुरू हुई, उसके बाद से लेबनान की तरफ से हिजबुल्लाह के हमलों में भी कमी देखी गई है। जो हिजबुल्लाह दिनभर में इजरायल पर 150-200 रॉकेट तक दाग देता था। सोमवार को यह आंकड़ा बस डबल डिजिट तक ही सीमित रह गया। हालांकि इजरायली सेना यानी आईडीएफ इस सीज़फायर के एलान से पहले हिजबुल्लाह के सारे बड़े ठिकानों को नष्ट कर देना चाहता है और इसी लिए लगातार एयर स्ट्राइक जारी है। सोमवार को आईडीएफ ने हिजबुल्लाह के एग्जीक्यूटिव काउंसिल के कई ठिकानों पर बम बरसाए। यह हिजबुल्लाह की सुप्रीम बॉडी है। इस जंग में आईडीएफ ने हिजबुल्लाह पर सदी का सबसे चौंकाने वाला पेजर अटैक, तकनीक की लड़ाई का एक नज़ीर बन गया। पेजर अटैक के जरिये जब 3000 से ज़्यादा हिजबुल्लाह के आतंकियों को एक साथ निशाना बनाया।

### भारतीय मूल के लोगों पर ज्यादा भरोसा कर रहे ट्रंप, अब कश्यप पटेल को मिलेगी बड़ी जिम्मेदारी!

**वॉशिंगटन।** अमेरिका में नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप भारतीय मूल के लोगों पर ज्यादा भरोसा कर रहे हैं। ट्रंप अब एफबीआई या न्याय विभाग में एक प्रमुख भूमिका के लिए भारतीय मूल के कश्यप काश पटेल पर विचार कर रहे हैं। पटेल का नाम अमेरिकी राजनीति में एक आक्रामक अधिकारी के रूप में जाना जाता है, जो ट्रंप के कट्टर समर्थक माने जाते हैं। पेशे से वकील काश पटेल ने ओबामा प्रशासन के दौरान जस्टिस डिपार्टमेंट में काम किया। जब डोनाल्ड ट्रंप 2017 में राष्ट्रपति बने, तो काश पटेल को सीनियर काउंसिल की भूमिका दी गई। इसके बाद, वह हाउस इंटेलिजेंस कमेटी के प्रमुख बने, जहां उन्होंने रूस में एफबीआई की जांच की आलोचना करते हुए ट्रंप के पक्ष में सक्रिय भूमिका निभाई। 2018 में, ट्रंप ने उन्हें नेशनल सिक्योरिटी काउंसिल में काउंटर-टेररिज्म विभाग का सीनियर डायरेक्टर नियुक्त किया। ट्रंप प्रशासन के अंतिम दिनों में काश पटेल को रक्षा मंत्रालय में कार्यकारी रक्षा मंत्री क्रिस्टोफर मिलर के चीफ ऑफ स्टाफ का पद भी सौंपा गया। उनकी आक्रामक कार्यशैली और ट्रंप के विरोधियों पर खुलकर निशाना साधने की प्रवृत्ति ने उन्हें राष्ट्रपति के करीबी अधिकारियों में शामिल कर दिया। हालांकि, काश पटेल का नाम विवादों से अछूता नहीं रहा है। ट्रंप के राष्ट्रपति काल के अंतिम दिनों में, काश को सीआईए या एफबीआई में डिप्टी डायरेक्टर बनाने की चर्चा थी। लेकिन उस समय सीआईए डायरेक्टर गीना हास्पेल और अटॉर्नी जनरल विलियम बार ने इस पर विरोध जताते हुए इस्तीफे की धमकी दी थी। डोनाल्ड ट्रंप के नेतृत्व में भारतीय मूल के लोगों को प्रमुख पदों पर नियुक्त किया गया है। हाल ही में उन्होंने विवेक रामास्वामी को गवर्नमेंट एफिशिएंसी डिपार्टमेंट का सह प्रमुख बनाया।

### इमरान खान के समर्थक इस्लामाबाद में दाखिल

# रास्ते में टकराव, चार रेंजर्स की मौत, डी-चौक सेना के हवाले, गोली मारने का आदेश

**इस्लामाबाद, 26 नवंबर (एजेंसियां)।**

**पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के संस्थापक और पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान के हजारों समर्थकों का काफिला तमाम बाधाओं को पार कर आज सवेरा होने से पहले इस्लामाबाद सीमा के अंदर दाखिल हो गया। राजधानी के श्रीनगर राजमार्ग पर रात को हुए टकराव में पाकिस्तान रेंजर्स के कम से कम चार जवानों की मौत के बाद इस्लामाबाद को सेना के हवाले कर दिया गया।**

पीटीआई समर्थकों का काफिला डी-चौक पहुंचने के लिए जद्दोजहद कर रहा है। सेना को डी-चौक के आसपास किसी के भी पहुंचने पर गोली मारने का आदेश दिया गया है। संघीय सरकार के आंतरिकमंत्री मोहसिन नकवी ने चेतावनी दी कि पीटीआई को डी-चौक पर विरोध प्रदर्शन करने की अनुमति नहीं दी जाएगी। खबर के अनुसार, संघीय सरकार ने श्रीनगर राजमार्ग की घटना को गंभीरता से लिया है। रक्षा सूत्रों ने कहा कि उपद्रवियों ने पाकिस्तान रेंजर्स के कम से कम चार जवानों को वाहनों से कुचल दिया है। इस टकराव में पुलिस कर्मचारियों समेत पांच अन्य घायल भी हुए हैं। संघीय सरकार ने देररात की घटना के फौरन बाद इस्लामाबाद की सड़कों पर सेना को तैनात किया है। सूत्रों ने बताया कि संविधान के अनुच्छेद 245 के तहत तैनात सेना को देखते ही गोली मारने का आदेश दिया गया है। रक्षा सूत्रों ने बताया कि हिंसक विरोध प्रदर्शन में अब तक 25 पुलिसकर्मियों की जान जा चुकी है, जबकि 100 से ज्यादा घायल हुए हैं। आंतरिकमंत्री मोहसिन नकवी ने पत्रकारों को बताया कि इस्लामाबाद हाई कोर्ट ने सरकार को पीटीआई के साथ बातचीत करने का निर्देश दिया था। उन्होंने कहा कि पीटीआई को संगजानी क्षेत्र में विरोध प्रदर्शन करने की अनुमति दी गई है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि पीटीआई ने दायरा तोड़ने का प्रयास किया, कर्फ्यू लगाने जैसी कड़ी कार्रवाई की जाएगी। नकवी ने पीटीआई नेतृत्व से आग्रह किया कि वह स्थिति को उस स्तर तक ले जाने से बचें जहां सरकार कठोर कदम उठाने के लिए मजबूर हो जाए। इससे पहले संवाददाता सम्मेलन में आंतरिकमंत्री नकवी ने कहा था कि सरकार और पीटीआई के बीच कोई बातचीत नहीं चल रही है। आंतरिकमंत्री ने स्पष्ट किया कि उन्होंने मिनिस्टर एन्क्लेव में पीटीआई के किसी प्रतिनिधि से मुलाकात नहीं की है। नकवी ने कहा कि डी-चौक पहुंचने वाले किसी भी व्यक्ति को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

इस बीच पीटीआई अध्यक्ष बैरिस्टर गौहर अली खान ने भी सरकार के साथ किसी भी बातचीत से इनकार किया। बैरिस्टर ने एक बयान में कहा कि अगर कोई बातचीत होगी तो सबसे पहले अवाम को सूचित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि मैंने सोमवार को पीटीआई संस्थापक इमरान खान से मुलाकात की है। इमरान खान ने इस प्रदर्शन को करो या मरो का नाम दिया है। डी-चौक पर आहूत इस विरोध प्रदर्शन के बड़े काफिले का नेतृत्व खैबर पख्तूनख्वा के मुख्यमंत्री अली अमीन गंडापुर कर रहे हैं। गंडापुर का काफिला इस्लामाबाद की सीमा में प्रवेश कर गया है। हजारा डिवीजन, डीआई खान और बलूचिस्तान के काफिले हकला इंटरचेंज पर गंडापुर के काफिले में शामिल हो गए हैं। गंडापुर के साथ इमरान खान की पत्नी बुशरा बीबी भी हैं। इमरान खान लंबे अरसे से रावलपिंडी सेंट्रल जेल (अदियाला जेल) में कैद हैं।

# अफगान जेल प्रमुख ने महिला कैदी से जबरन निकाह किया तालिबान प्रशासन ने दी सजा

**काबुल, 26 नवंबर (एजेंसियां)।**

अफगानिस्तान के नंगरहार प्रांत में जेल निदेशक मुक्तदा हाफिज नसीरुल्लाह पर महिला कैदी से जबरन निकाह करने और उसकी स्वतंत्रता का दुरुपयोग करने के आरोप सामने आए हैं। नसीरुल्लाह जेलों का निरीक्षण करते समय एक 21 वर्षीय पाकिस्तानी महिला कैदी से मिले, जो अपने प्रेमी के साथ शादी के इरादे से पाकिस्तान से भागकर अफगानिस्तान आई थी। अफगान कानून के तहत बिना निकाह के साथ रहना अपराध है, जिसके कारण दोनों को गिरफ्तार कर जेल में डाल दिया गया। महिला कैदी से बातचीत के दौरान नसीरुल्लाह ने उससे निकाह का प्रस्ताव रखा, जिसे महिला ने ठुकरा दिया। इसके बाद जेल निदेशक ने महिला के प्रेमी की जेल पहचान कर उसकी पिटाई की और उसे धमकी दी कि वह इस बात का खुलासा न करे कि वह महिला के साथ पाकिस्तान से आया था। भय के कारण प्रेमी ने यह शर्त स्वीकार कर ली और उसे जेल से रिहा कर दिया गया।प्रेमी की रिहाई के बाद, नसीरुल्लाह ने महिला कैदी को बताया कि उसका प्रेमी उसे छोड़कर भाग गया है और अब उसे उनसे निकाह कर लेना चाहिए। महिला ने इसका विरोध किया, लेकिन जेल निदेशक ने उसे शारीरिक हिंसा और दबाव के जरिए जबरन निकाह के लिए मजबूर कर दिया। निकाह के बाद, महिला को जेल से निकालकर जलालाबाद के एक किराए के मकान में रखा गया। इस घटना की खबर जेल से बाहर लीक होने पर अफगान तालिबान के सूचना और संस्कृति निदेशालय ने मामले की जांच शुरू की। जांच में आरोप सही पाए गए, जिसके बाद जेल निदेशक मुक्तदा हाफिज नसीरुल्लाह को सेवा से बर्खास्त कर दिया गया। उनकी जगह सोहेल स शईद को नंगरहार जेलों का नया प्रमुख नियुक्त किया गया। हालांकि, तालिबान प्रशासन ने आदेश में यह नहीं बताया कि पूर्व जेल प्रमुख को किस कारण से हटाया गया है। तालिबान शासित अफगानिस्तान में जबरन निकाह और महिलाओं के अधिकारों का दमन आम बात है। इस मामले में भी कोई आधिकारिक शिकायत दर्ज नहीं की गई। यह घटना न केवल अफगानिस्तान की न्याय प्रणाली पर सवाल उठाती है, बल्कि महिला अधिकारों की दयनीय स्थिति को भी उजागर करती है।

## भूस्खलन

उत्तरी सुमात्रा में भूस्खलन के बाद राहत व बचाव के कार्यों के दौरान एक एक्सकेवेटर मशीन के जरिये मलबे को हटाया जा रहा।

# रूस-यूक्रेन युद्ध के अगले साल फरवरी में तीन साल पूरे होंगे, दोनों पक्ष झुकने को तैयार नहीं

**रूस ने यूक्रेन के एक शहर पर जिस मिसाइल से हमला किया, उसकी रेंज ने सभी को चौंका दिया**

**कीव, 26 नवंबर (एजेंसियां)।**

रूस और यूक्रेन के बीच तनाव और उत्साह दोनों ही देशों के संघर्ष को बढ़ाते हुए दिख रहे हैं। आने वाले साल फरवरी में इस युद्ध को तीन साल पूरे होने जा रहे हैं और दोनों पक्षों के राष्ट्रपतियों की नज़रें किसी भी मुद्दे पर झुकने के लिए तैयार नहीं हैं। यूक्रेन ने अमेरिका और ब्रिटेन की सहायता से रूस के विभिन्न शहरों पर लगातार हमले की खबरें सुनाई देती है, जिसकी प्रतिक्रिया में रूस ने बिना विलंब किए जवाब दिया है। मीडिया के अनुसार रूस ने यूक्रेन के एक शहर पर हाल ही में एक बैलिस्टिक मिसाइल द्वारा हमला किया, इस मिसाइल ने अपनी रेंज और विशेषताओं के साथ सभी को चौंका दिया।

यूक्रेन के विशेषज्ञ इस मिसाइल के मलबे की जांच कर रहे हैं, ताकि उन्हें रूस के हथियारों की तकनीक और रणनीतियों को समझने में मदद मिल सके। यह पहली बार था जब रूस ने इस प्रकार के बड़े स्तर पर हमला किया था, जिससे यह मालूम पड़ा कि उनकी सामरिक ताकत किस हद तक पहुंच चुकी है। यूक्रेन के विशेषज्ञ आशंका व्यक्त कर रहे हैं कि इस घटना के बाद देश की रक्षा में सुरक्षा की अधिक महत्वपूर्णता हो गई है और वे रूस के इस नए हथियार के सामरिक और रणनीतिक क्षमताओं से पक्षतर रहेंगे। यह घटना न केवल रूस-यूक्रेन विवाद को और तीव्र बनाएगा बल्कि उन्हें उनकी सुरक्षा क्षमताओं में सुधार करने का अवसर देगा। इसी संदर्भ में यूक्रेन के विशेषज्ञ इस मामले को गंभीरता से लेने की सलाह देते हैं और रक्षा तकनीकों को और भी उन्नत बनाने की जरुरत बताते हैं।

### डोनाल्ड ट्रंप के शपथ लेते ही चीन, कनाडा और मेक्सिको पर बढ़ेगा दबाव

# तीनों देशों पर लगाएंगे अतिरिक्त शुल्क, अवैध प्रवासियों पर भी कसेंगे लगाम

**वॉशिंगटन, 26 नवंबर (एजेंसियां)।**

अमेरिका के नए राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप चुने जा चुके हैं। ट्रंप के अमेरिका का राष्ट्रपति बनने के बाद कई देशों में खलबली मच गई हैं। वहीं नवनिर्वाचित डोनाल्ड ट्रंप का कहना है कि देश की बागडोर संभालने के बाद वह चीन, मेक्सिको और कनाडा पर अतिरिक्त शुल्क लगाएंगे।

इन तीनों देशों की नीतियों में बदलाव कराने को लेकर प्रेशर पॉलिटिक्स के तहत यह कदम उठाया जाएगा।

ट्रंप ने कहा कि कनाडा और मेक्सिको से अमेरिका आने वाले सभी उत्पादों पर 25 फीसदी टैरिफ लगाया जाएगा। इन देशों से बड़ी संख्या में अवैध प्रवासी अमेरिकी में दाखिल होते हैं। इन देशों से बड़े पैमाने पर ड्रग्स की सप्लाई भी हो रही है। इसके साथ ही चीन के उत्पादों पर 10 फीसदी का टैक्स लगाया जाएगा।

ट्रंप ने कहा कि हजारों की संख्या में लोग मेक्सिको और कनाडा सीमा से अमेरिका में अवैध रुप से प्रवेश कर रहे हैं। अमेरिका में इस समय क्राइम का स्तर बहुत बढ़ गया है। उन्होंने कहा कि 20 जनवरी को शपथ लेने के बाद मेरे पहले आदेशों में एक आदेश ये भी होगा कि मैं मेक्सिको और कनाडा से अमेरिका में आयात हो रहे सभी उत्पादों पर 25 फीसदी का शुल्क लगा दूंगा। यह फैसला ऐसे समय पर लागू किया जाएगा, जब ड्रग्स विशेष रूप से फेंटानिल और सभी गैरकानूनी सामान धड़ल्ले से अमेरिका में लाया जा रहा है। ट्रंप ने कहा कि मैंने चीन से बड़ी संख्या में अमेरिका में सप्लाई हो रहे ड्रग्स से फेंटानिल को लेकर चीन प्रशासन से बात की है लेकिन कोई फायदा नहीं हुआ। चीन प्रतिनिधियों ने बताया कि वे पकड़ने जाने पर ड्रग्स डीलर्स को मृत्युदंड की सजा देंगे लेकिन दुर्भाग्य से इसका पालन नहीं किया और चीन से अमेरिका में लगातार ड्रग्स खेपें आ रही हैं। ये ड्रग्स मुख्य तौर पर मेक्सिको के रास्ते अमेरिका पहुंच रही हैं। हम चीन पर अतिरिक्त 10 फीसदी टैरिफ लगाने जा रहे हैं। बता दें कि ट्रंप के इस फैसले से उत्तरी अमेरिका की सप्लाई चेन प्रभावित हो सकती है और यहां के कारोबार पर असर पड़ सकता है। इससे पहले चीन के पॉलिसी एडवाइजर ने ट्रंप की नई टीम को लेकर बड़ा बयान दिया था। उन्होंने कहा था कि एलन मस्क और भारतीय मूल के बिजनेसमैन विवेक रामस्वामी वाली ट्रंप की टीम से चीन को सबसे बड़ा खतरा है। उन्होंने कहा था कि ट्रंप की टीम अमेरिकी सरकार को नए तरीके से प्रभावी बनाने का काम करेगी, जिससे चीन को अमेरिकी राजनीतिक प्रणाली से मुकाबला करना होगा। ट्रंप अपने पहले कार्यकाल में चीन के खिलाफ कड़े कदम उठाए थे। उम्मीद की जा रही है कि वह ताइवान और दक्षिण चीन सागर जैसे वैश्विक मोर्चों पर भी बीजिंग के खिलाफ सख्त उपायों को लागू करेंगे। चीन ताइवान को अपने क्षेत्र का हिस्सा मानता है और दक्षिण चीन सागर के अधिकांश हिस्से पर अपना दावा करता है। झेंग ने कहा था कि अमेरिका के आंतरिक बदलावों का मुकाबला करने के लिए चीन को अपनी नीतियों को और खोलना होगा। उन्होंने कहा कि ट्रंप के व्यापार शुल्कों से द्विपक्षीय संबंधों को नुकसान होगा।

खबरें जो सोच बदल दे

# शुभ लाभ

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । बुधवार, 27 नवंबर, 2024 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । epaper.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 । मूल्य-8 रु.। वर्ष-6 । अंक-327

### बार-बार ठप्प हो रही संसद, एक मिनट का खर्च ढाई लाख

# संसद को विपक्ष ने बना दिया है नुक्कड़छाप

**शुभ-लाभ सरोकार**

**संसद** का शीतकालीन सत्र सोमवार से शुरू हुआ। सत्र प्रारंभ होते ही विपक्षी सदस्यों खास तौर पर कांग्रेसियों और सपाइयों ने सदन में शोर मचाना शुरू कर दिया। इस बात की भी लोकतांत्रिक मर्यादा नहीं रखी कि सदन की शुरुआत में सदन की सार्थकता बनाए रखें। हंगामे के कारण सदन में कोई काम नहीं हो सका। आखिरकार सदन को स्थगित कर देना पड़ा। संसद के सत्र के दौरान एक मिनट का खर्च ढाई लाख रुपए आता है। खर्च की यह राशि कुछ वर्ष पुरानी है। अब तो ढाई लाख प्रति मिनट का खर्च निश्चित तौर पर पांच लाख के करीब पहुंच चुका होगा। ढाई लाख रुपए प्रति मिनट का खर्च भी जोड़ लें तो लोकसभा और राज्यसभा में सत्र के दौरान होने वाला प्रति दिन का खर्च और उसे पूरे सत्र की अवधि में जोड़ लें तो देश के मध्य वर्गीय आदमी का दिमाग घूम जाएगा। ...और संसद में होता क्या है? विपक्ष के नेता राहुल गांधी विपक्ष के सदस्यों को उकसा कर हंगामा कराते हैं, सदन को नुक्कड़छाप बनाने में कोई कोर कसर नहीं छोड़ते, बेवकूफाना बातें करते हैं और आंखें मारते हैं। इस अराजकता के कारण संसद में न प्रश्नकाल हो पाता है और न शून्यकाल में किसी आवश्यक मुद्दे पर कोई सार्थक बहस हो पाती है। इसका खामियाजा कौन भुगतता है? खामियाजा भुगतती है आम जनता,

जिनके टैक्स पर ये नेता सत्र के दौरान मौज करते हैं। हल्ला हंगामा करते हैं और सियासी रोटियां सेंकने के लिए टुच्ची हरकतें करते हैं।

**जनप्रतिनिधि रौंद रहे हैं जनता का धन**

बीते मानसून सत्र में भी संसद की कार्यवाही हंगामे की भेंट चढ़ी। दोनों सदनों में जमकर हंगामा और नारेबाजी होती रही। कभी विपक्ष के सांसद काले कपड़े पहनकर पहुंचते रहे तो कभी सदन में प्लेकार्ड लेकर घुसते रहे। प्रधानमंत्री के भाषण के दरम्यान भी सदन में नारेबाजी करने की अशोभनीय अलोकतांत्रिक हरकतें करते रहे। इन ओछी हरकतों से यह सवाल बार बार उठा कि बार बार संसद ठप्प होने से देश का और जनता का कितना नुकसान हो रहा है। संसद चलने की लागत 2.5 लाख रुपए प्रति मिनट बताई गई थी।

वर्ष 2021 में संसद में गतिरोध से देश के कर दाताओं का 133 करोड़ नष्ट हुआ था। यह विनाश लगातार जारी है। 2022, 2023 और 2024 के संसद सत्र का खर्च भी इसमें जोड़ लें और भारतीय लोकतंत्र के नुक्कड़छाप नेताओं का स्तर देख लें, जिन्हें हम आप वोट देकर संसद भेजते हैं और बाद में पश्चाताप करते हैं...

### संविधान दिवस पर संसद के संयुक्त सत्र में राष्ट्रपति का संबोधन

# जीवंत और प्रगतिशील दस्तावेज है भारत का संविधान

**नई दिल्ली, 26 नवंबर (एजेंसियां)।** संविधान के 75 साल पूरे होने पर मनाए गए संविधान दिवस पर संसद के संयुक्त सत्र को संबोधित करते हुए राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा कि भारत का संविधान एक जीवंत और प्रगतिशील दस्तावेज है। संविधान के माध्यम से हमने सामाजिक न्याय और समावेशी विकास से जुड़े कई महत्वाकांक्षी लक्ष्य हासिल किए हैं। राष्ट्रपति ने देशवासियों से भी अनुरोध किया कि वे संवैधानिक मूल्यों को अपने आचरण में डालें। राष्ट्रपति मुर्मू ने संविधान दिवस के अवसर पर विशेष स्मारक सिक्का भी जारी किया। साथ ही राष्ट्रपति ने एक विशेष डाक टिकट भी जारी किया। संविधान दिवस के अवसर पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, पीएम मोदी, उपराष्ट्रपति ने संस्कृत भाषा में संविधान की प्रति का विमोचन भी किया।

**डॉ. राजेंद्र प्रसाद और डॉ. अंबेडकर के प्रति राष्ट्र कृतज्ञ**

राष्ट्रपति ने कहा कि संविधान दिवस के पावन अवसर पर आप सभी के बीच आकर मुझे बेहद खुशी हो रही है। आज हम सब एक ऐतिहासिक अवसर के भागीदार बन रहे हैं। 75 साल पहले संसद के इसी कक्ष में देश के संविधान के निर्माण का बहुत बड़ा काम संपन्न किया और उसी दिन इस संविधान को अपनाया गया। संविधान हमारे लोकतांत्रिक मूल्यों की आधारशिला है। आज कृतज्ञ राष्ट्र की तरफ से संविधान सभा के सदस्यों को श्रद्धांजलि अर्पित करती हूं। डॉ. राजेंद्र प्रसाद और बाबा साहेब अंबेडकर ने संविधान सभा का नेतृत्व किया, उनके प्रति पूरा देश कृतज्ञ है।

राष्ट्रपति ने कहा कि हमारा संविधान एक जीवंत और प्रगतिशील दस्तावेज है।

▶10 पर

### भारत का संविधान अब संस्कृत और मैथिली भाषा में भी

**नई दिल्ली, 26 नवंबर (एजेंसियां)।** भारत का संविधान अब संस्कृत और मैथिली भाषा में भी पढ़ सकते हैं। संविधान को अंगीकार करने की 75वीं वर्षगांठ (संविधान दिवस) पर मंगलवार को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने इन दो भाषाओं में संविधान की प्रतियों का विमोचन किया। संविधान दिवस पर एक सिक्का और डाक टिकट भी जारी किया गया। इस मौके पर लोकसभा अध्यक्ष, राज्यसभा के सभापति, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और नेता विपक्ष राहुल गांधी भी मौजूद थे। ▶10 पर

### आंध्र प्रदेश भूमि आवंटन पर सुप्रीम कोर्ट का फैसला

# जज, नेता, अफसर या पत्रकार स्पेशल नहीं होते

**नई दिल्ली, 26 नवंबर (एजेंसियां)।** सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट और हाईकोर्ट के न्यायाधीशों, सांसदों, विधायकों, अखिल भारतीय सेवाओं के अधिकारियों, पत्रकारों को रियायती मूल्य पर भूमि आवंटन के लिए अन्य की तुलना में अलग श्रेणी में नहीं माना जा सकता। शीर्ष अदालत ने संयुक्त आंध्र प्रदेश सरकार द्वारा 2005 में जारी किए गए उन आदेशों को रद्द कर दिया, जिसमें सांसदों, विधायकों, अखिल भारतीय सेवा/राज्य सरकार के अधिकारियों, संवैधानिक न्यायालयों के न्यायाधीशों और पत्रकारों को एक अलग वर्ग के रूप में मानते हुए रियायती दर पर भूमि आवंटित करने का आदेश दिया गया था। मुख्य न्यायाधीश जस्टिस संजीव खन्ना और जस्टिस दीपांकर दत्ता की पीठ ने कहा, नीति का उद्देश्य असमानता को कायम रखना है। नीति भेदभाव का सहारा लेकर एक लाभ प्राप्त वर्ग या समूह को अलग करती है और उदारता प्रदान करती है।

पीठ ने कहा, आवंटन नीति मनमानी के साथ-साथ दो-आयामी वर्गीकरण परीक्षण की आवश्यकताओं को पूरा करने में विफल रही है। पीठ ने महसूस किया कि विचाराधीन नीतियां यह दिखाने के लिए एक प्रासंगिक उदाहरण हैं कि

**रियायती दर पर भूमि आवंटित करने का आदेश खारिज**

केवल समान लोगों के साथ समान व्यवहार करने से अन्याय हो सकता है। हालांकि, सुप्रीम कोर्ट ने संविधान के तहत राज्य के विवेक और कर्तव्य को स्वीकार किया ताकि वह अपने संसाधनों को समाज के हाशिए पर पड़े वर्गों या अन्य योग्य व्यक्तियों को उनके सार्वजनिक कार्यों के निर्वहन के लिए आवश्यक सीमा तक वितरित कर सके।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि नीति अधिक योग्य लोगों के साथ-साथ समान स्थिति वाले लोगों को भी समान कीमत पर भूमि तक पहुंच से रोकती है। यह एक छोटे और विशेषाधिकार ▶10 पर

### ईवीएम पर लगाए जा रहे आरोप हास्यास्पद : सुप्रीम कोर्ट

## बैलेट पेपर से मतदान कराने की याचिका खारिज

**नई दिल्ली, 26 नवंबर (एजेंसियां)।** देश में फिर से बैलेट पेपर के जरिए मतदान कराने की मांग वाली याचिका आज सुप्रीम कोर्ट ने खारिज कर दी। सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई के दौरान जस्टिस विक्रम नाथ और पीबी वराले की बेंच ने टिप्पणी की, जब आप चुनाव जीतते हैं तो ईवीएम से छेड़छाड़ नहीं होती है। जब आप हारते हैं तो ईवीएम से छेड़छाड़ होती है। सुप्रीम कोर्ट ने याचिका दाखिल करने वाले केए पॉल पर कटाक्ष भी किया, आपके पास बेहद रोचक जनहित याचिकाएं हैं। आपको ये शानदार आइडिया कहां से मिला? सुप्रीम कोर्ट ने कहा, ईवीएम पर लगाए जा रहे आरोप हास्यास्पद हैं। ▶10 पर

### जम्मू कश्मीर में व्हाट्सएप, जीमेल के इस्तेमाल पर रोक

# लीक हो रही है सरकार की गोपनीयता!

**सुरेश एस डुग्गर**
**जम्मू, 26 नवंबर।** जम्मू कश्मीर सरकार को संदेह है कि सरकार के सीक्रेट लीक हो रहे हैं या भविष्य में लीक हो सकते हैं। ऐसे में जम्मू कश्मीर सरकार ने अपने अधिकारियों और कर्मचारियों से आधिकारिक संचार की सुरक्षा और गोपनीयता सुनिश्चित करने को कहा है, यह समझते हुए कि तीसरे पक्ष के उपकरणों का उपयोग करने की बढ़ती प्रवृत्ति संचारित की जा रही सूचना की अखंडता और सुरक्षा के लिए महत्वपूर्ण जोखिम पैदा करती है।

जम्मू कश्मीर सरकार ने अपने अधिकारियों और कर्मचारियों को संवेदनशील, गुप्त और गोपनीय संचार प्रसारित करने के लिए व्हाट्सएप, जीमेल और इसी तरह के अन्य तृतीय-पक्ष प्लेटफार्मों का उपयोग बंद करने का निर्देश दिया है। सरकार के अनुसार, सरकारी कर्मचारियों की यह प्रथा (तीसरे पक्ष के उपकरणों का उपयोग करके जानकारी साझा करना) संचारित की जा रही सूचना की अखंडता और सुरक्षा के लिए महत्वपूर्ण जोखिम पैदा कर रही है। जम्मू कश्मीर सरकार ने संवेदनशील और गोपनीय जानकारी प्रसारित करने के लिए व्हाट्सएप, जीमेल और इसी तरह के अन्य प्लेटफार्मों जैसे तीसरे पक्ष के संचार उपकरणों का उपयोग करने वाले अधिकारियों की बढ़ती प्रवृत्ति को देखते हुए ये निर्देश जारी किए हैं। सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा जारी एक परिपत्र में तीसरे पक्ष के प्लेटफार्मों का उपयोग करने के जोखिमों पर ▶10 पर

### मछली वाली नाव से आया करोड़ों का ड्रग्स तटरक्षकों ने पकड़ा

## म्यांमार से अंडमान पहुंचा 5500 किलो ड्रग्स

**पोर्ट ब्लेयर, 26 नवंबर (एजेंसियां)।** केंद्र शासित प्रदेश अंडमान निकोबार में भारतीय तटरक्षक बल (कोस्ट गार्ड) ने समुद्री इतिहास का सबसे बड़ा ड्रग्स पकड़ा है। ये ड्रग्स म्यांमार से मछली पकड़ने वाली नाव के जरिए अंडमान की ओर बढ़ रहा था। भारतीय कोस्ट गार्ड ने उसे पकड़ लिया।

ड्रग तस्कर ड्रग्स लेकर अंडमान में खपाने की कोशिश के तहत म्यांमार से चले। वहीं सीमा सुरक्षा के लिहाज से भारतीय नेवी का डोर्नियर विमान अपनी नियमित उड़ान पर था, तभी उसे एक संदिग्ध नाव भारतीय क्षेत्र में प्रवेश करती दिखी। उसने तुरंत इसकी सूचना जेओसी मुख्यालय और एनएसी को दी। ▶10 पर

### कार्टून कॉर्नर

### मौसम हैदराबाद

अधिकतम : 27°
न्यूनतम : 17°

### इस्कॉन के बांग्लादेश प्रमुख की गिरफ्तारी पर भारत ने जताई चिंता

# संत को रिहा करने और हिंदुओं पर हमले बंद करने की हिदायत

**नई दिल्ली, 26 नवंबर (एजेंसियां)।** भारत ने बांग्लादेश में हिंदू धर्माचार्य एवं इस्कॉन प्रमुख चिन्मय प्रभु कृष्ण दास की गिरफ्तारी और जमानत न दिए जाने पर गहरी चिंता व्यक्त की है। चिन्मय दास की गिरफ्तारी के खिलाफ शांतिपूर्ण तरीके से प्रदर्शन कर रहे अल्पसंख्यकों पर हमलों पर भी भारत सरकार ने चिंता जताई है। विदेश मंत्रालय ने कहा है कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि अल्पसंख्यक हिंदुओं पर हो रहे हमलों के अपराधी अभी भी खुलेआम घूम रहे हैं, जबकि शांतिपूर्ण सभाओं के माध्यम से वैध मांगें पेश करने वाले धार्मिक नेता के खिलाफ आरोप लगाए जा रहे हैं। विदेश मंत्रालय ने कहा, हम बांग्लादेश सरकार से चिन्मय प्रभु कृष्ण दास की अविलंब रिहाई के साथ-साथ हिंदुओं और सभी अल्पसंख्यकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने का आग्रह करते हैं, जिसमें शांतिपूर्ण सभा और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का उनका अधिकार भी शामिल है। चिन्मय प्रभु की गिरफ्तारी के खिलाफ हिंदू समुदाय के लोग ढाका की सड़कों पर उतर पड़े और जाम लगा दिया। प्रदर्शनकारियों पर बांग्लादेश के सुरक्षाबलों ने जबरदस्त लाठीचार्ज किया जिसमें 50 लोगों के घायल होने की खबर है। विदेश मंत्रालय ने कहा कि चिन्मय प्रभु कृष्ण दास की गिरफ्तारी की घटना बांग्लादेश में चरमपंथी तत्वों द्वारा हिंदुओं और अन्य अल्पसंख्यकों पर किए गए कई हमलों के बाद हुई है। अल्पसंख्यकों के घरों और व्यावसायिक प्रतिष्ठानों में आगजनी और लूटपाट के साथ-साथ चोरी और तोड़फोड़ और देवताओं और मंदिरों को अपवित्र करने के कई मामले दर्ज हैं। यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि इन घटनाओं के अपराधी अभी भी खुलेआम घूम रहे हैं जबकि शांतिपूर्ण सभाओं के माध्यम से वैध मांगें पेश करने वाले धार्मिक नेता के खिलाफ आरोप लगाए जा रहे हैं।

भारत के विदेश मंत्रालय ने कहा कि हम चिन्मय प्रभु कृष्ण दास की गिरफ्तारी के खिलाफ शांतिपूर्ण तरीके से विरोध कर रहे अल्पसंख्यकों पर किए गए हमलों पर भी चिंता व्यक्त करते हैं। ▶10 पर

**बांग्लादेश में हिंदू प्रदर्शनकारियों पर हमले में 50 घायल**

**हिंदू संत की गिरफ्तारी से सद्गुरु जग्गी वासुदेव नाराज**

### बांग्लादेश की कोर्ट में लगे हिंदू समर्थक नारे

**ढाका, 26 नवंबर (एजेंसियां)।** बांग्लादेश में मंगलवार को एक अदालत ने हिंदू समुदाय के नेता और इस्कॉन के चिन्मय कृष्ण दास प्रभु को जेल भेजने का आदेश दिया। चटगांव की छठे मेट्रोपोलिटन मजिस्ट्रेट काजी शरीफुल इस्लाम की कोर्ट ने उनकी जमानत याचिका को खारिज करते हुए यह आदेश सुबह करीब 11.45 बजे जारी किया। कोर्ट में जब उन्हें सजा सुनाई जा रही थी, इस दौरान उनके समर्थकों ने अदालत में ही उनके पक्ष में नारेबाजी की। बांग्लादेश पुलिस ने सोमवार को देशद्रोह और सांप्रदायिक सौहार्द बिगाड़ने के आरोप में ▶10 पर

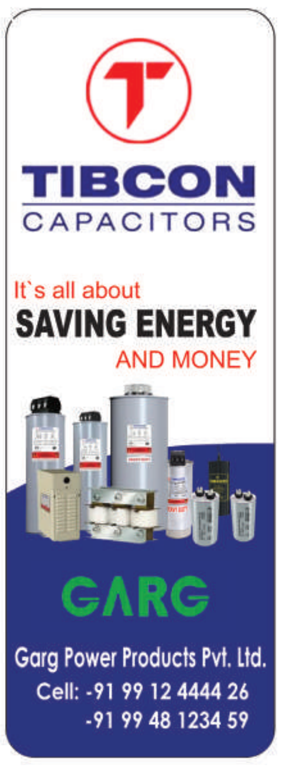

खबरें जो सोच बदल दे शुभ लाभ

# संविधान हमें अधिकार देने के साथ ही देता है कर्तव्यों की भी सीख : भजनलाल शर्मा

**जयपुर,26 नवंबर (एजेंसियां)।** मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार संविधान में निहित लोक कल्याण की मूल भावना को सर्वोपरि मानते हुए प्रदेशवासियों के कल्याण के लिए समर्पित भाव से काम कर रही है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार ने विभिन्न योजनाओं और नीतियों के माध्यम से संविधान की मूल भावना को साकार किया है। जनकल्याणकारी योजनाओं, महिला सशक्तिकरण और शिक्षा के क्षेत्र में उठाए गए कदमों से राज्य सरकार ने यह सुनिश्चित किया है कि हर नागरिक को समान अवसर प्राप्त हों जिससे समावेशी समाज का निर्माण हो सके।

शर्मा मंगलवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में आयोजित 'संविधान दिवस कार्यक्रम' को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि आज का दिन संविधान की महिमा का उत्सव और उन महान व्यक्तित्वों को याद करने का दिन है, जिन्होंने इस अद्भुत दस्तावेज का निर्माण किया। श्री शर्मा ने कहा कि भारत का संविधान दुनिया का सबसे प्रभावी संविधान है। यह हमारे लोकतंत्र का आधार होने के साथ ही सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक न्याय का मार्गदर्शक भी है। इसमें समानता, स्वतंत्रता और बंधुत्व के मूल्यों को प्राथमिकता दी गई है। उन्होंने कहा कि संविधान हमें अधिकार देने के साथ ही कर्तव्यों की भी सीख देता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारा देश सैंकड़ों सालों की गुलामी सहने के बावजूद मजबूती से खड़ा रहा क्योंकि हमारे पूर्वजों ने अपने कर्तव्यों का निष्ठा के साथ पालन किया। हम सब भी अपने दायित्वों का ईमानदारी और निष्ठा से पालन करें।

मुख्यमंत्री ने कहा कि 26 नवंबर, 1949 को हमारा संविधान अपनाया गया था और 26 जनवरी, 1950 को ये लागू हुआ, लेकिन संविधान दिवस मनाने की शुरुआत देश के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने की। यह संविधान के मूल्यों, आदर्शों और हमारे लोकतांत्रिक ढांचे को जन-जन तक पहुंचाने का प्रयास था। प्रधानमंत्री जी ने इस दिन को चुनकर हमें यह स्मरण कराया कि संविधान हमारे देश की आत्मा है और इसकी सुरक्षा और सम्मान हमारा प्रथम कर्तव्य है। मुख्यमंत्री ने कहा कि संविधान निर्माण में बाबासाहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर और संविधान के अन्य महान शिल्पियों का अतुलनीय योगदान है जिनकी कड़ी मेहनत और दूरदृष्टि की वजह से ही हमें ऐसा महान संविधान प्राप्त हुआ है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने बाबासाहेब अंबेडकर के जीवन से जुड़े पंचतीर्थों का निर्माण करवाया, जिससे उनके योगदान को सम्मान मिला।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा संविधान दिवस के संदेश को प्रदेशवासियों तक पहुंचाने के लिए अनेक पहल की जा रही हैं। हम संविधान में निहित मौलिक कर्तव्यों की पालना के बेहतर प्रयासों को सम्मानित कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि संविधान दिवस पर अनुसूचित जाति, जनजाति और अन्य पिछड़ा वर्ग के कल्याण के लिए संचालित योजनाओं का अधिकतम लाभ पहुंचाने के लिए अभियान चलाने जैसे प्रयास राज्य सरकार द्वारा किए जा रहे हैं। साथ ही, ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र में विद्यालयों एवं सरकारी कार्यालयों में संविधान की प्रस्तावना के पठन सहित विभिन्न कार्यक्रम और प्रतियोगिताएं भी आयोजित की जा रही हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि संविधान को आत्मसात कर इसे सार्वजनिक जीवन में लागू करना तथा अपने कर्तव्यों का सर्वोत्तम पालन करना ही राष्ट्र निर्माण की कुंजी है। उन्होंने प्रदेशवासियों से आग्रह किया कि संविधान में दिए गए मूल्यों को अपने जीवन का हिस्सा बनाएं। उपमुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा ने कहा कि हमारा संविधान केवल एक पुस्तक नहीं बल्कि राष्ट्र की आत्मा का प्रतिबंब है। उन्होंने कहा कि हम सब एक नागरिक के रूप में अपने अधिकारों के प्रति जागरूक रहें लेकिन कर्तव्यों को भी नहीं भूलें तथा आपसी सहभागिता से सुशासन की स्थापना कर प्रदेश को देश का अग्रणी राज्य बनाने में योगदान दें।

## वासुदेव देवनानी ने विधानसभा में संविधान दीर्घा का किया लोकार्पण

**जयपुर,26 नवंबर (एजेंसियां)।** राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने भारतीय संविधान के 75 वर्ष पूरे होने की गरिमापूर्ण यात्रा पर प्रदेशवासियों को बधाई एवं शुभकामनाएं दी है। श्री देवनानी ने कहा है कि यह महत्वपूर्ण दिवस है। हमारे राष्ट्र का संविधान, इसके निर्माताओं की दूरदर्शिता का जीवंत प्रमाण है। यह संविधान सामाजिक परिवर्तन और आर्थिक विकास की जटिलताओं और चुनौतियों के बावजूद राष्ट्र का मार्ग दर्शन करने में समय की कसौटी पर खरा उत्तरा है।

राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने मंगलवार को यहां विधान सभा में संविधान दिवस पर आयोजित समारोह में राजनैतिक आख्यान संग्रहालय में संविधान दीर्घा का लोकार्पण किया। राजस्थान विधान सभा के डिजिटल म्यूजियम में एक नवीन दीर्घा बनाई गई है। इस संविधान दीर्घा में मूल संविधान के बाईस भागों के आरम्भ में दर्शायी गयी कलाकृतियों को प्रदर्शित किया गया है। देवनानी ने बताया कि संविधान दीर्घा का उद्देश्य आमजन और युवाओं में राष्ट्र और राष्ट्र के संविधान का बोध कराने के साथ ही संविधान और सांस्कृतिक नैतिकता के प्रति जागरुकता लाना है।

## राष्ट्र की आत्मा है भारतीय संविधान

### संगोष्ठी और प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता से समझाया संविधान का महत्व

**डीग,26 नवंबर (एजेंसियां)।** संविधान दिवस के अवसर पर मंगलवार को किशन लाल जोशी राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में सूचना एवं जनसंपर्क विभाग डीग एवं जिला प्रशासन के संयुक्त तत्वाधान में संगोष्ठी और प्रश्नोत्तरी कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में जिला कलेक्टर डीग उत्सव कौशल ने सभी को संविधान दिवस की शुभकामनाएं प्रेषित करते हुए बताया कि किस तरह भारतीय संविधान हमें सशक्त बनाता है। संविधान में जिन अनुच्छेदों और सूचियों का उल्लेख किया गया है, वह प्रत्येक देशवासी के जीवन में उपयोगी है। शिक्षा के साथ-साथ रोजगार प्राप्ति और जीवनयापन में भी भारतीय संविधान की महत्ता और उपयोगिता सदैव बनी रहेगी। उन्होंने भारतीय संविधान को राष्ट्र की आत्मा बताते हुए कहा कि संविधान प्रत्येक देशवासी को सशक्त बनाने के साथ-साथ जागरूक भी करता है। उन्होंने बताया कि किस तरह संविधान सभा द्वारा संविधान तैयार किया गया। हमारा संविधान केवल कानूनों का एक संग्रह नहीं है। ये भारत की आत्मा का प्रतिबिंब है। ये हमें अधिकार देता है, तो उसके साथ अपने कर्तव्य भी याद दिलाता है। इसने हमें अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता समेत दूसरी बड़ी आजादी दी है।

इस दौरान संगोष्ठी और प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कृत भी किया गया। आरम्भ में मां सरस्वती के चित्र पर पुष्प अर्पित कर कार्यक्रम का कौशल एवं अतिरिक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी डीग द्वारा शुभारंभ किया गया।

उपनिदेशक पशुपालन विभाग डॉ भावना यादव ने कहा कि भारतीय स्वतंत्रता के पश्चात संविधान सभा द्वारा संविधान तैयार करने की कार्यवाही शुरू की गई। इसमें सभी वर्गों का प्रतिनिधित्व लिया गया। सभी की भावनाओं का ध्यान रखते हुए संविधान तैयार किया गया है। उन्होंने आह्वान किया कि भारतीय संविधान में दर्शाये गये अधिकारों के साथ-साथ कर्तव्यों के प्रति भी भारतवासी जागरूक रहे। उन्होंने भारतीय संविधान की रूपरेखा, उसका महत्व और विशेषताओं का उल्लेख करते हुए बताया कि किस तरह से भारतीय संविधान को लिखा गया। हस्तलिखित संविधान होने के साथ-साथ कठोर और लचीला भी है। इसमें सभी वर्गों और धर्मों का समावेश करते हुए सभी का प्रतिनिधित्व सुनिश्चित किया गया है। इसके पश्चात भारतीय संविधान की प्रस्तावना के पाठन एवं अंत में राष्ट्र गान के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ। मंच का संचालन उमेश प्रजापति द्वारा किया गया।

## चित्तौड़ के पारी गांव में खनिज क्वार्टज के अवैध खनन पर बड़ी कार्रवाई

**जयपुर,26 नवंबर (एजेंसियां)।** अतिरिक्त निदेशक माइंस उदयपुर जोन दीपक तंवर के निर्देशन में खान विभाग की टीम द्वारा चित्तोड़गढ़ के भूपालसागर के पारी गांव में अवैध खनन के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। अतिरिक्त निदेशक माइंस उदयपुर जोन दीपक तंवर को गुप्त स्रोत से प्राप्त जानकारी पर संबंधित क्षेत्र से बाहर के अधिकारियों को बिना किसी पूर्व सूचना के संबंधित क्षेत्र में भेज कर कार्रवाई को अंजाम दिया गया। गौरतलब है कि प्रमुख शासन सचिव टी. रविकान्त द्वारा विभिन्न समीक्षा बैठकों के दौरान अवैध खनन गतिविधियों के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति पर कार्य करते हुए कार्रवाई के निर्देश दिए हुए है।

अतिरिक्त निदेशक माइंस उदयपुर जोन दीपक तंवर ने बताया कि गुप्त स्रोत से प्राप्त जानकारी पर सहायक खनि अभियंता बिजोलिया बंशीलाल सुथार और राजसमंद फोरमैन जमुना शंकर को मय जाब्ते के बिना पूर्व जानकारी के अवैध खनन स्थल पर भेजा गया और लक्ष्मण पुत्र भगवान जाट की खातेदारी भूमिपर खनिज क्वार्टज का अवैध खनन पाया गया।

टीम द्वारा खनिज क्वार्टज का मौके पर 16-16 टन वजन के दो ब्लॉक और एक्सकवेटेड माल पकड़ा। इसके साथ ही किए गए खनन का आकलन करने पर 2592 टन अवैध खनन पाया गया। खनिज क्वार्टज की कीमत लगभग 50 हजार प्रति टन बताई जा रही है इस तरह से करीब 6 करोड़ रु. से अधिक के क्वार्टज खनिज का अवैध खनन पाया गया है। अतिरिक्त निदेशक श्री तंवर द्वारा खनि अभियंता चित्तोड़गढ़ को संबंधित के खिलाफ एमआईआर दर्ज कराने के निर्देश दिए गए हैं।

## हेलीकॉप्टर पुराना था और लंबे समय से फाइल चल रही थी, ये नियमानुसार लिया गया है : नायब सिंह सैनी

**चंडीगढ़,26 नवंबर (एजेंसियां)।** मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि हेलीकॉप्टर खरीदने की प्रक्रिया पहले से ही जारी थी अब हमारी सरकार ने यह हेलीकॉप्टर खरीद है जब उनसे पूछा गया कि भूपेंद्र सिंह हुड्डा हेलीकॉप्टर को लेकर सवाल खड़े कर रहे हैं कि सरकार पर कर्ज चढ़ गया है तो मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा सदमे में है इसलिए वह कुछ भी बयान दे रहे हैं और इधर-उधर की बात करते हैं व हुड्डा हर चीज में राजनीति ढूंढते हैं, हेलीकॉप्टर पुराना था कंडम हो गया था और लंबे समय से फाइल चल रही थी हेलीकॉप्टर नियमानुसार लिया गया है।

कौशल रोजगार निगम पर जब उनसे पूछा गया कि भूपेंद्र हुड्डा आरोप लगा रहे हैं कि कौशल रोजगार निगम में आरक्षण नहीं दिया जा रहा तो उन्होंने कहा कि इस मुद्दे को विधानसभा में भी विस्तार में से बताया था लेकिन विधानसभा में उस समय भूपेंद्र हुड्डा कोई जवाब नहीं दे पाए और अब बयानबाजी कर रहे हैं। मुख्यमंत्री के अनुसार कलेक्टर रेट ज्यादा नहीं बढ़ाए गए हैं वह नियम अनुसार बढ़ाए गए हैं समय-समय इन्हें रिव्यू किया जाता है वह उसके मुताबिक है।

मुख्यमंत्री नायब सैनी ने कहा कि आज का दिन बड़ा गर्व -गौरव का दिन है आज हमें पवित्र संविधान निर्माताओं को स्मरण करने का अवसर हमें पीएम नरेंद्र मोदी की बदौलत मिला है आज कुरुक्षेत्र में राज्य स्तरीय संविधान दिवस समारोह में पहुंचे थे मुख्यमंत्री नायब सैनी। कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय में आयोजित राज्य स्तरीय संविधान दिवस समारोह में पहुंचे थे हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सैनी।

सीएम नायब सैनी का कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय में पहुंचने पर कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय में पढ़ रहे विदेशी छात्रों ने भारतीय तिरंगा लहराकर व अपने-अपने देश का ध्वज देकर किया स्वागत।वही मुख्यमंत्री नायब सैनी ने सूचना जनसंपर्क, संस्कृति एवं भाषा विभाग द्वारा आयोजित प्रदर्शनी का किया अवलोकन भी किया।

## हरियाणा विस अध्यक्ष हरविंद्र कल्याण ने देखा लोकसभा सत्र

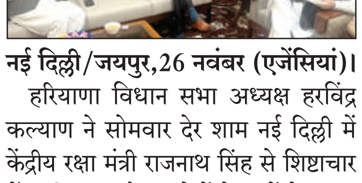

**नई दिल्ली/जयपुर,26 नवंबर (एजेंसियां)।** हरियाणा विधान सभा अध्यक्ष हरविंद्र कल्याण ने सोमवार देर शाम नई दिल्ली में केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान दोनों नेताओं ने एक-दूसरे की कुशलक्षेम पूछी और केंद्रीय रक्षा मंत्री ने कल्याण को नए दायित्व के लिए बधाई व अच्छे कार्यकाल के लिए शुभकामनाएं दीं। इससे पूर्व कल्याण ने संसद भवन पहुंच शीतकालीन सत्र की कार्यवाही भी देखी। उन्होंने संसद के पुस्तकालय का दौरा किया और वहां रखी संविधान की मूल प्रति का भी अवलोकन किया। अध्यक्ष हरविंद्र कल्याण ने जनवरी 2025 में 15वीं विधान सभा के नवनिर्वाचित विधायकों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम तथा विधान सभा कर्मचारिओं-अधिकारियों की ट्रेनिंग करवाने बारे लोक सभा के अधिकारियों से चर्चा की। लोक सभा ने इन कार्यक्रमों को आयोजित करने का भरोसा दिलाया। इस दौरान उन्होंने केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल और कृष्ण पाल गुर्जर समेत अनेक मंत्रियों व केंद्रीय नेताओं से भी भेंट की।

## लाडवा को मॉडल विधानसभा क्षेत्र बनाने की योजना तैयार कर रही सरकार : सैनी

**कुरुक्षेत्र,26 नवंबर (एजेंसियां)।** मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि लाडवा हल्का को मॉडल विधानसभा के रूप में विकसित करने के लिए सरकार योजना बना रही है और इस योजना के अनुसार धीरे-धीरे लाडवा को विकसित करने का काम किया जाएगा। इस हल्का के हर गांव और वार्डो का लोगों के सुझावों के अनुसार विकास किया जाएगा और नागरिकों की सभी सामूहिक मांगों को सबसे पहले पूरा किया जाएगा। मुख्यमंत्री मंगलवार को देर सायं लाडवा विधानसभा क्षेत्र के गांव मथाना व लाडवा में आयोजित धन्यवाद कार्यक्रमों में बोल रहे थे। इससे पहले मुख्यमंत्री का गांव मथाना व लाडवा में पहुंचने पर लोगों की ओर से भव्य स्वागत किया गया। इस दौरान मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने गांव मथाना के विकास के लिए 21 लाख रुपए देने की घोषणा करने के साथ-साथ और लाडवा व मथाना की सभी मांगों को पूरा करने का आश्वासन दिया।मुख्यमंत्री ने कहा कि लाडवा हल्का के नागरिकों के आशीर्वाद से प्रदेश के लोगों की सेवा करने की उन्हें दूसरी बार और प्रदेश सरकार को तीसरी बार सेवा करने का अवसर मिला है। अब सरकार नॉन स्टॉप गति से लाडवा के साथ-साथ हरियाणा प्रदेश का विकास करेगी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में हरियाणा प्रदेश को विकसित प्रदेश बनाने का काम किया जाएगा और इस प्रदेश के हर नागरिक को मूलभूत सुविधाएं मुहैया करवाई जाएगी। उन्होंने कहा कि वर्तमान राज्य सरकार ने पिछले 10 सालों में समाज के अंतिम व्यक्ति की जरूरतों को ध्यान में रखकर योजनाएं बनाने का काम किया है। सरकार ने मुख्यमंत्री आवास योजना के तहत 30-30 गज के 15430 प्लाट देने का काम किया है और अन्य योग्य प्रार्थियों को भी जल्द प्लाट की सौगात दी जाएगी। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने 70 वर्ष से अधिक आयु वर्ग के हर श्रेणी के व्यक्ति को आयुष्मान योजना के तहत 5 लाख रुपए का निशुल्क इलाज व निशुल्क डायलिसिस की सुविधा भी प्रदान की है, जबकि पिछली सरकारों ने लोगों को लूटने का काम किया है।

## आज का राशिफल

**मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ**

गलतफहमी और लगातार असहमति पारिवारिक माहौल को निराशाजनक बना सकती है. यह स्थिति आपको तनावग्रस्त कर सकती है. आज कार्य स्थल पर सहकर्मियों और अधीनस्थों से टकराव होने का खतरा है. घरेलू मोर्चे से निपटने के लिए राजनयिक बनने की कोशिश करें और दार्शनिक दृष्टिकोण अपनाकर वास्तविक दुनिया को उसके वास्तविक परिप्रेक्ष्य में देखने का प्रयास करें. वित्तीय व्यवहार और निवेश के साथ अधिक सतर्क और सावधान रहें क्योंकि दिन ज्यादा अनुकूल नहीं है, कमाई घट सकती है और धन अवरुद्ध हो सकता है. दूसरों के लिए स्थायी गारंटी देने से बचें.

**वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो**

आज आपका कोई सोचा हुआ काम पूरा हो जायेगा. इस राशि के छात्रों के करियर में आज नया बदलाव आयेगा, जो उनके भविष्य के लिए फायदेमंद होगा. आपकी सेहत बेहतर बनी रहेगी. इस राशि के जो लोग सोशल साइट्स पर काम करते हैं, उनकी जान-पहचान किसी ऐसे व्यक्ति से होगी, जिससे आपको काफी लाभ मिलेगा. कारोबार में कुछ लोग मददगार साबित होंगे. आपको कोई महत्वपूर्ण काम मिल सकता है. सामाजिक क्षेत्र में आपकी सराहना होगी. अपने मस्तक पर चंदन का तिलक लगाएं, आपके साथ सब अच्छा होगा.

**मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह**

बिजनेस और नौकरी में परिवार से सहयोग मिलेगा. कार्यस्थल पर सोच-समझकर बोलें. उन्नति के रास्ते खुलेंगे. बिजनेस में फायदा होने के योग बन रहे हैं. घर में उपयोग होने वाली वस्तुएं खरीद सकते हैं. अपनी सोच सकारात्मक रखें. विश्वसनीय व्यक्ति का सहयोग भी मिल सकता है. आपका पार्टनर संवेदनशील मूड में रहेगा. आपकी भावनाओं का सम्मान होगा. आपको अपनी सेहत पर विशेष ध्यान देना चाहिए.

**कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो**

आज पारिवारिक समस्याओं से मन विचलित हो सकता है. सामाजिक प्रतिष्ठा मिलेगी. व्यापार-व्यवसाय में वृद्धि के योग हैं. उत्साह बना रहेगा. काम में मन लगेगा. नया काम मिलेगा. प्यार के लिए समय बेहतरीन है. नई जगह निवेश करने के लिए आप उत्सुक रहेंगे. कार्यक्षेत्र में पदोन्नति के योग बन रहे हैं. बिजनेस में धन लाभ के योग बन रहे हैं. आज प्रेमी और जीवनसाथी ही आपकी बड़ी ताकत होगा. आज अचानक ही आपके घर मेहमान आ सकते हैं

**सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे**

इस माह आपको भाग्य के साथ शानदार परिणाम मिलेंगे. आप प्रभावशाली लोगों से संपर्क स्थापित करेंगे. आप एक नई साझेदारी में प्रवेश कर सकते हैं और अपने लाभ को बढ़ा सकते हैं. अगर आप काम के लिए विदेश जाना चाहते हैं तो अपने प्रयासों को आगे बढ़ाएं. वित्तीय मामले आसानी से आगे बढ़ेंगे. प्रतिद्वंद्वी गतिविधि आपको नुकसान नहीं पहुंचाएगी. पारिवारिक जीवन आनंदमय रहेगा और आप अपने परिवार के सदस्यों के साथ किसी धार्मिक पर जा सकते हैं. यह एक मनोरंजक यात्रा होगी और इससे आपको मानसिक शांति भी मिलेगी.

**कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो**

आज आर्थिक पक्ष मजबूत रहेगा. इस राशि के छात्रों को अपने शिक्षकों का पूरा-पूरा सहयोग मिलेगा। साथ ही करियर में आगे बढ़ने के नए अवसर भी सामने आएंगे। संतान पक्ष की ओर से आपको सुख की प्राप्ति होगी. अपने कार्यों में संतान से पूरी मदद मिलेगी. आपको पैसे कमाने के अच्छे मौके मिलेंगे. किसी खास व्यक्ति से कामकाज के मामले में आपको कुछ नए आइडिया मिल सकते हैं. शाम को बच्चों के साथ पार्क में घूमने जायेंगे। गाय को रोटी खिलाएं, घर में सुख-शांति बनी रहेगी.

**तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते**

कर्ज से छुटकारा मिल सकता है. अपने काम पर पूरी नजरें रखें. अधिकारियों से सहयोग मिलेगा. आज आपके लिए योजना बनाना मेहनत करने से भी ज्यादा कारगर साबित हो सकता है. आपके लिए परिवार, जमीन-जायदाद के मामले, दोस्त और रिश्तेदार बहुत खास हो सकते हैं. आपका व्यवहार पार्टनर को खुशी देगा. कुछ नया और सकारात्मक काम करेंगे, तो आप अपने जीवन में अच्छा खासा सुधार कर सकते हैं.

**वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू**

आज आपकी घरेलू जिम्मेदारियों में धन खर्च होने की संभावना है, प्रयासरत कोई महत्वपूर्ण कार्य हल होने से मन प्रसन्न होगा. आपको परिवार के सदस्यों और दोस्तों के साथ बिताने के लिए पर्याप्त समय मिलेगा. आपको प्यार में ग़म का सामना करना पड़ सकता है. आत्मविश्वास में वृद्धि होगी. पुराने मित्रों के साथ यात्रा का कार्यक्रम बन सकता है. आपके कामों की तारीफ हो सकती है. अपनी प्राथमिकताएं निर्धारित कर लें और अपने काम पर लग जाएं.

**धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे**

आर्थिक रूप से यह बहुत अच्छी अवधि है. व्यापारी वर्ग वांछित परिणाम प्राप्त करेंगे और अपने कार्य क्षेत्र में अपने लिए जगह बनाएंगे. सामाजिक लोकप्रियता प्राप्त करने के शुभ संकेत हैं. आपको कोई शुभ समाचार प्राप्त होगा. परिवार में शादी या बच्चे का जन्म हो सकता है. खेलप्रेमियों को अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर मिलेगा. प्रेम सम्बन्ध मजबूत होंगे. छात्र अच्छा प्रदर्शन करेंगे. जोड़ो से सम्बंधित रोगों से जूझ रहे जातकों को अत्यधिक ध्यान रखने की आवश्यकता है.

**मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि**

पारिवारिक मामलों में आपको भागदौड़ करनी पड़ेगी. ऑफिस में काम धीमी गति से पूरे हो सकते हैं, इससे आपकी परेशानी थोड़ी बढ़ सकती है. किसी बात को लेकर भाई-बहन से अनबन हो सकती है. आज किसी से भी बेवजह मजाक करने से आपको बचना चाहिए. आप नए काम पर सोच-विचार कर सकते हैं. आप किसी दोस्त से मदद मांग सकते हैं. सेहत ठीक बनी रहेगी. मंदिर में सुबह-शाम घी का दीपक जलाएं, आपके काम में स्थिरता बनी रहेगी.

**कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द**

बिजनेस में आत्मनिर्भरता रहेगी. नए लोगों से कॉन्टैक्ट बनेंगे. कामकाज बढ़ेगा. साथ के लोगों से सहयोग मिल सकता है. नए लोगों से भी अच्छे संबंध बनेंगे. बेरोजगार लोगों को रोजगार मिलेगा. आपकी आर्थिक स्थिति में जल्दी ही सुधार लाने में सफल रहेंगे. आपके सोचे हुए काम समय पर पूरे हो जाएंगे. पुरानी समस्याओं का समाधान मिल सकता है. मौसमी बीमारियां भी हो सकती हैं.

**मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची**

अपने परिवार के साथ रुखा व्यवहार न करें. यह पारिवारिक शान्ति को भंग कर सकता है. वाहन व मशीनरी के प्रयोग में सावधानी रखें. किसी बड़ी समस्या से सामना हो सकता है. दूसरों के बहकावे में न आएं. आय में निश्चितता रहेगी. अपने स्वास्थ्य पर ध्यान दें. निवेश के लिए अच्छा दिन है, लेकिन उचित सलाह से ही निवेश करें. शिक्षा-प्रतियोगिता में सफलता,षड्यंत्र का शिकार होने से बचें. इस राशि के स्टूडेंट्स का मन पढ़ाई में लगेगा.

## बुधवार का पंचांग

दिनांक : 27 नवंबर 2024 , बुधवार
विक्रम संवत : 2081
मास : मार्गशीर्ष,कृष्ण पक्ष
तिथि : द्वादशी उत्तर रात्रि 06:25 तक
नक्षत्र : चित्रा अहोरात्र
योग : आयुष्मान दोपहर 03:11 तक
करण : कौलव सायं 05:09 तक
चन्द्र राशि : कन्या सायं 06:07 तक
सूर्योदय : 06:27 , सूर्यास्त 05:39 ( हैदराबाद )
सूर्योदय : 06:24 , सूर्यास्त 05:50 ( बैंगलोर )
सूर्योदय : 06:17, सूर्यास्त 05:42 ( तिरुपति )
सूर्योदय : 06:17, सूर्यास्त 05:32 ( विजयवाडा )

**शुभ चौघड़िया**
लाभ : 06:00 से 07:30
अमृत : 07:30 से 09:00
शुभ : 10:30 से 12:00
चल : 03:00 से 04:30
लाभ : 04:30 से 06:00
राहुकाल : दोपहर 12:00 से 01:30
दिशाशूल : उत्तर दिशा
उपाय : तिल्ली खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : एन सी सी स्थापना दिवस आज

※ पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें ※
पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

# गुरु प्रदोष व्रत से 2 राशियों के शुरू होंगे अच्छे दिन

वैदिक पंचांग के अनुसार, 28 नवंबर को गुरु प्रदोष व्रत है। गुरुवार के दिन पड़ने के चलते यह गुरु प्रदोष व्रत कहलाएगा। इस शुभ अवसर पर देवों के देव महादेव और माता पार्वती की पूजा की जाती है। इसके साथ ही प्रदोष व्रत रखा जाता है। धार्मिक मत है कि प्रदोष व्रत पर शिव-शक्ति की पूजा करने से साधक के सकल मनोरथ सिद्ध हो जाते हैं। साथ ही घर में सुख, समृद्धि एवं खुशहाली आती है। अतः साधक श्रद्धा भाव से प्रदोष व्रत पर भगवान शिव संग मां पार्वती की पूजा करते हैं। ज्योतिषियों की मानें तो प्रदोष व्रत से कई राशि के जातकों के अच्छे दिन शुरू होंगे। भगवान शिव की कृपा से हर परेशानी दूर हो जाएगी। साथ ही आय और सौभाग्य में भी वृद्धि होगी।

## आर्थिक तंगी से मिलेगी मुक्ति

**चंद्र राशि परिवर्तन**

ज्योतिषियों की मानें तो मार्गशीर्ष माह के कृष्ण पक्ष की त्रयोदशी तिथि से एक दिन पूर्व चंद्र देव राशि परिवर्तन करेंगे। चंद्र देव 27 नवंबर को शाम 06 बजकर 07 मिनट पर कन्या राशि से निकलकर तुला राशि में गोचर करेंगे। इस राशि में चंद्र देव दो दिनों तक रहेंगे। इसके बाद तुला राशि से निकलकर वृश्चिक राशि में गोचर करेंगे।

**कन्या राशि –** गुरु प्रदोष व्रत से कन्या राशि के जातकों के अच्छे दिन शुरू हो सकते हैं। इस राशि के स्वामी ग्रहों के राजकुमार बुध देव हैं। बुध देव की कृपा से कन्या राशि के जातकों को कारोबार में मनमुताबिक सफलता मिल सकती है। वहीं, कारोबार में तरक्की और उन्नति पाने के लिए गुरु प्रदोष व्रत पर गंगाजल में दूर्वा मिलाकर भगवान शिव का अभिषेक करें। इस उपाय को करने से धन की समस्या दूर होगी। मानसिक तनाव से निजात मिलेगी। इसके साथ ही धन प्राप्ति के योग भी बनेंगे। बिगड़े कार्य बन सकते हैं। जीवन में बदलाव देखने को मिल सकता है।

**धनु राशि –** गुरु प्रदोष व्रत से धनु राशि के जातकों के भी अच्छे दिन शुरू हो सकते हैं। चंद्र देव के राशि परिवर्तन से धनु राशि के जातकों को धन लाभ हो सकता है। गुरुवार के दिन पड़ने के चलते गुरु देव की कृपा भी धनु राशि के जातकों पर बरसेगी। उनकी कृपा से पद-प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। सुख और सौभाग्य में वृद्धि होगी। करियर में मनमुताबिक सफलता मिलेगी। भगवान शिव की कृपा पाने के लिए जल में काले तिल मिलाकर भगवान शिव का अभिषेक करें। इस उपाय को करने से जीवन में व्याप्त सभी प्रकार के दुख एवं संकट दूर हो जाएंगे।

# मार्गशीर्ष माह में कब है मासिक दुर्गा अष्टमी? जानिए शुभ मुहूर्त एवं योग

सनातन धर्म में प्रत्येक माह के शुक्ल पक्ष की अष्टमी तिथि मां दुर्गा को समर्पित है। इस दिन मासिक दुर्गा अष्टमी मनाई जाती है। इस शुभ अवसर पर जगत की देवी मां दुर्गा की पूजा की जाती है। साथ ही मनचाहा वर पाने के लिए दुर्गा अष्टमी का व्रत रखा जाता है। इस व्रत को करने से साधक की हर मनोकामना पूरी होती है। साथ ही सुख और सौभाग्य में वृद्धि होती है। साधक श्रद्धा भाव से मां दुर्गा की पूजा करते हैं।

**मासिक दुर्गा अष्टमी शुभ मुहूर्त**

ज्योतिषियों की मानें तो मार्गशीर्ष माह के शुक्ल पक्ष की अष्टमी तिथि 08 दिसंबर को भारतीय समयानुसार सुबह 09 बजकर 44 मिनट पर शुरू होगी। वहीं, अष्टमी तिथि का समापन 09 दिसंबर को सुबह 08 बजकर 02 मिनट पर होगा। मासिक दुर्गाष्टमी पर निशा काल में जगत की देवी मां दुर्गा की पूजा की जाती है। अत: 08 दिसंबर को मासिक दुर्गा अष्टमी मनाई जाएगी।

**मासिक दुर्गा अष्टमी शुभ योग**

ज्योतिषियों की मानें तो मार्गशीर्ष माह के शुक्ल पक्ष की अष्टमी तिथि पर शतभिषा योग का निर्माण हो रहा है। इस दिन अभिजीत मुहूर्त का संयोग बन रहा है। इसके साथ ही वणिज योग का भी निर्माण हो रहा है। इन योग में मां दुर्गा की पूजा करने से साधक ही हर मनोकामना पूरी होगी। साथ ही जीवन में व्याप्त सभी प्रकार के दुख एवं संकट दूर हो जाते हैं।

**दुर्गा अष्टमी का महत्व**

मासिक दुर्गा अष्टमी पर जगत की देवी मां दुर्गा की विशेष पूजा की जाती है। विशेष कार्य में सिद्धि पाने के इच्छुक साधक मासिक दुर्गा अष्टमी पर मां दुर्गा की कठिन साधना करते हैं। कठिन साधना से प्रसन्न होकर मां दुर्गा मनोवांछित फल प्रदान करते हैं। मां की कृपा से साधक को सभी प्रकार के संकटों से मुक्ति मिलती है।

**पंचांग**

सूर्योदय – सुबह 07 बजकर 02 मिनट पर
सूर्यास्त – शाम 05 बजकर 24 मिनट पर
चन्द्रोदय– दोपहर 12 बजकर 27 मिनट पर
चंद्रास्त– देर रात 12 बजकर 09 मिनट पर
ब्रह्म मुहूर्त – सुबह 05 बजकर 13 मिनट से 06 बजकर 07 मिनट तक
विजय मुहूर्त – दोपहर 01 बजकर 57 मिनट से 02 बजकर 38 मिनट तक
गोधूलि मुहूर्त – शाम 05 बजकर 22 मिनट से 05 बजकर 49 मिनट तक
निशिता मुहूर्त – रात्रि 11 बजकर 46 मिनट से 12 बजकर 41 मिनट तक

# मार्गशीर्ष अमावस्या पर पितरों को ऐसे करें प्रसन्न

सनातन धर्म में हर महीने में अमावस्या मनाई जाती है। इस दिन जगत के पालनहार भगवान विष्णु और पितरों की पूजा-अर्चना की जाती है। धार्मिक मत है कि उपासना करना से पितरों को मोक्ष की प्राप्ति होती है और साधक पर उनकी कृपा सदैव बनी रहती है। अगर आप भी पितृ देव को प्रसन्न करना चाहते हैं, तो मार्गशीर्ष अमावस्या पर विधिपूर्वक पूजा करें और पितृ स्तोत्र एवं पितृ कवच का पाठ करें। धार्मिक मान्यता है कि इसका पाठ करने से पितृ दोष से छुटकारा मिलता है और जातक को सभी कार्यों में सफलता प्राप्त होती है। आइए पढ़ते हैं पितृ स्तोत्र और पितृ कवच।

**मार्गशीर्ष अमावस्या शुभ मुहूर्त**

पंचांग के अनुसार, इस साल 30 नवंबर, 2024 दिन शनिवार को सुबह 10 बजकर 29 मिनट से मार्गशीर्ष माह के कृष्ण पक्ष की अमावस्या तिथि की शुरूआत होगी। वहीं, इसका समापन 1 दिसंबर, 2024 को रविवार को सुबह 11 बजकर 50 मिनट पर होगा। पंचांग को देखते हुए इस साल मार्गशीर्ष अमावस्या 1 दिसंबर, 2024 दिन रविवार (चरीसरीहळीहर -र्रीिूर घरल क्रळ) को मनाई जाएगी।

**।।पितृ स्तोत्र।।**

अर्चितानाममूर्तानां पितृणां दीप्ततेजसाम् ।
नमस्यामि सदा तेषां ध्यानिनां दिव्यचक्षुषाम् ।।
इन्द्रादीनां च नेतारो दक्षमारीचयोस्तथा ।
सप्तर्षीणां तथान्येषां तान् नमस्यामि कामदान् । ।
मन्वादीनां च नेतार: सूर्याचन्दमसोस्तथा ।
तान् नमस्यामहं सर्वान् पितृनप्युदधावपि ।।
नक्षत्राणां ग्रहाणां च वाय्वग्न्योर्नभसस्तथा।
द्यावापृथिवोव्योश्च तथा नमस्यामि कृताञ्जलि: ।।
देवर्षीणां जनितृंश्च सर्वलोकनमस्कृतान् ।
अक्षय्यस्य सदा दातृन् नमस्येहं कृताञ्जलि: ।।
प्रजापते: कश्पाय सोमाय वरुणाय च ।
योगेश्वरेभ्यश्च सदा नमस्यामि कृताञ्जलि: ।।
नमो गणेभ्य: सप्तभ्यस्तथा लोकेषु सप्तसु ।
स्वयम्भुवे नमस्यामि ब्रह्मणे योगचक्षुषे ।।
सोमाधारान् पितृगणान् योगमूर्तिधरांस्तथा ।
नमस्यामि तथा सोमं पितरं जगतामहम् ।।
अग्रिरूपांस्तथैवान्यान् नमस्यामि पितृनहम् ।
अग्रीषोममयं विश्वं यत एतदशेषत: ।।
ये तु तेजसि ये चैते सोमसूर्याग्रिमूर्तय: ।
जगत्स्वरूपिणश्चैव तथा ब्रह्मस्वरूपिण: ।।
तेभ्योखिलेभ्यो योगिभ्य: पितृभ्यो यतामनस: ।
नमो नमो नमस्तेस्तु प्रसीदन्तु स्वधाभुज ।।

# विवाह में आ रही बाधा? तो आज ही आजमाएं ये उपाय

सनातन धर्म में ज्योतिष शास्त्र का विशेष महत्व है। इस शास्त्र में विवाह में आ रही बाधा से छुटकारा पाने के लिए कई तरह के उपाय बताए गए हैं। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, उपाय करने से जातक को मनचाहा वर मिलता है और जल्दी विवाह के योग बनते हैं। माना जाता है कि ग्रहों की स्थिति के अनुरूप ही जातक शादी के बंधन में बंधता है। अगर आप भी अपने विवाह में किसी रुकावट का सामना कर रहे हैं, तो इस आर्टिकल में बताए गए ज्योतिष शास्त्र के उपाय जरूर करें। ज्योतिष शास्त्र की मानें तो इन उपाय को करने से जातक का जल्द विवाह हो सकता है।

**जरूर करें ये उपाय**

यदि आप अपने विवाह में किसी रुकावट का सामना कर रहे हैं, तो 108 बेलपत्र लें और उन पर चंदन से 'श्रीराम' लिखें और सच्चे मन से भगवान शिव को अर्पित करें। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, इस उपाय को करने से विवाह में आ रही बाधा दूर होती है और विवाह के लिए योग बनते हैं।

**दान से विवाह में आ रही बाधा होगी दूर**

इसके अलावा शादी में आ रही किसी बाधा को दूर करने के लिए मंदिर या गरीब लोगों में श्रद्धा अनुसार दान करें। माना जाता है कि इस टोटके को करने से जातक जल्द विवाह के बंधन में बंधता है। दान में आप अन्न, धन, सोलह श्रृंगार और वस्त्र शामिल कर सकते हैं।

**बनेंगे विवाह के योग**

मनचाहा वर पाने के लिए एकादशी तिथि को उत्तम माना जाता है। एकादशी के दिन पूजा के दौरान दूध में गन्ने का रस मिलाकर तुलसी के पौधे में अर्पित करें। साथ ही तुलसी माता से जल्द विवाह की कामना करें। मान्यता है कि इस काम को विधिपूर्वक करने से कुंडली में विवाह का योग बनते बनते हैं।

**जल्द होगी सभी मुरादें पूरी**

अगर आप शादी से संबंधित मुरादें पूरी करना चाहते हैं, तो एकादशी के दिन पीपल के पेड़ पर जल अर्पित करें और मनोकामना पूरी होने के लिए कामना करें।

इस पेड़ में जगत के पालनहार भगवान विष्णु का वास होता है। ऐसा माना जाता है कि पीपल के पेड़ पर जल चढ़ाने से जातक की सभी मुरादें जल्द पूरी होती हैं।

**दिसंबर में इतने दिन है शादी का शुभ मुहूर्त**

विवाह मुहूर्त – दिसंबर महीने में विवाह के लिए केवल 5 दिन शुभ मुहूर्त है। दिसंबर महीने में 04, 05, 09, 10 और 14 तारीख को विवाह मुहूर्त है।

# अखुरथ संकष्टी चतुर्थी 18 को

सनातन शास्त्रों में अखुरथ संकष्टी चतुर्थी के पर्व का विशेष महत्व बताया गया है। हर साल पौष माह के कृष्ण पक्ष की चतुर्थी तिथि को अखुरथ संकष्टी चतुर्थी बेहद उत्साह के साथ मनाई जाती है। धार्मिक मान्यता है कि इस दिन भगवान गणेश की पूजा और व्रत करने से जातक को कारोबार में सफलता प्राप्त होती है। साथ ही घर में सुख-शांति का वास होता है। इसके अलावा कार्य में आ रही रुकावट खत्म होती है। अखुरथ संकष्टी चतुर्थी पर गणपति बप्पा की पूजा किस तरह करें?

**अखुरथ संकष्टी चतुर्थी शुभ मुहूर्त**

पंचांग के अनुसार, इस बार पौष महीने की कृष्ण पक्ष की चतुर्थी तिथि की शुरुआत 18 दिसंबर को सुबह 10 बजकर 43 मिनट से होगी। वहीं, इस तिथि का समापन अगले दिन यानी 19 दिसंबर को सुबह 10 बजकर 02 मिनट पर होगा। ऐसे में खुरथ संकष्टी चतुर्थी 18 दिसंबर को मनाई जाएगी।

ब्रह्म मुहूर्त – सुबह 05 बजकर 19 मिनट से 06 बजकर 04 मिनट तक
विजय मुहूर्त – दोपहर 02 बजकर 01 मिनट से 02 बजकर 42 मिनट तक
गोधूलि मुहूर्त – शाम 05 बजकर 25 मिनट से 05 बजकर 52 मिनट तक
अमृत काल– सुबह 06 बजकर 30 मिनट से 08 बजकर 07 मिनट तक

**अखुरथ संकष्टी चतुर्थी पूजा विधि**

अखुरथ संकष्टी चतुर्थी के दिन सुबह जल्दी उठें और दिन की शुरुआत देवी-देवता के ध्यान से करें।
स्नान करने के बाद साफ वस्त्र धारण करें।
सूर्य देव को अर्घ्य दें।
घर की सफाई करने के बाद गंगाजल का छिड़काव कर शुद्ध करें।
चौकी पर भगवान गणेश और शिव परिवार की प्रतिमा को विराजमान करें।
भगवान गणेश के माथे पर तिलक लगाएं और फूलमाला अर्पित करें।
अब व्रत का संकल्प लें और देसी घी का दीपक जलाकर भगवान गणेश की पूजा करें।
विधिपूर्वक गणपति बप्पा की आरती करें।
मोदक और फल का भोग लगाएं।
जीवन के विघ्न को दूर करने के लिए कामना करें।
कथा का पाठ करें।

लोगों में प्रसाद का वितरण करें।

**गणोश मंत्र**

ऊँ वक्रतुण्ड महाकाय सूर्य कोटि समप्रभ ।
निर्विघ्नं कुरू मे देव, सर्व कार्येषु सर्वदा ।।
ॐ श्रीं गं सौम्याय गणपतये वर वरद सर्वजनं मे वशमानय स्वाहा।।

# 5 दिसंबर को मनाई जाएगी विनायक चतुर्थी

## जानें, शुभ मुहूर्त और पूजा विधि

हर माह शुक्ल पक्ष की पंचमी तिथि से एक दिन पूर्व विनायक चतुर्थी मनाई जाती है। यह दिन भगवान गणेश को समर्पित होता है। इस दिन भगवान गणेश की विशेष पूजा की जाती है। साथ ही मनोवांछित फल की प्राप्ति के लिए चतुर्थी का व्रत रखा जाता है। इस व्रत को करने से जीवन में व्याप्त सभी प्रकार के दुख एवं संकट दूर हो जाते हैं। इसके साथ ही कुंडली में बुध ग्रह मजबूत होता है। इस शुभ अवसर पर साधक श्रद्धा भाव से रिद्धि-सिद्धि के दाता भगवान गणेश की पूजा करते हैं।

**विनायक चतुर्थी शुभ मुहूर्त**

पंचांग के अनुसार, मार्गशीर्ष माह के शुक्ल पक्ष की चतुर्थी तिथि 04 दिसंबर को दोपहर 01 बजकर 10 मिनट पर शुरू होगी। वहीं, इसका समापन 05 दिसंबर को दोपहर 12 बजकर 49 मिनट पर होगा। इस दिन चन्द्रास्त का समय रात 09 बजकर 07 मिनट है। साधक 05 दिसंबर को विनायक चतुर्थी का व्रत रख सकते हैं।

**योग –** मार्गशीर्ष माह के शुक्ल पक्ष की चतुर्थी तिथि पर वृद्धि योग का निर्माण हो रहा है। इस योग का समापन दोपहर 12 बजकर 28 मिनट पर हो रहा है। इसके पश्चात ध्रुव योग का संयोग बन रहा है। इसके साथ ही विनायक चतुर्थी पर रवि योग का भी निर्माण हो रहा है। रवि योग शाम 05 बजकर 26 मिनट तक है। वहीं, दुर्लभ भद्रावास का भी संयोग विनायक चतुर्थी पर बन रहा है। इन योग में भगवान गणेश की पूजा करने से साधक की हर मनोकामना पूरी होगी। साथ ही सुख और सौभाग्य में वृद्धि होगी।

**पंचांग**

सूर्योदय – सुबह 07 बजे...
सूर्यास्त – शाम 05 बजकर 24 मिनट पर
चन्द्रोदय– सुबह 10 बजकर 35 मिनट पर
चंद्रास्त– रात 09 बजकर 07 मिनट पर
ब्रह्म मुहूर्त – सुबह 05 बजकर 11 मिनट से 06 बजकर 05 मिनट तक
विजय मुहूर्त – दोपहर 01 बजकर 56 मिनट से 02 बजकर 37 मिनट तक
गोधूलि मुहूर्त – शाम 05 बजकर 21 मिनट से 05 बजकर 49 मिनट तक
निशिता मुहूर्त – रात्रि 11 बजकर 45 मिनट से 12 बजकर 39 मिनट तक

**पूजा विधि –** मार्गशीर्ष माह के शुक्ल पक्ष की चतुर्थी तिथि पर प्रातः काल ब्रह्म मुहूर्त में उठें। इस समय भगवान गणेश का ध्यान कर उन्हें प्रणाम करें। इसके बाद घर की साफ-सफाई करें। अब दैनिक कार्यों से निपटने के बाद गंगाजल युक्त पानी से स्नान करें। इसके बाद आचमन कर पीले रंग का वस्त्र धारण करें।

अब सबसे पहले सूर्य देव को जल का अर्घ्य दें। इसके बाद पंचोपचार कर विधि-विधान से भगवान गणेश की पूजा करें। पूजा के समय भगवान गणेश को मोदक, दूर्वा, हल्दी, पीले रंग का वस्त्र आदि चीजें अर्पित करें। अंत में आरती कर भगवान गणेश से सुख, समृद्धि एवं धन की कामना करें।

# वेदों का असीम ज्ञान

यह सृष्टि अपने आप में संपूर्ण है, जो कि सकारात्मक – नकारात्मक, काला – सफ़ेद, अँधकार – प्रकाश, ध्वनि – मौन.आदि एक दूसरे के विपरीत पहलुओं का सम्मिश्रण है ख अँधकार के बिना प्रकाश क्या है और मौन बिना ध्वनि का क्या अर्थ ? एक – दूसरे का विपरीत ही पूर्ण के अर्थ को स्पष्ट करता है। वैदिक ऋषियों ने इस सृष्टि के गूढ़ रहस्यों का अनावरण कर, विश्व को 'पूर्ण' का ज्ञान दिया है। पूर्ण अर्थात शून्य और शून्य का तात्पर्य समझा जाता है 'कुछ भी नहीं'ख यही शून्य आधुनिक अंक गणित, रेखा गणित, व् संख्या प्रणाली का आधार है। यह जग-जाहिर है कि संख्या प्रणाली का ज्ञान जिसे अब हम 'अरबिक नुमेरल्स ' के नाम से जानते हैं, सिंध के इस पार से ही अरब देशों की ओर गया है, जहाँ से गोरों ने इसे सीखकर वापस हमें ही निर्यात कर दिया। पाइथागोरस रेखागणित जानने के लिए समोस से गंगा किनारे आया। 'पाइथागोरस थेओरम ' जो सभी जगह स्वीकृत तथा लागू है, पाइथागोरस के जन्म से करीब हज़ार वर्ष पूर्व ही ' शुल्बसूत्र ' में उपस्थित है। वह क्या चीज़ है जिसने वैदिक ज्ञान को सभी आधुनिक विज्ञानों का आधार बना दिया? वैदिक संतों के ज्ञान का स्रोत क्या था? इसका जवाब है 'गुरु कृपा' जिसने भौतिक विज्ञान,संगीत, नृत्य, नाटक, युद्ध कला, काव्य कला आदि सम्पूर्ण वैदिक दर्शनशास्त्र अर्थात तत्व विज्ञान को प्रकट कर दिया ख हालाँकि आधुनिक मनुष्य को वैदिक दृष्टाओं की तुलना में स्वयं को निम्न समझने की जरूरत नहीं है क्योंकि सृष्टि और ज्ञान,दोनों ही असीमित हैं ख आज का मानव भी कुछ सही योगिक क्रियों के अभ्यास द्वारा वेदों के ज्ञान और उससे भी परे बहुत कुछ हासिल कर सकता है। यहाँ तक कि 'सनातन क्रिया' की बुनियादी क्रियाओं के तीन महीने के अभ्यास से ही, बिना किसी आत्म या स्वतः सुझाव के साधक ज्यामितीय आकृतियाँ जैसे कि त्रिकोण, वर्गों,पिरामिड, प्रिज्म, आदि देख पाने में सक्षम हैं। अगर वह वर्तमान समय में उन्हें देख सकते हैं तो हम केवल प्राचीन ऋषियों की चेतना के स्तर की कल्पना मात्र ही कर सकते हैं जिन्होंने सभी विज्ञानों का ज्ञान दिया, जहाँ से अरस्तू और पाइथागोरस ने भी प्राप्त किया ख ध्यान आश्रम में हम आस्तिक और नास्तिक, सभी को आमंत्रित करते हैं जो अपनी क्षमता एवं निष्ठा अनुसार विभिन्न क्रियायों के अभ्यास द्वारा इस सृष्टि के छिपे – अन छिपे रहस्यों का अनुभव कर सकते हैं ख एक प्रयोग के रूप में में एक सरल सी तकनीक दे रहा हूँ। पूर्णिमा की रात अपने आज्ञा चक्र से चन्द्रमा के साथ सम्बन्ध बनायें और आधे घंटे बाद,मन को स्थिर करते हुए शरवासन में लेट जाएँ। अपने अनुभव मुझे अवश्य लिखें।

**– अश्विनी गुरुजी**
**ध्यान आश्रम**

# तलाक के बाद सेकंड हैंड कहे जाने पर आखिरकार सामंथा रुथ प्रभु ने तोड़ी चुप्पी

वेब शो सिटाडेल में अपने अभिनय के लिए प्रशंसा बटोर रहीं सामंथा रूथ प्रभु ने आखिरकार अपनी चुप्पी तोड़ी और तीन साल पहले नागा चैतन्य से तलाक के बाद उन्हें जिस तरह की ट्रोलिंग का सामना करना पड़ा, उसके बारे में खुलकर बात की। गैलाटा इंडिया से बातचीत में 'ओ अंतवा मावा' स्टार ने कहा, ''दुर्भाग्य से, हम एक ऐसे समाज में रहते हैं जो प्रकृति में इतना पितृसत्तात्मक है कि जब भी कुछ गलत होता है, तो एक महिला को... मैं यह नहीं कह रही कि पुरुष ऐसा नहीं करते, पुरुष करते हैं, लेकिन एक महिला को बहुत अधिक निर्णय और बहुत अधिक शर्मिंदगी का सामना करना पड़ता है, न केवल ऑनलाइन, बल्कि वास्तविक जीवन में भी।''

तलाक के बाद अपने जीवन के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा, ''जब एक महिला तलाक से गुजरती है, तो उसके साथ बहुत शर्म और कलंक जुड़ा होता है। मुझे 'सेकंड हैंड, 'यूज्ड' और 'बर्बाद जीवन' जैसी बहुत सी टिप्पणियाँ मिलती हैं। आपको एक कोने में धकेल दिया जाता है जहाँ आपको यह महसूस करना चाहिए कि आप असफल हैं क्योंकि आप एक बार शादीशुदा थे और अब नहीं हैं। और मेरा मानना है कि यह उन परिवारों और लड़कियों के लिए वास्तव में कठिन हो सकता है जो इस स्थिति से गुज़र चुके हैं।''

अलग होने के बाद उन्होंने अपनी शादी की पोशाक को फिर से डिजाइन क्यों किया, इस बारे में बात करते हुए उन्होंने आगे कहा, ''मैंने अपनी शादी की पोशाक को फिर से इसलिए तैयार किया क्योंकि - शुरू में यह वाकई बहुत दुखदायी था। मैंने इसे बदलने का फैसला किया। मैंने इसे अपनाने का फैसला किया। मैं अलग हो चुकी हूं, मेरा तलाक हो चुका है। चीजें कोई परीकथा जैसी नहीं रही हैं। लेकिन, इसका मतलब यह नहीं है कि मैं एक कोने में बैठकर इसके बारे में रोती रहूं और कभी दोबारा जीने की हिम्मत न जुटा पाऊं। यह किसी तरह का बदला या कुछ और नहीं था। यह वास्तव में कोई बहुत बड़ा इशारा नहीं था। यह ऐसा था - हां ऐसा हुआ है। मैं यह जानती हूं और मैं इससे छिप नहीं सकती। इसका मतलब यह नहीं है कि मेरी जिंदगी वहीं खत्म हो गई है। यह वहीं से शुरू होती है जहां खत्म होती है।''

इस बीच, उन्हें आखिरी बार वरुण धवन के साथ सिटाडेल: हनी बनी में देखा गया था। वह अली फजल और वामिका गब्बी के साथ रक्त ब्रह्मांड में नजर आएंगी। उनके पास एटली कुमार की अगली निर्देशित फिल्म के साथ-साथ माँ इंति बंगाराम भी है।

# मनीषा कोइराला का छलका दर्द बोलीं- दर्दनाक है अभिनेत्री रह चुकीं शब्द

फिल्म जगत की वर्सेटाइल अभिनेत्री मनीषा कोइराला ने गोवा में चल रहे 55वें भारतीय अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव में शिरकत की। इस दौरान अभिनेत्री ने बताया कि 'अभिनेत्री रह चुकी हैं' शब्द काफी दर्दनाक होता है। हाल ही में पीरियड ड्रामा 'हीरामंडी : द डायमंड बाजार' में शानदार काम करके एक बार से दर्शकों के बीच छाने वाली अभिनेत्री ने बातचीत के दौरान अपने दर्द को शेयर किया। अभिनेत्री ने बताया कि 'अभिनेत्री रह चुकी हैं' शब्द काफी दर्दनाक और आहत करने वाला होता है। अभिनेत्री ने 'बिग से स्ट्रीमिंग तक' कार्यक्रम के लिए फिल्म निर्माता विक्रमादित्य मोटवानी से बात की, जहां दोनों ने सिनेमा और ओटीटी के भविष्य और अभिनेताओं खासकर वरिष्ठ अभिनेताओं पर इसका क्या प्रभाव पड़ेगा, इस पर चर्चा की।

इस दौरान अभिनेत्री ने विक्रमादित्य से कहा, अभिनेत्री रह चुकी हैं' शब्द दर्दनाक है यह अक्सर महिला कलाकारों के लिए इस्तेमाल किया जाता है, लेकिन ओटीटी ने इसे बदल दिया है। आज नीना गुप्ता जैसी अभिनेत्रियां हैं, जो ओटीटी पर बेहतरीन काम कर रही हैं। मनीषा ने संजय लीला भंसाली की 'हीरामंडी: द डायमंड बाजार' के साथ ओटीटी पर डेब्यू किया है।

अभिनेत्री सीरीज में एक वेश्यालय की मालकिन की भूमिका निभाई, जिसका नाम 'मल्लिकाजान' रहता है। सीरीज में मनीषा के साथ सोनाक्षी सिन्हा, अदिति राव हैदरी, ऋचा चड्ढा समेत अन्य सितारे अहम रोल में नजर आए। 'हीरामंडी' से पहले मनीषा कोइराला, भंसाली के साथ 'खामोशी: द म्यूजिकल' में काम कर चुकी इस बीच मनीषा के वर्कफ्रंट की बात करें तो वह 'हीरामंडी: द डायमंड बाजार' के दूसरे सीजन में काम करने के लिए तैयार हैं। सीरीज नेटफ्लिक्स पर रिलीज होगा। इससे पहले मनीषा कार्तिक आर्यन और कृति सेनन स्टारर 'शहजादा' में नजर आई थीं। फिल्म में उन्होंने कार्तिक आर्यन की का किरदार निभाया था।

# रोहित सराफ ने त्र्यंबकेश्वर ज्योतिर्लिंग के दर्शन किए

रोहित सराफ ने हाल ही में नासिक स्थित प्रसिद्ध त्रिम्बकेश्वर ज्योतिर्लिंग मंदिर की यात्रा की, जहां उन्होंने आध्यात्मिक शांति और संतुलन का अनुभव किया। अपने नवीनतम सोशल मीडिया पोस्ट्स में, अभिनेता ने अपनी यात्रा के कुछ झलकियां साझा की हैं, जिसमें पवित्र तिलक लगाते हुए और दोस्तों के साथ समय बिताते हुए उनकी तस्वीरें शामिल हैं। मंदिर का शांतिपूर्ण वातावरण और उसकी महत्ता ने उन्हें एक चिंतनशील और आशीर्वादित अवस्था प्रदान की प्रतीत होता है। काम के मोर्चे पर, फैंस 'मिसमैच्ड' सीजन 3 के रिलीज़ होने का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं, जो 13 दिसंबर को प्रीमियर होगा। रोहित इस सीरीज़ के बड़े दिन के लिए तैयार हो रहे हैं, साथ ही वे कुछ और रोमांचक प्रोजेक्ट्स पर भी काम कर रहे हैं। उन्होंने हाल ही में धर्मा प्रोडक्शंस की आगामी फिल्म 'सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी' के लिए उदयपुर में शूटिंग की, जिसमें वरुण धवन, जाह्नवी कपूर और अन्य कलाकार भी शामिल हैं। अपने प्रभावशाली प्रोजेक्ट्स की सूची में जोड़ते हुए, रोहित मणि रत्नम की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'ठग लाइफ' का हिस्सा हैं, जहां वह महान अभिनेता कमल हासन के साथ स्क्रीन साझा करेंगे। इन आगामी प्रोजेक्ट्स के साथ, उनके फैंस उन्हें उनकी खास आकर्षण और प्रतिभा का प्रदर्शन करते हुए देखने के लिए बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

# ना सिंगल ना रिलेशन में हैं मलाइका अरोड़ा

## खुलासा कर खुद बताया क्या है स्टेटस

फिल्म इंडस्ट्री की ग्लैमरस कलाकार मलाइका अरोड़ा का अभिनेता अर्जुन कपूर से ब्रेकअप हो चुका है। ऐसे में उनके फैंस यह जानने के लिए बेकरार हैं कि उनका वर्तमान में स्टेटस क्या है। एक पोस्ट शेयर कर छैया छैया गर्लळ ने खुलासा कर बताया है कि अभी उनका रिलेशनशिप स्टेटस कैसा है।मलाइका अरोड़ा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम के स्टोरी सेक्शन पर एक मजेदार पोस्ट शेयर किया, जिस पर लिखा है, अभी मेरा रिलेशनशिप स्टेटस, इस लाइन के नीचे तीन ऑप्शन भी हैं, जिनमें पहला रिलेशनशिप में, दूसरा सिंगल और तीसरे पर हेहेहे लिखा है।

मजेदार बात है कि अरोड़ा ने अपने स्टेटस के लिए हेहेहे पर टिक किया। यह पोस्ट मलाइका और उनके पूर्व प्रेमी अर्जुन कपूर के अलग होने के फैसले के बाद आया है।अर्जुन कपूर और मलाइका अरोड़ा ने साल 2018 में डेटिंग शुरू की थी। हालांकि, उन्होंने कभी भी अपने रिश्ते के बारे में खुलकर बात नहीं की। सोशल मीडिया पर यह जोड़ा अक्सर अपने खूबसूरत पलों की तस्वीरें और पोस्ट शेयर करता नजर आता था। रोमांटिक हो या फनी दोनों के एक-दूजे के साथ में कई तस्वीरें हैं।मलाइका और अर्जुन कई इवेंट और पार्टियों में भी साथ नजर आते थे।इस बीच बता दें कि अभी हाल ही में मलाइका अरोड़ा ने खुलासा कर बताया था कि वह अपने कुछ खास काम करने जा रही हैं, जो कि उनके दिवंगत पिता अनिल कुलदीप मेहता को समर्पित होगी। मलाइका के पिता का इसी साल सितंबर में निधन हो गया था।इस बीच मलाइका अरोड़ा के वर्कफ्रंट की बात करें तो छैया छैया गर्ल कई प्रोजेक्ट्स में व्यस्त हैं और यात्रा के साथ कई ब्रांड्स के लिए शूटिंग कर रही हैं। इसके अलावा, वह एक डांस रियलिटी शो में जज की भूमिका में भी नजर आएंगी।इसके साथ ही मुन्नी बदनाम हुई फेम मलाइका स्टार्टअप-बेस्ड सीरीज में एक बिजनेस इन्वेस्टर के रूप में भी दिखाई देंगी।

# आलिया भट्ट-विक्की कौशल ने रणबीर के बिना 80 के दशक के रेट्रो डिस्को सेट पर लव एंड वॉर की शूटिंग की

आलिया भट्ट और विक्की कौशल वर्तमान में मुंबई के फिल्म सिटी में संजय लीला भंसाली की फिल्म लव एंड वॉर की शूटिंग कर रहे हैं। नवीनतम चर्चा के अनुसार, दोनों सितारे 80 के दशक के एक विस्तृत डिस्को सेट पर शूटिंग में व्यस्त थे, जिसमें लगभग 30 लोग सैनिकों की पोशाक में थे। सेट ने सभी को सिनेमा के पुराने दिनों की याद दिला दी, जिसमें बैकग्राउंड में 'लैला मैं लैला' बज रहा था।

मिड-डे ने शूटिंग के बारे में एक विशेष रिपोर्ट प्रकाशित की और एक सूत्र के हवाले से पुष्टि की कि आलिया और विक्की ने पूरे सप्ताहांत शूटिंग की, जबकि रणबीर कपूर अपनी अन्य प्रतिबद्धताओं में व्यस्त थे, जिसमें 55वें भारतीय अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव में उनकी उपस्थिति भी शामिल थी। सूत्र ने बताया, सेट को 80 के दशक के डिस्को की तरह डिजाइन किया गया है। संजय सर ऐसी सेटिंग चाहते थे जो पुरानी यादों और कल्पनाओं से भरी हो। इस सीन में 30 सैनिक डांस फ्लोर पर अपना समय बिताते हुए दिखाई देते हैं, जबकि बैकग्राउंड में

लैला मैं लैला जैसे रेट्रो गाने बज रहे हैं। इसके विपरीत, आलिया और विक्की के किरदारों के बीच गहन बातचीत होती है, क्योंकि वे अपने भीतर की उथल-पुथल को साझा करते हैं।रिपोर्ट में आगे कहा गया है कि आलिया ने लव एंड वॉर की शूटिंग के लिए 10 दिन आरक्षित रखे हैं, जिसके बाद वह शरवरी वाघ के साथ वाईआरएफ की अल्फा की दूसरी शूटिंग शेड्यूल में चले जाएंगी। सूत्र ने कहा, आलिया गहन अभ्यास कर रही हैं, ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि वह लव एंड वॉर में अपने किरदार के साथ तालमेल बिठा रही हैं। दिसंबर की शुरुआत में, वह अल्फा की दुनिया में वापस चली जाएंगी क्योंकि टीम अगला शेड्यूल शुरू कर रही है।

# इस फ्रेंच शो से एमी पुरस्कार जीतने में विफल रही अनिल कपूर की द नाइट मैनेजर

अनिल कपूर, आदित्य रॉय कपूर और सोहिता धुलिपाला अभिनीत द नाइट मैनेजर, अंतर्राष्ट्रीय एमी पुरस्कार 2024 में भारत की आधिकारिक प्रविष्टि थी। एक्शन ड्रामा सीरीज़ को सर्वश्रेष्ठ ड्रामा सीरीज़ श्रेणी में नामांकित किया गया था, लेकिन यह एमी पुरस्कार जीतने में विफल रही। द नाइट मैनेजर एक फ्रांसीसी शो, लेस गौटेस डे डियू (ड्रॉप्स ऑफ़ गॉड) से हार गया। इस श्रेणी में, अन्य नामांकित ऑस्ट्रेलियाई शो द न्यूज़रीडर सीज़न 2 और अर्जेंटीना के लॉसी एल एस्पिया अरेपेंटिडो सीज़न 2 (योसी, द रिग्रेटफुल स्पाई) थे। अवार्ड नाइट से पहले, द नाइट मैनेजर की स्टार कास्ट को रेड कार्पेट पर देखा गया, जहाँ आदित्य रॉय कपूर ने काले रंग का टक्सीडो पहना था।

नामांकन से उत्साहित अनिल कपूर ने अपनी पीआर टीम द्वारा पहले साझा किए गए एक बयान में कहा, यह मेरे ध्यान में लाया गया है कि द नाइट मैनेजर के हमारे भारतीय रूपांतरण को अंतर्राष्ट्रीय एमी के लिए नामांकित किया गया है। मुझे याद है कि जब प्रस्ताव आया था, तो मैं उलझन में था।कपूर ने कहा, ''इसने मुझे एक जटिल किरदार निभाने का मौका दिया, लेकिन दूसरी ओर, ह्यूग लॉरी द्वारा इतनी कुशलता से निभाए गए किरदार में नयापन और प्रामाणिकता जोड़ने की बड़ी जिम्मेदारी भी दी। दुनिया भर के प्रशंसकों से मिले जबरदस्त प्यार के अलावा एमी से यह मान्यता एक योग्य अनुस्मारक है कि कड़ी मेहनत हमेशा रंग लाती है... मैं पहले से कहीं ज्यादा उत्साहित और उत्सुक हूं कि आगे क्या होने वाला है।''

# पलक तिवारी के व्हाइट कोर्ड-सेट ने फैन्स का दिल धड़काया

पलक तिवारी हमेशा अपनी हॉट अदाओं से सोशल मीडिया पर सुर्खियां बटौरती रहती हैं। उनका बोल्डनेस भरा अंदाज इंटरनेट पर आते ही छा जाता है। एक्ट्रेस जब भी अपनी फोटोज इंस्टाग्राम पर साझा करती हैं तो फैंस उनकी तारीफों के पुल बांधते नहीं थकते हैं। हालांकि इन फोटोज में भी कुछ ऐसा ही देखने को मिल रहा है।एक्ट्रेस पलक तिवारी आज किसी भी पहचान की मोहताज नहीं हैं। उन्होंने बेहद ही कम उम्र में लोगों के बीच अपनी अच्छी खासी पहचान बना ली है।अब हाल ही में एक्ट्रेस पलक तिवारी ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट की हैं। इन फोटोज में उनका कातिलाना हुस्न देखकर फैंस बेकाबू हो गए हैं।इन फोटोज में आप देख सकते हैं पलक तिवारी ने व्हाइट कलर का कोर्ड-सेट पहना हुआ है, जिसमें वो बेहद ही शानदार नजर आ रही हैं।हाई हील्स, खुले बाल और लाइट मेकअप कर के एक्ट्रेस पलक तिवारी ने अपने आउटलुक को कंप्लीट किया है।बता दें कि एक्ट्रेस जब भी अपनी फोटोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो फैंस उनकी हर एक फोटोज पर लाइक्स और कॉमेंट्स करते हुए नहीं थकते हैं।हालांकि इन फोटोज में भी कुछ ऐसा ही देखने को मिल रहा है। पलक तिवारी की इन फोटोज को अपलोड हुए कुछ ही घंटे हुए हैं और अब तक 1 लाख 48 हजार से भी ज्यादा यूजर्स ने तस्वीरों पर लाइक कर दिया है।

## इंस्टीट्यूट ऑफ फॉरेंसिक साइंस में आयोजित हुआ राष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस

# अपराध और दंड नहीं, बल्कि न्याय है नए कानूनों का भावः योगी

### न्याय प्रक्रिया में फॉरेंसिक विज्ञान एवं साइबर सिक्योरिटी की भूमिका पर चर्चा

**लखनऊ, 26 नवंबर (एजेंसियां)।** प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रेरणा से देश में एक जुलाई-24 से तीन नए कानून लागू किए गए। यह तीन कानून भारतीय न्याय संहिता 2023, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 और भारतीय साक्ष्य अधिनियम 2023 हैं। इन सभी का भाव आपराधिक संहिता और दंड संहिता नहीं है बल्कि न्याय संहिता है।

यह नागरिक सुरक्षा की संहिता है। इसके तहत पहले साक्ष्य जुटाए जाएंगे, उसके बाद अपराधी को कटघरे में खड़ा किया जाएगा। सुशासन की पहली शर्त कानून का राज स्थापित करना होता है। पिछले साढ़े सात वर्षों से प्रदेश में कानून का राज दृढ़ता से स्थापित है। वहीं देश विदेश में प्रदेश के कानून के राज की चर्चा हो रही है।

ये बातें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को भारतीय संविधान को अंगीकृत किए जाने की 75वीं वर्षगांठ पर नवीन आपराधिक कानूनों के तहत न्याय प्रक्रिया में फॉरेंसिक विज्ञान एवं साइबर सिक्योरिटी की भूमिका विषयक राष्ट्रीय कांफ्रेंस (26-27 नवंबर) के शुभारंभ पर कही। इस दौरान सीएम योगी ने फॉरेंसिक इंस्टीट्यूट में नए ऑडिटोरियम का उद्घाटन भी किया। साथ ही बच्चों को विभिन्न कोर्स के सर्टिफिकेट प्रदान किए।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि 26 नवंबर 1949 की तिथि स्वतंत्र भारत के इतिहास के लिए एक महत्वपूर्ण तिथि है। भारत माता के सपूत बाबा साहेब डॉक्टर भीमराव अंबेडकर के बनाए संविधान को 75 वर्ष पहले भारत ने अंगीकार किया था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 26 नवंबर 2015 से इस तिथि को पूरे देश में संविधान दिवस के रूप में मनाने का आह्वान किया। सीएम योगी ने कहा कि टेक्नोलॉजी के प्रयोग से विकास कार्य तेजी से हो रहे हैं, लेकिन कुछ लोग इसका गलत इस्तेमाल कर लोगों को आर्थिक चोट पहुंचा रहे हैं। ऐसे में साइबर फ्रॉड और डिजिटल अरेस्ट जैसी घटनाओं को रोकने के लिए टेक्नोलॉजी का सकारात्मक इस्तेमाल करना होगा। उन्होंने कहा कि सकारात्मक सोच के लोग टेक्नोलॉजी से भागेंगे तो नकारात्मक लोग उस पर हावी होंगे।

### मुख्यमंत्री ने इंस्टीट्यूट ऑफ फॉरेंसिक साइंस ऑडिटोरियम का किया उद्घाटन

ऐसे में हमें उन्हें हावी नहीं होने देना है। सीएम ने कहा कि साइबर फ्राड्स से निपटने के लिए पहले चरण में प्रदेश के 18 रेंज में साइबर थानों की स्थापना की गयी है। इसके बाद 75 जनपद में स्थापना की गयी। वहीं आज प्रदेश के सभी 1775 थानों पर एक-एक साइबर हेल्प डेस्क संचालित हैं। इसी के तहत प्रदेश में पहला उत्तर प्रदेश स्टेट इंस्टीट्यूट ऑफ फॉरेंसिक साइंसेज की स्थापना की गयी ताकि बच्चे से साइबर फ्रॉड की पढ़ाई कर इसे रोकने में अपना सहयोग करें।

सीएम योगी ने कहा कि इंस्टीट्यूट की जमीन पर प्रदेश के एक अंधकार युग (सपा सरकार) में दुर्दांत भू माफिया ने कब्जा कर लिया था।

ऐसे में भू माफिया के खिलाफ कार्रवाई कर जमीन को खाली कराया गया और आज उसी जमीन पर भव्य इंस्टीट्यूट खड़ा है, जहां विभिन्न पाठ्यक्रम की पढ़ाई हो रही है। सीएम योगी ने कहा कि वर्ष 2017 से पहले उत्तर प्रदेश की स्थिति क्या थी, यह किसी से छुपी नहीं है। प्रदेश के नौजवानों के सामने पहचान का संकट था। कानून व्यवस्था पूरी तरह ध्वस्त थी। उस दौरान गुंडागर्दी चरम पर थी। एक शरीफ व्यक्ति सड़कों पर नहीं आ सकता था। वह घर से बाहर आने में डरता था। दुर्दांत अपराधी और माफिया स्वच्छंद होकर पैरेलल समानांतर सरकारें संचालित करते थे। उसका दुष्परिणाम यह था कि प्रदेश के नौजवानों और नागरिकों के सामने पहचान का संकट खड़ा हो गया।

वहीं आज प्रदेश दंगा मुक्त, गुंडा मुक्त और माफिया मुक्त है। सरकार ने पिछले साढ़े सात वर्षों में पुलिस में खाली पदों पर बड़े पैमाने पर भर्ती की है। इस दौरान 1,54,000 से अधिक पुलिसकर्मियों की भर्ती पारदर्शी तरीके से की गयी। वहीं हाल ही में 60,200 पुलिसकर्मियों की नई भर्ती की प्रक्रिया संचालित है, जिसका रिजल्ट भी आ गया है। सीएम योगी ने युवाओं को टेक्नोलॉजी से जुड़ने का आह्वान किया। कार्यक्रम में विधायक राजेश्वर सिंह, मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह, डीजीपी प्रशांत कुमार, अपर मुख्य सचिव गृह दीपक कुमार, इंस्टीट्यूट ऑफ फॉरेंसिक साइंस के निदेशक एवं अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (एडीजी) जीके गोस्वामी समेत अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

### पिछले साल का टूटा रिकॉर्ड

## 7.28 लाख मीट्रिक टन से अधिक हुई धान खरीद

**लखनऊ, 26 नवंबर (एजेंसियां)।** उत्तर प्रदेश में खरीफ क्रय वर्ष 2024-25 के अंतर्गत एजेंसियों द्वारा अब तक 7.28 लाख मीट्रिक टन से अधिक धान खरीद हो चुकी है। वर्ष 2023-24 में 25 नवंबर तक एजेंसियों द्वारा 5.79 लाख मीट्रिक टन धान की खरीद हुई थी यानी इस वर्ष अब तक 1.49 लाख मीट्रिक टन अधिक धान की खरीद हो चुकी है। किसानों को 1464 करोड़ रुपए का भुगतान भी किया जा चुका है। यह दावे बताते हैं कि विपक्ष हकीकत से दूर है और उसके दावे हवाहवाई हैं। वहीं सीएम योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर जनपदों के साथ खाद्य-रसद विभाग के आलाधिकारी क्रय केंद्रों का नियमित निरीक्षण भी कर रहे हैं। सीएम के निर्देश पर किसानों को 48 घंटे के भीतर भुगतान भी किया जा रहा है।

योगी सरकार के निर्देशन में धान खरीद तेजी से हो रही है। एजेंसियों द्वारा पिछले वर्ष 2023-24 तक 25 नवंबर की अवधि तक 5.79 लाख मीट्रिक टन धान की खरीद हुई थी, जो इस वर्ष 1.49 लाख मीट्रिक टन बढ़कर 7.28 लाख मीट्रिक टन से अधिक हो चुकी है। इस वर्ष अब तक 105439 किसानों से खरीद हो चुकी है। विगत दिनों मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने सरकारी आवास पर धान खरीद को लेकर समीक्षा बैठक की थी। उन्होंने धान खरीद में तत्परता व पारदर्शिता बरतने का निर्देश देते हुए कहा था कि किसानों को हर हाल में 48 घंटे के भीतर भुगतान किया जाए। इसकी नियमित समीक्षा भी की जाए। इस वर्ष किसानों को अब तक 1464 करोड़ रुपए का भुगतान भी किया जा चुका है। सीएम ने अफसरों को निर्देश दिया था कि किसानों के बैठने, छाया, पेयजल आदि की बुनियादी सुविधा भी क्रय केंद्रों पर होनी चाहिए। सीएम के निर्देश के उपरांत स्थानीय प्रशासन व खाद्य-रसद विभाग की तरफ से क्रय केंद्रों का नियमित निरीक्षण किया जा रहा है। मुख्यालय से इसकी मॉनीटरिंग भी की जा रही है।

पश्चिमी उत्तर प्रदेश में पहली अक्टूबर से धान खरीद शुरू हुई थी, जो 31 जनवरी 2025 तक चलेगी। इस अवधि में बरेली, मुरादाबाद, सहारनपुर, आगरा, अलीगढ़, मेरठ, झांसी तथा लखनऊ संभाग के हरदोई, सीतापुर व लखीमपुर खीरी में भी धान खरीद की जा रही है। वहीं पूर्वी उत्तर प्रदेश में पहली नवंबर से धान खरीद प्रारंभ हुई थी, जो 28 फरवरी तक चलेगी। इस अवधि में अयोध्या, गोरखपुर, बस्ती, देवीपाटन, आज़मगढ़, वाराणसी, विंध्याचल, प्रयागराज, कानपुर, चित्रकूट व लखनऊ संभाग के लखनऊ, रायबरेली व उन्नाव जनपद में खरीद सुचारू रूप से चल रही है।

सरकार ने धान का समर्थन मूल्य 2300 रुपए व ग्रेड ए का 2320 रुपए प्रति क्विंटल तय किया है। किसानों को धान की उतराई, छनाई व सफाई की मद में 20 रुपए प्रति क्विंटल की दर से प्रतिपूर्ति भी की जा रही है। उत्तर प्रदेश के सभी जनपदों में किसानों द्वारा धान बिक्री के लिए खाद्य-रसद विभाग व अन्य क्रय एजेंसियों के कुल 4215 क्रय केंद्र निर्धारित किए गए हैं। क्रय केंद्र सुबह 9 से शाम 5 बजे तक संचालित हो रहे हैं। इस वर्ष बटाईदार किसानों द्वारा भी पंजीकरण-नवीनीकरण कराते हुए धान की बिक्री जा रही है।

*त्रिपुरा के मुख्यमंत्री माणिक साहा ने यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मंगलवार को उनके सरकारी आवास पर शिष्टाचार भेंट की।*

## महाकुंभ 2025 : गैलरी के माध्यम से होगा महाकुंभ का डिजिटल अनुभव

**प्रयागराज, 26 नवंबर (एजेंसियां)।** प्रयागराज में आयोजित होने वाले महाकुंभ 2025 को दिव्य और भव्य बनाने के सभी संभव प्रयास हो रहे हैं। मेला प्राधिकरण महाकुंभ 2025 को सीएम योगी के विरासत और विकास के विजन के मुताबिक महाकुंभ 2025 को डिजिटल महाकुंभ के तौर पर भी विकसित कर रहा है। इस दिशा में महाकुंभ की पौराणिक परंपरा और गाथा को वीआर और डिजीटल तकनीक के माध्यम से नई पीढ़ी तक पहुंचाने के लिए डिजिटल महाकुंभ एक्सपीरिएंस सेंटर बनाया जा रहा है। 27 नवंबर के अपने प्रयागराज दौरे में सीएम योगी डिजिटल महाकुंभ एक्सपीरिएंस सेंटर की रूपरेखा का अवलोकन करेंगे। डिजिटल महाकुंभ एक्सपीरिएंस सेंटर वर्चुअल रियलिटी, होलोग्राम और डिजिटल प्रोजेक्शन की तकनीक से महाकुंभ, त्रिवेणी संगम और प्रयागराज महात्म्य की पौराणिक कथाओं को दर्शाएगा।

महाकुंभ 2025 सीएम योगी के विजन के मुताबिक दिव्य-भव्य के साथ डिजिटल महाकुंभ के तौर पर विकसित किया जा रहा।

इस क्रम में जहां एक ओर महाकुंभ को एआई, चैटबॉट, गूगल मैप इंटीग्रेशन युक्त सर्विलांस सेंटर्स के माध्यम से स्वच्छ और सुरक्षित बनाया जा रहा है। वहीं दूसरी ओर नई पीढ़ी को सनातन संस्कृति और महाकुंभ की पौराणिकता से परिचत करवाने के लिए डिजिटल महाकुंभ एक्सपीरियंस सेंटर बनाया जा रहा है। इस सेंटर में वीआर तकनीक होलोग्राम और डिजिटल प्रोजेक्शन की तकनीक से महाकुंभ, त्रिवेणी संगम और प्रयागराज महात्म्य की पौराणिक कथाओं को दर्शाएगा। सीएम योगी अपने प्रयागराज दौरे पर महाकुंभ के डिजिटल महाकुंभ एक्सपीरियंस सेंटर की गैलरी का अवलोकन करेंगे।

डिजिटल महाकुंभ एक्सपीरियंस सेंटर में 8 गैलरियां बनाई जा रही हैं जो आधुनिक डिजिटल तकनीक के माध्यम से समुद्र मंथन और महाकुंभ की गाथाओं का प्रदर्शन करेंगी। यहां तक कि इमर्सिव वॉक-वे गैलरी में वर्चुअल तकनीक के माध्यम से विजिटर स्वयं समुद्र मंथन की घटना का अनुभव कर सकेंगे।

इमर्सिव वॉक-वे गैलरी परंपरा को नवाचार के साथ जोड़ती है तो मिस्टिक वॉक-वे महाकुंभ की आध्यात्मिक आभा का अवलोकन करवाएगी। वर्चुअल रियलिटी और एलईडी टनल में समुद्र मंथन की कथा, कुंभ, प्रयागराज और त्रिवेणी संगम के समृद्ध इतिहास और विरासत की अनोखी अनुभूति करवाएगा।

वहीं होलोग्राम और डिजिटल प्रोजेक्शन के माध्यम से महाकुंभ के सार को प्रदर्शित किया जाएगा। महाकुंभ के अनूठे अनुभव संजोने और उन्हें घर ले जाने के लिए विशेष स्मृति चिह्नों का सोवेनियर स्टोर बनाया गया है। साथ ही यूनीडाइरेक्शनल विजिटर फ्लो और रियल टाइम मॉनिटरिंग सिस्टम के माध्यम से सुरक्षित और तनावमुक्त भीड़ प्रबंधन की व्यवस्था की जाएगी

## पदयात्रा में बागेश्वर पीठाधीश धीरेंद्र शास्त्री पर हमला

**झांसी, 26 नवंबर (एजेंसियां)।** झांसी में बागेश्वर पीठाधीश्वर धीरेंद्र शास्त्री की पदयात्रा के दौरान उस समय अचानक अफरातफरी मच गई, जब मऊरानीपुर के रामवन होटल के पास भीड़ में किसी ने उनके ऊपर मोबाइल फेंक कर मारा। इस घटना धीरेंद्र शास्त्री ने बिना नाराज हुए कहा कि किसी ने फूलों के साथ मोबाइल फेंककर दिया है, हालांकि भीड़ में मोबाइल फेंकने वाले को तलाशा जा रहा है। पदयात्रा में उनके साथ बड़ी संख्या में सुरक्षाकर्मी भी चल रहे हैं। आशंका जताई जा रही है कि पुष्प वर्षा करते समय ऐसा हुआ।

मंगलवार सुबह विधि-विधान से पूजन-अर्चन के बाद बागेश्वर धाम पीठाधीश्वर धीरेंद्र शास्त्री ने मऊरानीपुर के ग्रामोदय से अपनी सनातन हिंदू एकता पदयात्रा आगे आरंभ की। यात्रा आरंभ करने से पहले राष्ट्रगान हुआ। इसके बाद हनुमान चालीस का पाठ हुआ। श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए पं. धीरेंद्र शास्त्री ने सभी को ओरछा तक साथ चलने का अपील की।

ग्रामोदय से आरंभ हुई यात्रा सबसे पहले बंगरा के श्रीराम कॉलेज पहुंचेगी। यहां कुछ देर यात्रा को विश्राम दिया जाएगा। इसके पश्चात रात में सकरार के श्रीराम पैलेस पहुंचने के बाद शारदा महाविद्यालय पहुंचकर रात्रि विश्राम करेगी। यात्रा की सुरक्षा के लिए सैकड़ों की संख्या में पुलिसकर्मियों को तैनात किया गया है। यात्रा मार्ग को देखते हुए मंगलवार को झांसी-कानपुर हाईवे पर ट्रैफिक को बदले रास्ते से आगे भेजा जा रहा है। नौ दिवसीय यह हिंदू एकता पद यात्रा 158 किलोमीटर की है। आधे से अधिक हिस्सा यात्रा का पूरा हो चुका। यात्रा का समापन 29 नवंबर को ओरछा में होगा।

## कानपुर और उन्नाव को जोड़ने वाला ब्रिटिशकालीन पुल गिरा

**कानपुर, 26 नवंबर (एजेंसियां)।** यूपी के कानपुर से पड़ोसी जिले उन्नाव को जोड़ने वाले 150 साल पुराने पुल का एक हिस्सा गिर गया। यह पुल सोमवार 25 नवंबर को गिरा। यह कानपुर और उन्नाव को शुक्लागंज से माध्यम से जोड़ता था। इसे यातायात के लिए 2021 में ही बंद कर दिया गया था।

पुल का कानपुर छोर की तरफ का हिस्सा नदी में समाया है। इस पुल में दो तल थे। एक तल गाड़ियों जबकि दूसरा पैदल चलने वालों के लिए बनाया गया था। सदियों तक चलने के बाद 2021 में इसे लोक निर्माण विभाग ने जर्जर घोषित कर दिया था। डीएम की रिपोर्ट के बाद 2021 में इसे बंद कर दिया गया था और इस पर अब यातायात नहीं चलता था। इस पुल पर कई फिल्मों की शूटिंग हुई थी। पुल के बंद होने के बाद इसे पिकनिक स्पॉट बनाने पर विचार किया गया था लेकिन खतरे को देखते हुए यह नहीं किया गया था।

## वाराणसी के सम्माननीय नेता श्यामदेव रायचौधरी का निधन

**वाराणसी, 26 नवंबर (एजेंसियां)।** वाराणसी में शहर दक्षिणी विधानसभा क्षेत्र से 1989 से 2017 तक लगातार भाजपा विधायक रहे 85 वर्षीय श्यामदेव रायचौधरी का सोमवार की सुबह निधन हो गया। उनका ओरियाना अस्पताल में इलाज चल रहा था। वे काफी दिनों से अस्वस्थ थे। बीते मंगलवार को ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उनका हालचाल लिया था। प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने दादा के निधन पर गहरा शोक जताया है। सीएम योगी लगातार उनका हालचाल ले रहे थे। उन्होंने वाराणसी अस्पताल में उनसे मुलाकात भी की थी। ब्रेन हैमरेज की वजह से पूर्व विधायक को महमूरगंज स्थित हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया था, जहां इलाज के दौरान डॉक्टरों ने जवाब दे दिया। इसके बाद उन्हें रवींद्रपुरी स्थित ओरियाना हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया, जहां उनका इलाज चल रहा था।

# ऋषभ पंत ने दिल्ली कैपिटल्स के लिए लिखा भावुक विदाई नोट, कहा–अलविदा कहना कभी आसान नहीं होता

**नई दिल्ली, 26 नवंबर (एजेंसियां)।**

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 मेगा–नीलामी में लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) में शामिल होने के बाद, ऋषभ पंत ने अपनी पूर्व टीम दिल्ली कैपिटल्स के लिए एक भावनात्मक विदाई नोट लिखा। पंत इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के इतिहास में सबसे महंगे खिलाड़ी बन गए हैं। उन्हें इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) मेगा नीलामी के दौरान लखनऊ स्थित फ्रैंचाइज़ी ने 27 करोड़ रुपये में खरीदा।

दिल्ली के लिए 111 मैचों में, पंत ने 148.93 की औसत से 3,284 रन बनाए, जिसमें एक शतक और 17 अर्द्धशतक शामिल हैं। उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 128* है। वह फ्रैंचाइज़ी के सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं। उनकी कप्तानी में, दिल्ली की टीम 2021 में प्लेऑफ़ में पहुँची, लेकिन 2022 और 2024 में लीग चरणों से आगे नहीं बढ़ सकी।

पंत ने अपने आधिकारिक सोशल मीडिया हैंडल पर पोस्ट किया अलविदा कहना कभी आसान नहीं होता।

पंत ने लिखा, अलविदा कभी आसान नहीं होती। दिल्ली कैपिटल्स के साथ मेरा सफर किसी अद्भुद अनुभव से कम नहीं रहा। मैदान पर रोमांच से लेकर मैदान के बाहर के पलों तक, मैं उन तरीकों से आगे बढ़ा हूं, जिनकी मैंने कभी कल्पना भी नहीं की थी। मैं यहां एक किशोर के रूप में आया था और पिछले नौ वर्षों में साथ–साथ बड़ा हुआ।

उन्होंने कहा कि प्रशंसकों ने दिल्ली कैपिटल्स के साथ उनके सफर को सार्थक बनाया है।

उन्होंने कहा, इस सफर को सार्थक बनाने वाले आप प्रशंसक हैं। आपने मुझे गले लगाया, मेरा उत्साहवर्धन किया और मेरे जीवन के सबसे कठिन दौर में मेरे साथ खड़े रहे।

विकेटकीपर–बल्लेबाज ने कहा कि वह जब भी मैदान पर उतरेंगे, प्रशंसकों का मनोरंजन करने के लिए उत्सुक रहेंगे।

उन्होंने आगे कहा, जैसे–जैसे मैं आगे बढ़ रहा हूं, मैं आपके प्यार और समर्थन को अपने दिल में रखता हूं। जब भी मैं मैदान पर उतरूंगा, मैं आपका मनोरंजन करने के लिए उत्सुक रहूंगा। मेरा परिवार बनने और इस सफर को इतना खास बनाने के लिए आपका शुक्रिया। पंत के बाद श्रेयस अय्यर नीलामी में दूसरे सबसे महंगे खिलाड़ी बने। अय्यर को पंजाब ने 26.75 करोड़ रुपये में खरीदा।

## नॉटिंघमशायर ने 2025 विटालिटी टी-20 के लिए डेनियल सैम्स के साथ किया करार

**लंदन।** नॉटिंघमशायर ने अगले साल होने वाले विटालिटी टी–20 ब्लास्ट के लिए आस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर डेनियल सैम्स के साथ अनुबंध किया है। सैम्स ने पिछले तीन सीज़न में एसेक्स का प्रतिनिधित्व किया, उन्होंने ट्रेंट रॉकेट्स के लिए हंड्रेड में भी खेला है, 2022 में विजेता का पदक जीता। नॉटिंघमशायर के मुख्य कोच पीटर मूर्स ने क्लब के हवाले से कहा, फ्रहमारे लिए एक अनुभवी विदेशी खिलाड़ी को लाना प्राथमिकता थी।

## न्यूज ब्रीफ

### बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी 2024-25 : पारिवारिक आपात स्थिति के कारण स्वदेश लौटे गौतम गंभीर; दूसरे टेस्ट से पहले लौटेंगे

**पर्थ।** भारतीय क्रिकेट टीम के कोच गौतम गंभीर पारिवारिक आपात स्थिति के कारण वापस दिल्ली लौट गए हैं। वह 6 दिसंबर से एडिलेड में होने वाले दूसरे टेस्ट से पहले ऑस्ट्रेलिया वापस लौटेंगे। इस बीच, रोहित शर्मा की टीम बुधवार को कैनबरा जाएगी, जहां 30 नवंबर और 1 दिसंबर को मनुका ओवल में प्रधानमंत्री एकादश के खिलाफ मैच खेला जाएगा। गंभीर की अनुपस्थिति में सहायक कोच अभिषेक नायर, रेयान टेन डोशेट और मोर्ने मोर्कल कैनबरा में गुलाबी गेंद से होने वाले मैच के लिए टीम की कमान संभालेंगे। यह मैच 6 दिसंबर से एडिलेड में होने वाले डे–नाइट टेस्ट से पहले खेला जाएगा। भारत ने पर्थ में पहले मैच में ऑस्ट्रेलिया को 295 रनों से हराकर बॉर्डर–गावस्कर सीरीज की शानदार शुरुआत की। मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह की अगुवाई वाली मेहमान टीम पहली पारी में 150 रनों पर आउट हो गई, लेकिन वापसी करते हुए ऑस्ट्रेलिया को सिर्फ 104 रनों पर समेट दिया। तीसरी पारी में यशस्वी जायसवाल और विराट कोहली के शतकों की बदौलत बेहतर बल्लेबाजी प्रदर्शन ने भारत के लिए शानदार जीत का मार्ग प्रशस्त किया।

### हैमस्ट्रिंग की चोट के कारण विनिसियस जूनियर तीन सप्ताह तक मैदान से बाहर

**मैड्रिड।** रियल मैड्रिड अपने ब्राजीलियाई विंगर, विनीसियस जूनियर के बिना बुधवार को चैंपियंस लीग के महत्वपूर्ण मैच में लिवरपूल के खिलाफ खेलेगा, क्योंकि सोमवार को पुष्टि हुई कि रविवार को लेगानेस के खिलाफ 3–0 की जीत के दौरान उन्हें हैमस्ट्रिंग में चोट लगी थी। क्लब ने अपने वेबसाइट पर एक बयान में कहा, रियल मैड्रिड मेडिकल सर्विसेज द्वारा हमारे खिलाड़ी विनी जूनियर पर किए गए परीक्षणों के बाद, उनके बाएं पैर में बाइसेप्स फेमोरिस की चोट का पता चला है। उनकी प्रगति पर नज़र रखी जाएगी, वे संभवतः लगभग तीन सप्ताह तक खेल से बाहर रहेंगे। विनीसियस अब ला लीगा में गेटाफे, एथलेटिक क्लब बिलबाओ, गिरोना और रेयो वैलेकानो के खिलाफ और चैंपियंस लीग में अटलांटा के खिलाफ मैच नहीं खेल पाएंगे। रियल मैड्रिड के लिए अपने पिछले मैच में ओसासुना के खिलाफ हैट्रिक बनाने वाले ब्राजीलियाई खिलाड़ी का बाहर होना लिवरपूल मैच से पहले कोच कार्लो एंसेलोटी के लिए एक बड़ा झटका है। विनीसियस ने इस सीजन में ला लीगा और चैंपियंस लीग में 12 गोल किए हैं और पांच असिस्ट दिए हैं, जो गर्मियों में आने वाले किलियन एमबाप्पे से बेहतर प्रदर्शन है। शायद, विनीसियस की चोट का एक परिणाम यह है कि एमबाप्पे हमले के बाईं ओर अपने पसंदीदा स्थान पर जाने में सक्षम होंगे, क्योंकि उन्होंने सीजन का अधिकांश समय अधिक केंद्रीय भूमिका में खेलने में बिताया है।

### युगांडा ने 45 साल बाद अफ्रीका सीनियर नेशनल हैंडबॉल कप के लिए भेजी टीम

**कंपाला।** युगांडा की महिला टीम 45 साल बाद अफ्रीका सीनियर नेशंस हैंडबॉल कप में वापसी करने के लिए तैयार है। 12 टीमों वाला यह टूर्नामेंट 27 नवंबर से 7 दिसंबर तक डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ कांगो में होगा। युगांडा की महिला राष्ट्रीय हैंडबॉल टीम की कप्तान शकीरा बाको ने सोमवार को डीआर कांगो के लिए रवाना होने से पहले शिन्हुआ से कहा कि उन्हें बड़े मंच पर अनुभव की कमी के बावजूद अच्छा प्रदर्शन करने का भरोसा है। बाको ने कहा, हम जानते हैं कि प्रतिस्पर्धा बहुत कड़ी होगी क्योंकि हमारे पास अन्य टीमों की तरह अनुभव नहीं है, लेकिन हमने कड़ी मेहनत की है और जानते हैं कि क्या उम्मीद करनी है। हेड कोच जिमी रेम्मी ओरोटिन ने इस बात पर जोर दिया कि 2023 में घाना में होने वाले अफ्रीकी खेलों के बाद, खिलाड़ी अधिक प्रेरित हैं और अच्छा प्रदर्शन करने के लिए उत्सुक हैं। घाना के अकरा में 13वें अफ्रीकी खेलों में पांचवें स्थान पर रहने के बाद युगांडा की टीम ने अफ्रीका सीनियर नेशंस कप के लिए क्वालीफाई किया। युगांडा के खेल शासी निकाय, नेशनल काउंसिल ऑफ स्पोर्ट्स के महासचिव पैट्रिक ओग्वेल ने अपनी संतुष्टि व्यक्त की कि 1979 के बाद पहली बार युगांडा की टीम अफ्रीका सीनियर नेशंस कप में भाग लेगी। ओग्वेल ने कहा, हमें विश्वास है कि टीम ने अच्छी तैयारी की है और राष्ट्रीय ध्वज को ऊंचा उठाएगी। यह चैंपियनशिप 2025 विश्व हैंडबॉल चैंपियनशिप के लिए क्वालीफायर के रूप में भी काम करती है। युगांडा को डीआर कांगो, अंगोला, ट्यूनीशिया, गिनी और कैमरून के साथ पूल बी में रखा गया है।

## पीकेएल–11

# अंतिम समय में मंजीत के आलराउंड प्रदर्शन से यू मुंबा ने बेंगलुरू बुल्स को हराया

**नोएडा, 26 नवंबर (एजेंसियां)।**

नोएडा इंडोर स्टेडियम में सोमवार रात रिवेंज वीक के तहत खेले गए प्रो कबड्डी लीग के 11वें सीजन के 76वें मैच में अंतिम 10 मिनट तक बेंगलुरू बुल्स जीत की स्थिति में दिख रहे थे लेकिन फिर मंजीत ने डिफेंस और फिर रेड में अंक लेकर मैच की तस्वीर बदल दी और फंसी हुई बाजी यू मुंबा के नाम कर दी। मुंबा ने यह मैच 34–32 के स्कोर से जीता और अंक तालिका में दूसरे स्थान पर पहुंच गई।

बुल्स की तारीफ करनी होगी क्योंकि 30 मिनट तक 11 अंकों से पिछड़ रही इस टीम ने 36वें मिनट तक जाते–जाते स्कोर बराबर कर लिया और फिर लीड भी ले ली लेकिन किस्मत ने उसका साथ नहीं दिया और अंतिम रेड पर डिफेंस की गलती के कारण मैच उसके हाथ से निकल गया। इस मैच को अगर आंकड़ों के लिहाज से देखा जाए तो दोनों टीमें रेडिंग में 16–16 और डिफेंस में 12–12 अंक के साथ बराबरी पर रहीं।

मुंबा ने अच्छी शुरुआत करते हुए शुरुआती तीन मिनट में ही 5–1 की लीड के साथ बुल्स को सुपर टैकल सिचुएशन में डाल दिया। सुशील ने हालांकि रिंकू को आउट कर उसे इस स्थिति से निकाला लेकिन अजीत ने नितिन को आउट कर फिर वही स्थिति बहाल कर दी। बुल्स ने हालांकि साहस दिखाते हुए न सिर्फ खुद को फिर इस स्थिति से निकाल लिया बल्कि स्कोर भी 5–7 कर दिया।

शुरुआती 10 मिनट में मुंबा 8–6 से आगे थे। ब्रेक के बाद रिंकू ने सुशील को आउट कर मुंबा को 3 अंक की लीड दिला दी। 10–6 के स्कोर पर बुल्स के लिए फिर से सुपर टैकल आन था लेकिन वह इसका फायदा नहीं उठा सकी और आलआउट होकर 6–15 से पीछे हो गई। इसके बाद हालांकि दोनों टीमों को तीन–तीन अंक मिले और फासला 9 का बना रहा।

बुल्स ने हालांकि हाफटाइम से ठीक पहले स्टुअर्ट सन्नी को लपककर 10–18 के स्कोर के साथ पाला बदला। हाफटाइम के ठीक बाद सोमवीर ने परदीप का शिकार कर लिया और फिर मंजीत ने सनी तथा नवीन को आउट कर स्कोर 21–10 कर दिया। बुल्स ने हालांकि इसके बाद लगातार चार अंक लेकर वापसी की राह पकड़ी।

इस बीच परदीप रिवाइव हुए और फिर से लपके गए। नवीन ने अजीत को लपक परदीप को फिर रिवाइव करा लिया और इश बार परदीप ने रिंकू का शिकार कर लिया। मुंबा अब चार के डिफेंस में थे जबकि बुल्स फुल हाउस मे थे। इस बीच रोहित ने मल्टी प्वाइंट रेड के साथ फासला 10 का किया और फिर डू ओर डाई रेड पर परदीप का शिकार कर लिया। 10 मिनट बचे थे और मुंबा 27–16 से आगे थे। ब्रेक के बाद अरुल बाबू ने हाई–5 पूरा किया और फिर सुशील ने दो अंक की रेड के साथ फासला 8 का कर दिया। अगली रेड पर सुशील फिर दो अंक लेकर लौटे और स्कोर 22–28 कर दिया। फिर डिफेंस ने मंजीत को लपक मुंबा को आलआउट की ओर धकेला और फिर परदीप ने सफाया कर स्कोर 28–27 कर दिया। पिछले पांच मिनट में बुल्स ने 2 के मुकाबले 12 अंक हासिल किए और स्कोर 29–29 कर दिया। मुंबा ने डिफेंस के दम पर खेलने का फैसला किया लेकिन सुशील ने कप्तान सुनील को बाहर कर बुल्स को आगे कर दिया। अगली रेड पर रोहित को लपक बुल्स ने मुंबा को फिर सुपर टैकल सिचुएशन में ला दिया। इसी बीच मंजीत ने सुशील को सुपर टैकल कर मुंबा को 32–31 की लीड दिला दी। अब सिर्फ 56 सेकेंड बचे थे। मंजीत रेड पर गए लेकिन अरुल ने उन्हें उपहार में अंक दे दिया। मुंबा दो अंक से आगे थे लेकिन परदीप ने अगली रेड पर एक अंक लेकर स्कोर 32–33 कर दिया। मंजीत को अगली रेड पर वाकलाइन पार करने से रोकना था लेकिन नवीन ने एडवांस टैकल के चक्कर में एक अंक देकर मुंबा की जीत पक्की कर दी।

# जॉर्जियाई जूडो लीजेंड लाशा शवदातुशविली एथलीटों, कोचों के लिए करेंगे 5 दिनी मास्टरक्लास का आयोजन

**नई दिल्ली, 26 नवंबर (एजेंसियां)।**

जॉर्जियाई जूडो लीजेंड लाशा शवदातुशविली 25 से 29 नवंबर तक कर्नाटक के बेल्लारी में स्थित आईआईएस मुख्यालय में एथलीटों और कोचों के लिए पांच दिवसीय जूडो मास्टरक्लास का आयोजन करेंगे। उक्त घोषणा इंस्पायर इंस्टीट्यूट ऑफ स्पोर्ट (आईआईएस) ने की। लंदन 2012 खेलों में स्वर्ण पदक जीतने वाली लाशा ने टोक्यो 2020 खेलों में रजत पदक जीतने से पहले रियो 2016 में कांस्य पदक जीता। उनके नाम पांच विश्व चैम्पियनशिप पदक भी है– जिनमें से दो स्वर्ण पदक हैं। भारत में होने पर अपनी खुशी व्यक्त करते हुए लाशा ने कहा, मैं भारत आना और जूडोकाओं और कोचों के साथ अपना ज्ञान साझा करना एक सौभाग्य मानता हूं, जो मेरा मानना है कि निकट भविष्य में अंतरराष्ट्रीय मंच पर चमकेंगे और प्रदर्शन करेंगे। मुझे पता है कि इंस्पायर इंस्टीट्यूट ऑफ स्पोर्ट (आईआईएस) पिछले कुछ वर्षों से भारतीय जूडो के लिए बहुत कुछ कर रहा है। यह पहल उस दिशा में एक और कदम है और मुझे इसका हिस्सा बनकर खुशी हो रही है। जॉर्जियाई दिग्गज अपने ज्ञान को आईआईएस में कार्यक्रम से युवा जुडोका और देश भर से चयनित प्रतिभाओं के मिश्रण के साथ साझा करते हुए दिखेंगे, चुनिंदा कोच भी इसमें शामिल होंगे। भारतीय जूडो को बहुत जरूरी प्रोत्साहन देने के उद्देश्य से की गई पहल पर, आईआईएस के संस्थापक पार्थ जिंदल ने कहा, जूडो शुरुआत से ही आईआईएस का हिस्सा रहा है, और जबकि देश में प्रतिभाशाली जूडोका की कोई कमी नहीं है, हमें प्रतिभा को पदकों में परिवर्तित करने पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। पेरिस ओलंपिक में भारत के पास सिर्फ एक जूडोका था, और हमें 2028 ओलंपिक में इसे बदलने के लिए काम करने की जरूरत है। हमारे जूडोका और हमारे कोचों की मदद के लिए लाशा जैसे कद के एक एथलीट को भारत लाना उन कई हस्तक्षेपों में से एक है जो हम करने जा रहे हैं। जूडो मास्टरक्लास आईआईएस एक्सीलेंस एक्सेलेरेटर की श्रृंखला में पहला है। वर्टिकल के बारे में विस्तार से बताते हुए, आईआईएस की अध्यक्ष मनीषा मल्होत्रा ने कहा,एक्सिलेंस एक्सेलेरेटर को हमारे एथलीटों, कोचों और सिस्टम को शिक्षा और लाभ देने के उद्देश्य से आकार दिया गया हैं।

# राज्यपाल ने किया उद्घाटन, नेशनल स्कूल गेम्स प्रतियोगिता शुरू

**लखनउ, 26 नवंबर (एजेंसियां)।**

**खेलेंगे तो खिलेंगे। के स्लोगन के साथ नेशनल स्कूल गेम्स प्रतियोगिता की शुरुआत हो गयी। इस प्रतियोगिता में 3960 विद्यार्थी हिस्सा ले रहे हैं। 30 नवम्बर तक चलने वाली इस प्रतियोगिता का उद्घाटन राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने किया। उन्होंने इस अवसर पर खिलााड़ियों को आशीर्वाद दिया। वहीं गुरु गोविंद सिंह स्पोर्टस कालेज में शुरु हुई इस प्रतियोगिता में खिलाड़ियों में खूब उत्साह दिखा।**

इस अवसर पर बेसिक शिक्षा राज्य मंत्री संदीप सिंह ने कहा कि पढ़ाई के साथ ही खेल भी बहुत जरूरी है। आज उप्र सरकार खेल को बढ़ावा देने के लिए तमाम योजनाएं शुरू की हैं, जिससे बच्चों में खेल के प्रति रूचि जागृत हो। गांव–गांव में खेल के आयोजन किये जा रहे हैं। इसके प्रति युवाओं में रूझान बढ़ा है।

पिछले वर्ष यह खेल का आयोजन अंडर–14 था, जिसे बढ़ाकर इस वर्ष अंडर–17 कर दिया गया है। इसमें प्रत्येक यूनिट में 42 बालक और 42 बालिका पर दो–दो कोच और मैनेजर हैं। इसके साथ ही एथलेटिक्स फेडरेशन आफ इंडिया द्वारा नामित 20 विशेषज्ञ आये हुए हैं। इसके लिए कंट्रोल रूम भी बनाया गया है, जो 24 घंटे सक्रिय रहेगा।

# जूनियर पुरुष हॉकी एशिया कप 2024 : भारतीय टीम थाईलैंड के खिलाफ करेगी अभियान की शुरुआत

**मस्कट, 26 नवंबर (एजेंसियां)।**

भारतीय जूनियर पुरुष हॉकी टीम बुधवार को यहां थाईलैंड के खिलाफ अपने जूनियर एशिया कप 2024 अभियान की शुरुआत करेगी। आज से शुरू होने वाले और 4 दिसंबर 2024 तक चलने वाले महाद्वीपीय टूर्नामेंट में भारत को कोरिया, जापान, चीनी ताइपे और थाईलैंड के साथ पूल ए में रखा गया है।

इस प्रतियोगिता में 10 टीमें भाग ले रही हैं, पूल बी में शेष पांच टीमें पाकिस्तान, मलेशिया, बांग्लादेश, ओमान और चीन हैं। भारत ने 2023, 2015, 2008 और 2004 सहित रिकॉर्ड चार बार यह टूर्नामेंट जीता है। उन्होंने पिछले साल फाइनल में पाकिस्तान को 2–1 से हराकर खिताब अपने नाम किया था। पिछले साल प्रतियोगिता में भाग लेने वाले खिलाड़ी आमिर अली और रोहित अब क्रमशः कप्तान और उप–कप्तान के रूप में टीम का नेतृत्व करेंगे।

बुधवार को थाईलैंड के खिलाफ अपने अभियान की शुरुआत के बाद, भारत 28 नवंबर को जापान के खिलाफ मैच खेलेगा। 30 नवंबर को चीनी ताइपे के खिलाफ मुकाबला तय है और कोरिया के खिलाफ उनका आखिरी ग्रुप स्टेज मैच 1 दिसंबर को होना है। भारतीय जूनियर पुरुष हॉकी टीम को 3 दिसंबर को होने वाले सेमीफाइनल में पहुंचने के लिए शीर्ष दो में जगह सुनिश्चित करनी होगी।

कप्तान अमीर अली ने कहा, हम पुरुष जूनियर एशिया कप 2024 में अपना अभियान शुरू करने के लिए उत्साहित और पूरी तरह से तैयार हैं। हमारी टीम कड़ी मेहनत कर रही है, और हमें अच्छा प्रदर्शन करने की अपनी क्षमताओं पर भरोसा है। पूल में थाईलैंड, जापान और कोरिया जैसी मजबूत टीमों के खिलाफ खेलना चुनौतीपूर्ण होगा, लेकिन हम अपना सर्वश्रेष्ठ देने के लिए तैयार हैं और शीर्ष स्थान हासिल करने का लक्ष्य रखते हैं, हम अपने खिताब की रक्षा करना चाहते हैं और अपने देश को एक बार फिर गौरवान्वित करना चाहते हैं।

उप कप्तान रोहित ने कहा, सुल्तान जोहोर कप 2024 में हमारे तीसरे स्थान पर रहने से हमें काफी गति और आत्मविश्वास मिला है। जैसे ही हम पुरुष जूनियर एशिया कप 2024 में अपनी यात्रा शुरू कर रहे हैं, हमारा ध्यान हमारे प्रदर्शन और सेमी–फाइनल में स्थान सुरक्षित करने पर है, हम एक शानदार प्रदर्शन करने और अपने देश को फिर से गौरवान्वित करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। सुल्तान जोहोर कप 2024 में तीसरे स्थान पर रहने के बाद, भारत अपनी लय बरकरार रखना और हेड कोच पीआर श्रीजेश के नेतृत्व में ओमान में पुरुष जूनियर एशिया कप 2024 में अच्छा प्रदर्शन जारी रखना चाहेगा।

# राजमाता जीजाबाई ट्रॉफी: 29वीं सीनियर महिला एनएफसी के फाइनल राउंड मुकाबले 10 दिसंबर से

**नई दिल्ली, 26 नवंबर (एजेंसियां)।**

राजमाता जीजाबाई ट्रॉफी के लिए खेली जा रही 29वीं सीनियर महिला राष्ट्रीय फुटबॉल चैंपियनशिप के फाइनल राउंड मुकाबले 10 दिसंबर से शुरू होंगे। ये सभी मैच छत्तीसगढ़ के नारायणपुर स्थित रामकृष्ण मिशन आश्रम मैदान में खेले जाएंगे। फाइनल राउंड में दस टीमें एक–दूसरे से भिड़ेंगी, जिनमें ग्रुप स्टेज से आठ विजेता टीमों और पिछले सीजन की दो फाइनलिस्ट (मणिपुर और हरियाणा) को पांच–पांच के दो समूहों में बांटा गया है।

ऑल इंडिया फुटबॉल फेडरेशन ने मंगलवार को कार्यक्रम जारी करते हुए बताया कि प्रत्येक समूह से शीर्ष दो टीमें 21 दिसंबर को खेले जाने वाले सेमीफाइनल के लिए क्वालीफाई करेंगी। फाइनल 23 दिसंबर को होगा। पिछले सीजन की विजेता मणिपुर ने रिकॉर्ड 22 बार ये खिताब अपने नाम किया है, जबकि पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु ने दो–दो खिताब जीते हैं। ओडिशा और रेलवे को एक–एक बार चैंपियन का ताज पहनाया गया है।

**फाइनल राउंड के लिए समूह:**

**ग्रुप ए:**
मणिपुर (2023–24 चैंपियन)
तमिलनाडु (ग्रुप ए विजेता)
झारखंड (ग्रुप एच विजेता)
महाराष्ट्र (ग्रुप डी विजेता)
ओडिशा (ग्रुप एफ विजेता)

**ग्रुप बी:**
हरियाणा (2023–24 उपविजेता)
पश्चिम बंगाल (ग्रुप बी विजेता)
पंजाब (ग्रुप ई विजेता)
रेलवे (ग्रुप सी विजेता)
सिक्किम (ग्रुप जी विजेता)

कार्यक्रम (सभी मैच रामकृष्ण मिशन आश्रम ग्राउंड पर)

**ग्रुप ए:**
10 दिसंबर – झारखंड बनाम तमिलनाडु, ओडिशा बनाम महाराष्ट्र
12 दिसंबर – महाराष्ट्र बनाम मणिपुर, ओडिशा बनाम झारखंड
14 दिसंबर – मणिपुर बनाम ओडिशा, तमिलनाडु बनाम महाराष्ट्र
16 दिसंबर – तमिलनाडु बनाम ओडिशा, झारखंड बनाम मणिपुर
18 दिसंबर – महाराष्ट्र बनाम झारखंड, मणिपुर बनाम तमिलनाडु

**ग्रुप बी:**
11 दिसंबर – पंजाब बनाम पश्चिम बंगाल, सिक्किम बनाम रेलवे
13 दिसंबर – रेलवे बनाम हरियाणा, सिक्किम बनाम पंजाब
15 दिसंबर – हरियाणा बनाम सिक्किम, पश्चिम बंगाल बनाम रेलवे
17 दिसंबर – पश्चिम बंगाल बनाम सिक्किम, पंजाब बनाम हरियाणा
19 दिसंबर – रेलवे बनाम पंजाब, हरियाणा बनाम पश्चिम बंगाल

**सेमीफाइनल:**
21 दिसंबर – ग्रुप ए विजेता बनाम ग्रुप बी उपविजेता, ग्रुप बी विजेता बनाम ग्रुप ए उपविजेता

**फाइनल :**
23 दिसंबर – सेमीफाइनल 1 विजेता बनाम सेमीफाइनल 2 विजेता।

संपादकीय

# सरकारी होटलों का फंदा

**कर्मचारी** हमेशा संगठन नहीं होता, वह भी सरकार के सफर का एक कदम है। ऐसा जरूरी नहीं कि हर दफ्तर से आह निकले, बल्कि फाइलों के बीच कहीं तो प्रदेश के प्रति निगाह होती है। सरकार के असफल घरौंदों के बीच बसी कार्य संस्कृति इतनी भी निकम्मी नहीं कि अपना रुतबा और गैरत खो दे। ताजा संदर्भ में सरकारी होटलों पर मंडरा रहे अदालती निर्देश और कुपित माहौल में पलते सदमे हैं, जिन्हें पर्यटन निगम के कर्मचारी झेल रहे हैं। अंततः उन्हें यह फरियाद करनी पड़ी कि निगम का सारा तामझाम मुख्यमंत्री स्वयं उठा लें। एचपीटीडीसी कर्मचारियों का दर्द अगर देखना है, तो तमाम सरकारी होटलों की व्यथा को समझना होगा। सोचना होगा कि इनके चूल्हे पर कितनी राजनीतिक खिचड़ी पकी और रेस्तरां की प्लेट पर किसकी जूठन ने इन्हें बदनाम किया। कर्मचारी यकीन से कहते हैं कि जो घाटे में बिकने का माहौल खड़ा किया गया है, वह नकली है और इसके पीछे राजनीतिक स्वार्थ है। इस तर्क के पीछे कर्मचारी फर्ज की मर्यादा है, क्योंकि कुछ वर्ष पूर्व इसी तरह बैजनाथ का एक सजा सजाया कैफे अपने भीतर की हाई-वे टूरिज्म क्षमता के बावजूद बेचा गया था। जहां कभी पर्यटक रुकते थे वहां अब कबाड़ का ढेर है। दो-दो बार नूरपुर में पर्यटन निगम की संपत्तियां खड़ी की गईं, लेकिन बिकवाली के हादसों में पर्यटन निगम को ही फंदा लगा। कभी भागसूनाग के सान्निध्य में 'जलधारा' कैफे की गरिमामयी उपस्थिति से पर्यटन निगम की शिनाख्त होती थी, लेकिन राजनीतिक गलबहियों ने इसकी नींव उखाडक़र एक ऊंचा मॉल खड़ा कर दिया। आखिर ये सौदे अतीत में किन नेताओं ने किए और आइंदा नहीं होंगे इसकी क्या गारंटी। आश्चर्य यह कि जंजैहली में करोड़ों की लागत से पर्यटन परिसर बनता है और फिर इस लागत का फल निजी हाथों को सौंप दिया जाता है। ऐसे में उस कर्मचारी के हाथ गंदे नहीं, बल्कि हर बार सियासी परिंदों ने उजाड़ा है पर्यटन निगम का आंगन। पर्यटन कर्मचारियों की चिंता व आरोप वाजिब दिखाई देते हैं। असल में वही गवाह हैं कि क्यों मुफ्त में सरकारी होटल पुतले बना दिए गए। भले ही सरकार ने अपने पदों के बंटवारे में एक काबीना रैंक पर्यटन की खिदमत में झौंक दिया था, लेकिन अब सुर्खियां इसे भी बदनाम कर रही हैं। कर्मचारी सामने आए हैं तो इसलिए कि वह इस पतन की कहानी के सारथी नहीं बनना चाहते, बल्कि पर्यटन निगम के आंगन को रौंदते हाथियों को हटाना चाहते हैं। उस अकुशलता को मिटाना चाहते हैं, जो सियासत के जरिए सदा पांव पसारती है। इसी बीच पूर्व आईएएस अधिकारी तरुण श्रीधर की सिफारिशें भी आ गई हैं, जो इमारतों को खंडहर बनाने से रोक रही हैं। हालांकि पर्यटन निगम के 56 होटल हिमाचल की टूरिज्म इंडस्ट्री नहीं हैं, बल्कि इसकी संपूर्णता में निजी क्षेत्र की भागीदारी का श्रृंगार कहीं बेहतर उम्मीदों का रास्ता तय कर रहा है। आश्चर्य यह कि परिवहन और पर्यटन को अलग-अलग पलड़ों में सवार करके रखा जाता है, जबकि दोनों को घाटे से उबारने के लिए एक ही संयुक्त मंत्रालय होना चाहिए। यहां पर्यटन कर्मियों ने मुख्यमंत्री के सामने जो तस्वीर पेश की है, उसके मर्म में कार्ययोजना दिखाई देती है। यह इसलिए भी कि कहीं तो पर्यटन का कारवां चला था एक नए आंकड़े यानी पांच करोड़ सैलानी बुलाने का और यहां निगम के स्वागत कक्ष पर नाकामी के कांटे फैल गए। अंततः सोचना यह है कि वर्तमान में करीब दो करोड़ पर्यटकों के आगमन से भी अगर निगम के होटल आबाद नहीं हो रहे, तो इस शुमारी में भी तो भविष्य खोजा जाए। सरकारी होटलों के खिलाफ आया फैसला हिमाचल पर्यटन पर दाग सरीखा है और इसीलिए कर्मचारी संगठन जो कह रहे हैं, उसे सुना जाए। सुना जाए कि क्यों मनाली, धर्मशाला या शिमला के होटलों तक पर गाज गिर रही है। क्यों सरकारी ओहदेदार इतने विकराल फैसलों के बाद भी चैन की नींद सो रहे हैं। अगर विपक्ष भी सिर्फ कोसने का काम कर रहा है, तो पहले यह जांच करा ली जाए कि राज्य की किस-किस सत्ता ने सरकारी होटलों के पांव छलनी किए। पर्यटन निगम पर सवार सियासी स्वार्थ ने हमेशा इसके औचित्य को राजनीतिक शरणार्थी बना दिया।

सरकार के असफल घरौंदों के बीच बसी कार्य संस्कृति इतनी भी निकम्मी नहीं कि अपना रुतबा और गैरत खो दे। ताजा संदर्भ में सरकारी होटलों पर मंडरा रहे अदालती निर्देश और कुपित माहौल में पलते सदमे हैं, जिन्हें पर्यटन निगम के कर्मचारी झेल रहे हैं। अंततः उन्हें यह फरियाद करनी पड़ी कि निगम का सारा तामझाम मुख्यमंत्री स्वयं उठा लें। एचपीटीडीसी कर्मचारियों का दर्द अगर देखना है, तो तमाम सरकारी होटलों की व्यथा को समझना होगा। सोचना होगा कि इनके चूल्हे पर कितनी राजनीतिक खिचड़ी पकी और रेस्तरां की प्लेट पर किसकी जूठन ने इन्हें बदनाम किया। कर्मचारी यकीन से कहते हैं कि जो घाटे में बिकने का माहौल खड़ा किया गया है, वह नकली है और इसके पीछे राजनीतिक स्वार्थ है। इस तर्क के पीछे कर्मचारी फर्ज की मर्यादा है, क्योंकि कुछ वर्ष पूर्व इसी तरह बैजनाथ का एक सजा सजाया कैफे अपने भीतर की हाई-वे टूरिज्म क्षमता के बावजूद बेचा गया था। जहां कभी पर्यटक रुकते थे वहां अब कबाड़ का ढेर है।

नफरत एवं द्वेष को हथियार बनाकर अशांति फैलायी, वह भारत की एकता, अखण्डता एवं भाईचारे की संस्कृति को क्षति पहुंचाने का माध्यम बनी है

# संभल की दुर्भाग्यपूर्ण घटना से उपजे जटिल सवाल

ललित गर्ग

स्थानीय अदालत के आदेश पर एक मस्जिद के सर्वे के दौरान हिंसा एवं उन्माद का भड़क उठना और इसके चलते तीन लोगों की जान चले जाना, चुनौतीपूर्ण, विडम्बनापूर्ण एवं शर्मनाक है। इस घटना में कई अन्य लोग घायल भी हुए, जिनमें 30 से अधिक पुलिसकर्मी भी हैं। इस हिंसा को टाला जा सकता था यदि अदालत के आदेश पर हो रहे सर्वेक्षण का हिंसक विरोध नहीं किया जाता। ध्यान रहे कि जब ऐसा होता है तो बैर बढ़ने के साथ देश की छवि पर भी बुरा असर पड़ता है।

**यह** दुर्भाग्यपूर्ण एवं त्रासद है कि उत्तर प्रदेश के संभल में एक बार फिर एक सम्प्रदाय विशेष के लोगों ने जो हिंसा, नफरत एवं द्वेष को हथियार बनाकर अशांति फैलायी, वह भारत की एकता, अखण्डता एवं भाईचारे की संस्कृति को क्षति पहुंचाने का माध्यम बनी है। स्थानीय अदालत के आदेश पर एक मस्जिद के सर्वे के दौरान हिंसा एवं उन्माद का भड़क उठना और इसके चलते तीन लोगों की जान चले जाना, चुनौतीपूर्ण, विडम्बनापूर्ण एवं शर्मनाक है। इस घटना में कई अन्य लोग घायल भी हुए, जिनमें 30 से अधिक पुलिसकर्मी भी हैं। इस हिंसा को टाला जा सकता था यदि अदालत के आदेश पर हो रहे सर्वेक्षण का हिंसक विरोध नहीं किया जाता। ध्यान रहे कि जब ऐसा होता है तो बैर बढ़ने के साथ देश की छवि पर भी बुरा असर पड़ता है। निःसंदेह इस सम्प्रदाय विशेष को भी यह समझने की आवश्यकता है कि जब देश कई चुनौतियों से दो-चार है, तब राष्ट्रीय एकता एवं सद्भाव को बल देना सबकी पहली और साझी प्राथमिकता बननी चाहिए। एक उन्मादी, विभाजित और वैमनस्यग्रस्त समाज न तो अपना भला कर सकता है और न ही देश को आगे ले जा सकता है। समय आ गया है कि उन मूल कारणों पर विचार किया जाए, जिनके चलते साम्प्रदायिक तनाव, नफरत एवं द्वेष बढ़ाने वाली घटनाएं थम नहीं रही हैं। संभल की स्थानीय अदालत ने उस याचिका पर जामा मस्जिद के सर्वेक्षण का आदेश दिया था, जिसमें दावा किया गया था कि मुगल बादशाह बाबर ने इस मस्जिद का निर्माण एक मंदिर के स्थान पर किया था। स्थानीय अदालत के आदेश पर इसी मंगलवार को जब प्रारंभिक सर्वे किया गया था तब भी इलाके में तनाव फैला था, लेकिन उसे दूर कर लिया गया था। समझना कठिन है कि गत दिवस सर्वे के दौरान ऐसे प्रयास क्यों नहीं किए गए जिससे किसी तरह की अव्यवस्था और अशांति न फैलने पाए। रविवार को सर्वे के दौरान जिस तरह पुलिस पर पथराव किया गया और वाहनों में तोड़फोड़ करने के साथ उन्हें आग के हवाले किया गया, उससे लगता है कि कुछ उन्मादी तत्वों ने उपद्रव की तैयारी कर रखी थी। ऐसी घटनाएं सामाजिक तानेबाने को क्षति पहुंचाने के साथ कानून एवं व्यवस्था के समक्ष चुनौती भी खड़ी करती हैं। यह चिंता की बात है कि यह एक चलन सा बनता जा रहा है कि जब सार्वजनिक

स्थलों पर कोई धार्मिक आयोजन होता है, किसी अदालती आदेश पर जांच कार्य होता है तो प्रायः पहले किसी बात को लेकर विवाद होता है और फिर हिंसा शुरू हो जाती है। कई बार तो यह हिंसा बड़े पैमाने पर और किसी सुनियोजित साजिश के तहत होती दिखती है। उत्तर प्रदेश के संभल में हुई भीषण हिंसा यही संकेत करती है कि उसे लेकर पूरी तैयारी की गई थी। संभल की ताजा घटनाओं के मूल में भड़काऊ नारे एवं संकीर्ण धार्मिकता के मनसूबे सामने आये हैं। इस तरह की घटनाओं का बार-बार होना अच्छा नहीं है, मंदिर-मस्जिद के एक और मामले ने तनाव की स्थिति उत्पन्न करके शांति एवं सौहार्द को खण्डित किया। यदि मस्जिद पक्ष का यह मानना है कि जामा मस्जिद के सर्वे का आदेश सही नहीं तो उसे ऊपरी अदालत का दरवाजा खटखटाना चाहिए था। अदालत के आदेश की अवहेलना करने के लिए हिंसा का सहारा लेने का कहीं कोई औचित्य नहीं और तब तो बिल्कुल भी नहीं जब निचली अदालत के किसी फैसले के खिलाफ ऊंची अदालतों में जाने का रास्ता खुला हो। यह भी देखा जाना चाहिए कि क्या कुछ राजनीतिक दल एवं सम्प्रदाय विशेष के लोग किसी भी बहाने भड़कने और हिंसा करने के लिए तैयार बैठे रहते हैं? वास्तव में जैसे यह एक सवाल है कि क्या भारतीय संस्कृति के अस्तित्व एवं अस्मिता से जुड़े इन धार्मिक स्थलों के नाम पर पथराव, तोड़फोड़ और आगजनी करना जरूरी समझ लिया गया है? इन प्रश्नों पर संकीर्ण धार्मिकता से परे होकर गंभीरता के साथ विचार होना चाहिए। इसी तरह पुलिस प्रशासन को भी यह देखना होगा कि वैमनस्य बढ़ाने वाली घटनाएं क्यों बढ़ती चली जा रही हैं? यह सही है कि 1991 का पूजा स्थल अधिनियम किसी धार्मिक स्थल में बदलाव का निषेध करता है, लेकिन इसकी भी अनदेखी नहीं की जा सकती कि यह अधिनियम ऐसे किसी स्थल के सर्वेक्षण की अनुमति भी प्रदान करता है और इसी कारण वाराणसी में ज्ञानवापी परिसर का सर्वेक्षण हुआ और धार में भोजशाला परिसर का भी। मथुरा में ईदगाह परिसर के सर्वेक्षण का मामला सुप्रीम कोर्ट के समक्ष विचाराधीन है। मंदिर-मस्जिद के विवाद नए नहीं हैं। इन विवादों को सुलझाने की आवश्यकता है। इसका एक तरीका न्यायपालिका का सहारा लेना है और दूसरा आपसी सहमति से विवाद को हल करना। इससे बेहतर और कुछ नहीं कि जहां भी ऐसे विवाद हैं, उन्हें दोनों समुदाय आपस में मिल-बैठकर हल करें। इसका सबसे बड़ा लाभ यह होगा कि समाज में सद्भाव, सौहार्द एवं शांति बनी रहेगी। यह समझा जाना चाहिए कि इन दोनों उपायों के अतिरिक्त हिंसा एवं नफरत कोई उपाय नहीं है। इसी के साथ यह भी समझना होगा कि देश को अतीत से अधिक भविष्य की ओर देखने और मंदिर-मस्जिद विवादों से बाहर निकलने की आवश्यकता है। इससे इन्कार नहीं कि विदेशी आक्रमणकारियों ने अनगिनत मंदिरों का ध्वंस किया। अतीत में हुए इन ज्यादतियों, अत्याचारों एवं विध्वंस घटनाक्रमों को सुधारने की संभावनाएं किसी भी दृष्टि से गलत नहीं कही जा सकती। देश का चरित्र बनाना है तथा स्वस्थ, सौहार्दपूर्ण एवं शांतिपूर्ण समाज की रचना करनी है तो हमें एक ऐसी आचार संहिता को स्वीकार करना होगा जो जीवन में पवित्रता दे। राष्ट्रीय प्रेम व स्वस्थ समाज की रचना की दृष्टि दे एवं कदाचार-संकीर्णता-कट्टरता के इस अंधेरे कुएँ से निकाले। बिना इसके देश का विकास और भौतिक उपलब्धियां बेमानी हैं। व्यक्ति, परिवार और राष्ट्रीय स्तर पर हमारे इरादों की शुद्धता महत्व रखती है, जबकि हमने इसका राजनीतिकरण कर परिणाम को महत्व दे दिया। घटिया उत्पादन के पर्याय के रूप में जाना जाने वाला जापान आज अपनी जीवन शैली को बदल कर उत्कृष्ट उत्पादन का प्रतीक बन विश्वविख्यात हो गया। यह राष्ट्रीय जीवन शैली की पवित्रता का प्रतीक है। इसी तरह भारत भी आज विश्वविख्यात होने की दिशा में अग्रसर हो रहा है, तो उसकी बढ़ती साख एवं समझ को खण्डित करने वाली शक्तियों को सावधान करना ही होगा। भारत जैसी माटी में जन्म लेना बड़ी मुश्किल से मिलता है।

दृष्टि कोण

# संविधान और समाजवाद-धर्मनिरपेक्षतावाद

**वर्ष** 1976...उस समय देश में इंदिरा गांधी की सरकार थी। इसी वर्ष 42वें संशोधन के जरिए संविधान की प्रस्तावना में सोशलिस्ट शब्द जोड़ा गया। इसके साथ सेक्युलर शब्द भी जुड़ा। यह 1975 और 1977 के बीच तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी द्वारा लगाए गए आपातकाल के दौरान का कालखंड था। 42वें संशोधन से पहले संविधान की प्रस्तावना में तीन शब्द थे, लेकिन अब पांच हो गए। संविधान की प्रस्तावना में सोशलिस्ट शब्द, सामाजिक समानता को सुनिश्चित करता है। यह सुनिश्चित करता है कि हमारे देश में जाति, रंग, पंथ, लिंग, धर्म एवं भाषा के आधार पर कोई भेदभाव नहीं होता। संविधान के अनुच्छेद 38, 39, 41, 42, 43 और 47 समाजवाद की व्याख्या करते हैं। भारतीय संविधान में सोशलिस्ट शब्द एक ऐसे समाज के निर्माण की प्रतिबद्धता को दर्शाता है जहां कम से कम आर्थिक विषमता हो और समाज कल्याण सबसे बड़ी प्राथमिकता हो। यह शब्द देश के सामाजिक-आर्थिक विकास के लिए नीतियों के निर्माण को सुनिश्चित करता है। समाजवाद से प्रेरित बड़े फैसले : 1976 में तत्कालीन सरकार के फैसलों पर समाजवाद की छाप साफ दिखाई देती है। इन फैसलों में बैंकों और इंश्योरेंस का राष्ट्रीयकरण, आयात-निर्यात व्यापार का राष्ट्रीयकरण, अनाज को पब्लिक में बांटना, आर्थिक शक्ति के केंद्रीकरण को रोकना, अर्बन इनकम और प्रॉपर्टी पर लगाम, लैंड रिफॉर्म और प्रिवी पर्स जैसी चीजें खत्म करना शामिल हैं। 25 जून 1975 को देश में इमरजेंसी लगाई गई थी। कहा जाता है कि इसी गुस्से को काउंटर करने के लिए 42वां संविधान संशोधन हुआ था। इसमें सोशलिस्ट और सेक्युलर शब्द जोड़े गए। बहुत से लोग इसे तत्कालीन सरकार का राजनीतिक फैसला बताते हैं। हालांकि इन सबका बहुत फायदा नहीं हुआ। इसके बाद ग्लोबलाइजेशन का दौर आया और समाजवाद प्राथमिकताओं से गौण होता चला गया। लेकिन ऐसा बिल्कुल नहीं है कि ये शब्द जुडऩे से पहले संविधान सोशलिस्ट और सेक्युलर नहीं था। संविधान सभा में इस शब्द पर खूब बहस भी हुई थी। प्रोफेसर केटी शाह सेक्युलर, फेडरलिस्ट और सोशलिस्ट जैसे शब्दों को प्रस्तावना में जोडऩे के पैरोकार थे। हालांकि सबकी सहमति इस बात पर थी कि भारत एक सेक्युलर देश होगा। सोशलिस्ट शब्द पर आम राय नहीं थी, लिहाजा इन शब्दों को प्रस्तावना में नहीं रखा गया। राष्ट्र की पहचान और भविष्य की दिशा के बारे में गहन चर्चा और बहस भारत के संविधान के निर्माण की आधारशिला थी। ऐसी ही एक बहस संविधान की प्रस्तावना में धर्मनिरपेक्ष और समाजवाद शब्दों को शामिल करने को लेकर थी। प्रोफेसर केटी शाह ने 15 नवंबर 1948 को भारतीय संविधान के ड्राफ्ट में एक संशोधन का प्रस्ताव रखा, जिसमें भारत को 'धर्मनिरपेक्ष, संघीय, समाजवादी राज्यों का संघ' बनाने की मांग की गई। हालांकि ड्राफ्टिंग कमेटी के अध्यक्ष डॉक्टर भीमराव अंबेडकर ने इस प्रस्ताव को दृढ़ता से खारिज कर दिया। प्रोफेसर केटी शाह द्वारा रखे गए प्रस्ताव पर डा. भीमराव अंबेडकर को दो आपत्तियां थीं।

**पहली आपत्ति :** संविधान को कोई विचारधारा नहीं थोपनी चाहिए : डा. अंबेडकर का मुख्य तर्क लोकतंत्र के प्रति उनकी प्रतिबद्धता में निहित था। उनका दृढ़ विश्वास था कि संविधान राज्य के कामकाज को विनियमित करने का एक तंत्र है। अंबेडकर ने स्पष्ट रूप से कहा कि संविधान को ऐसे दस्तावेज के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए जो देश की भावी पीढियों पर एक विशेष सामाजिक या आर्थिक विचारधारा थोपता हो। प्रोफेसर केटी शाह के प्रस्ताव पर प्रतिक्रिया देते हुए अंबेडकर ने कहा था कि 'राज्य की नीति क्या होनी चाहिए, समाज को उसके सामाजिक और आर्थिक पक्ष में कैसे संगठित किया जाना चाहिए, ये ऐसे मामले हैं जिनका निर्णय लोगों को समय और परिस्थितियों के अनुसार स्वयं करना चाहिए।' अंबेडकर के अनुसार भारत के संविधान में समाजवाद जैसी विचारधारा को जोडऩे में एक बुनियादी विरोधाभास था।

**दूसरी आपत्ति :** संविधान में पहले से ही समाजवादी सिद्धांत मौजूद : प्रोफेसर केटी शाह के प्रस्ताव को खारिज करते हुए अंबेडकर ने दूसरा तर्क दिया था कि संविधान के मसौदे में पहले से ही ऐसे प्रावधान हैं, जिन्हें राज्य के नीति निर्देशक सिद्धांतों के माध्यम से समाजवादी सिद्धांतों के रूप में देखा जा सकता है। उन्होंने ड्राफ्ट के अनुच्छेद 31 की ओर इशारा किया और कहा कि इसमें धन के केंद्रीकरण को रोकने और समान काम के लिए समान वेतन जैसे उपायों की रूपरेखा दी गई है जो एक समाजवादी प्रावधान है।

**धर्मनिरपेक्षता शब्द पर बहस :** डा. भीमराव अंबेडकर धर्म को राजनीति से दूर रखने के प्रबल समर्थक थे। उनका मानना था कि प्रस्तावना में धर्मनिरपेक्ष शब्द का स्पष्ट रूप से उल्लेख करने की आवश्यकता नहीं है। उनका तर्क था कि संविधान में पहले ही स्पष्ट कर दिया है कि भारत एक ऐसा देश होगा, जो किसी भी धर्म को मान्यता नहीं देगा।

कुछ अलग

# गोबर और समोसे...

**साधो** आजकल देवभूमि में गोबर और समोसों को लेकर ख़ूब जंग छिड़ी है। सत्ता पक्ष और विपक्ष में। कुछ साल पहले भाजपा शासन के दौरान प्रदेश में रहे एक लाट साहिब राज भवन के अलावा प्रदेश में जी भर कर गोबर फेरते रहे। जब उनके गोबर का ढेर कुतुब मीनार की तरह दिल्ली से दिखने लगा तो केन्द्र सरकार ने उनसे इस कृत्य से प्रसन्न होकर उन्हें गुजरात की लाट साहिबी बख़्श दी। वहां उन्होंने कितना गोबर फेरा, मुझे इसकी जानकारी नहीं। मुझे इसकी भी जानकारी नहीं कि देवभूमि में फेरा हुआ उनका गोबर खेती के कितने काम आया या प्रदेश में कागज़ों के अलावा वास्तव में जैविक खेती की सफलता की दर क्या है? इस पर कुछ कहना नोटबंदी के फायदों पर कुछ कहने जितना ही मुश्किल है। लेकिन उनके गोबर अभियान में बढ़-चढ़ कर भाग लेने वाले अधिकारी वर्तमान सरकार में कई अहम पदों पर गोबर फेर रहे हैं। जब राज्य में नत्थू की सरकार होती है तो फत्तू को लगता है कि नत्थू सरकार राज्य में गोबर फेर रही है और जब फत्तू सरकार होती है तो नत्थू को लगता है कि फत्तू सरकार गोबर फेर रही है। लेकिन बाहर से तटस्थ भाव से देखने पर पता चलता है कि जिसको भी सरकार चलाने का मौक़ा मिलता है, वह डट कर प्रदेश में गोबर ही फेरता है। अगर ऐसा न होता तो नेता विपक्ष सरकार की आलोचना के लिए गोबर का सहारा न लेते। सरकार को घेरने के लिए आम आदमी से जुड़े इतने मुद्दे हैं कि विपक्ष आराम से सरकार को घेर सकता है। लेकिन घेरेगा तो वही जिसने मौक़ा मिलने पर ख़ुद को साबित किया हो। कुछ दिन पहले नेता विपक्ष ने सरकार को सचमुच ही गोबर के मुद्दे पर घेर लिया। कहने लगे कि सरकार में बैठे लोगों को गोबर और कम्पोस्ट के बारे में कोई जानकारी नहीं। अगर वह सरकार में बैठे लोगों को गोबर और कम्पोस्ट के बारे में ज्ञान प्रदान कर देते तो हो सकता है कि प्रदेश पर चढ़े क़रीब एक लाख करोड़ रुपए का कज़र् उतारने में कोई मदद मिल जाती। यह भी संभव है कि वह इस ज्ञान को तभी सार्थक करना चाहते हों जब वह दोबारा स्वयं इस प्रदेश की बागड़ोर संभालें। शायद इसी वजह से वह किसी तरीके से वर्तमान सरकार से सिंहासन छीनना चाहते हैं। वह एक बार पहले भी प्रदेश में आपरेशन पद्म की असफल कोशिश कर चुके हैं। लेकिन हिम्मत-ए-मर्दां मदद-ए-ख़ुदा। ख़ुदा कोशिश करने वालों की ही मदद करता है। परस्थितियां फिर से बन रही हैं। जहाज़ के मुसाफिर ख़ुद ही जहाज़ में छेद करने पर उतारू हैं। पूरी संभावना है कि कोई जहाज़ी जहाज़ को भंवर की तरफ मोड़ दे। हाल ही में समोसा विवाद पर नेता प्रतिपक्ष ने प्रतिक्रिया देते हुए कहा था कि विपक्ष ने समोसे नहीं खाए और जिन्हें वे समोसे परोसे गए, वे सरकार का हिस्सा थे, फिर यह कृत्य सरकार विरोधी कैसे हो सकता है? अब नेता विपक्ष को कौन समझाए कि सरकार चाहे भाजपा की हो या कांग्रेस की, समोसे हमेशा सरकार में रहने वाले ही खाते हैं। इसमें उनका पर्सनल स्टाफ भी शामिल है। यह कृत्य न कभी सरकार विरोधी होता है और न जनता विरोधी। पर शायद नेता विपक्ष उन लोगों को भूल गए हैं, जिन्हें उन्होंने अपने हाथों से समोसे परोसे थे। इतना ही नहीं, वह अपने कुछ चहेते और चहेतियों को बार-बार समोसे परोसते रहे, वह भी नवरत्नी चटनी के साथ। मुख्यमंत्री और नेता विपक्ष दोनों को याद रखना चाहिए कि जब सरकार में बैठे अधिकारियों को फाइव स्टार होटल के समोसे नहीं मिलते तो किस तरह बखेड़ा खड़ा हो जाता है।

देश दुनिया से

# वैश्विक चुनौतियों के संदर्भ में जी-20 सम्मेलन

**पिछले** वर्ष भारत ने जी-20 समूह के अध्यक्ष के नाते जी-20 सम्मेलन आयोजित किया था। कई मायनों में यह सम्मेलन अभूतपूर्व था। खास तौर पर वैश्विक स्तर पर चल रहे विवादों, संघर्ष और युद्ध के वातावरण के बावजूद आम सहमति से घोषणा पत्र जारी किया गया। भारत से पूर्व इंडोनेशिया ने इसकी अध्यक्षता संभाली थी, लेकिन उस समय अंतिम घोषणा पत्र में रूस-यूक्रेन युद्ध के संदर्भ में रूस की आलोचना की गई थी। जी-20 समूह, 2008 के वैश्विक वित्तीय संकट में अस्तित्व में आया था। भारत में जी-20 सम्मेलन बहुत धूमधाम से आयोजित किया गया। इसकी न सिर्फ भौतिक तैयारियां, बल्कि बौद्धिक तैयारियां भी पूरी गंभीरता से की गई थीं। 2023 के सम्मेलन में भारत द्वारा रूस के बारे में कुशलतापूर्वक न केवल विवादास्पद भाषा से बचा जा सका, बल्कि विश्व के समक्ष उपस्थित मुद्दों, खास तौर पर बहुपक्षीय विकास बैंकों समेत वैश्विक वित्तीय संस्थानों में पूंजीगत संरचना में बदलाव, क्रिप्टो करैंसी, वैश्विक ऋण संबंधी समस्याओं का प्रबंधन, मौसम परिवर्तन से जुड़े वित्तीयन के मुद्दे आदि, सभी पर खुली चर्चा का मार्ग भी प्रशस्त हुआ। 'वसुधैव कुटुम्बकम्' के आधार पर 'एक पृथ्वी, एक परिवार और एक भविष्य' के ध्येय वाक्य ने वैश्विक स्तर पर चल रहे विवादों, संघर्षों, समस्याओं, मुद्दों को जैसे एक सूत्र में पिरो दिया था। ब्राजील की राजधानी रियो में सम्पन्न जी-20 सम्मेलन में इन विषयों को आगे ले जाने की एक विशेष चुनौती थी, इसलिए ब्राजील के जी-20 सम्मेलन में हुई चर्चाओं और सहमतियों को उस आलोक में भी देखना महत्वपूर्ण है। रियो, ब्राजील में सम्पन्न सम्मेलन का थीम रहा 'एक न्यायपूर्ण विश्व और एक धारणीय ग्रह'। जी-20 सम्मेलन में ब्राजील के राष्ट्रपति लुला डि सिलवा ने कहा कि जी-20 सम्मेलन 2024, पिछले वर्ष की भारत की अध्यक्षता से प्रेरित रहा और भारत की सम्मेलन को आयोजित करने की कुशलता को प्राप्त करने की कोशिश इस सम्मेलन में की गई है। जी-20 सम्मेलन में ब्राजील के राष्ट्रपति ने सदस्य राष्ट्रों को अपने पर्यावरण लक्ष्यों को बढ़ाने का आह्वान किया। जी-20 सम्मेलन के घोषणा पत्र में पर्यावरण वित्तीयन पर गतिरोध खत्म करने की जरूरत पर बल दिया, लेकिन उसके समाधान के बारे में स्पष्ट मार्गदर्शन देने में यह घोषणा पत्र असफल रहा। समझना होगा कि पर्यावरण वित्तीयन पर यह गतिरोध लगातार बना हुआ है, जो न केवल दुर्भाग्यपूर्ण है, बल्कि ग्लोबल वार्मिंग और मौसम परिवर्तन जैसे अत्यंत गंभीर मुद्दों पर विकसित देशों की असंवेदनशीलता भी दर्शाता है। हालांकि सम्मेलन का घोषणा पत्र यह कहता है कि पर्यावरणीय वित्त को सभी स्रोतों से अरबों से खरबों डॉलर तक तेजी से और पर्याप्त रूप से बढ़ाना जरूरी है, इसके बारे में ठोस रणनीति या संवेदनशीलता कहीं दिखाई नहीं देती। जी-20 सम्मेलन के पहले सत्र, जिसका मुद्दा 'भुखमरी और गरीबी के खिलाफ एकजुटता' था, को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, 'भारत ने 10 साल में 25 करोड़ लोगों को गरीबी से बाहर निकाला है, 80 करोड़ लोगों को मुफ्त अनाज दे रहे हैं। 55 करोड़ लोग फ्री हेल्थ बीमा का लाभ उठा रहे हैं। किसानों को 20 बिलियन डॉलर (168 हजार करोड़ रुपए) दिए। भारत वैश्विक खाद्य सुरक्षा में योगदान दे रहा है। हाल में ही मलावी, जाम्बिया और जिम्बाब्वे में मदद पहुंचाई है।' प्रधानमंत्री के भाषण में पिछले सम्मेलन के थीम एक पृथ्वी, एक परिवार और एक भविष्य का जिक्र आया और उन्होंने इसे इस सम्मेलन के लिए भी उतना ही प्रासंगिक बताया। यही नहीं, उन्होंने जी-20 सम्मेलन में अफ्रीकी यूनियन को शामिल करने की बात को भी रखा। समझना होगा कि यह जी-20 के लिए एक मील का पत्थर था। प्रधानमंत्री ने कहा कि युद्ध के कारण दुनिया में खाद्य, तेल और उर्वरक का संकट पैदा हुआ है और विकासशील राष्ट्रों (ग्लोबल साऊथ) पर इसका असर सबसे ज्यादा हुआ है। प्रधानमंत्री के भाषण में यह भी रेखांकित किया गया कि जी-20 की चर्चा तभी सफल होगी, जब ग्लोबल साऊथ की चुनौतियों और प्राथमिकताओं को ध्यान में रखा जाएगा। यही नहीं जी-20 सम्मेलन 2024 में पर्यावरणीय वित्त पर कोई ठोस बात नहीं हो पाई। पर्यावरण के विषय से जुड़े लोग इस बात को लेकर भी चिंतित हैं कि जीवाश्म ईंधन के उपयोग को कम करने संबंधी भी कोई बात घोषणा पत्र में नहीं आ पाई। गौरतलब है कि जीवाश्म ईंधन के उपयोग को समाप्त करने संबंधी मुद्दे पर विश्व में एक मत नहीं है। जहां भारत सरीखे देश इस बात पर जोर दे रहे हैं कि केवल कोयले के उपयोग को कम करने पर ही नहीं, बल्कि पेट्रोलियम तेल के उपयोग करने पर भी उतना ही बल दिया जाना चाहिए। लेकिन अमरीका और अरब देशों समेत अधिकांश विकसित देश भी चतुराई से केवल कोयले के उपयोग को कम करने की वकालत कर रहे हैं।

उधर दुबई में आयोजित कॉप-28 सम्मेलन में देशों ने जीवाश्म ईंधनों के उपयोग को कम करने संबंधी सहमति दर्शाई थी, लेकिन पर्यावरण से जुड़े कार्यकर्ताओं को लगता है कि जी-20 घोषणा पत्र में जीवाश्म ईंधनों के उपयोग के बारे में बात नहीं आने से कॉप-29 में यह मुद्दा और कमजोर हो जाएगा। महत्वपूर्ण मुलाकातें : किसी भी अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में भारत का नेतृत्व केवल सम्मेलन तक सीमित नहीं रहता। सम्मेलन के साथ-साथ यह एक अवसर भी होता है कि अन्य मुल्कों के साथ महत्वपूर्ण मुद्दों पर बातचीत हो, कुछ अनसुलझे मुद्दे सुलझाए जाएं, मित्र देशों के साथ अपनी प्रगाढ़ता बढ़ाई जाए और विभिन्न देशों के शासनाध्यक्षों के साथ सीधी बातचीत से देश के हितों को आगे बढ़ाया जाए। इस मौके पर भारत के प्रधानमंत्री एवं प्रतिनिधिमंडल के विभिन्न सदस्यों द्वारा इस मौके का बखूबी इस्तेमाल किया गया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केवल ब्राजील के राष्ट्रपति ही नहीं, बल्कि इटली की प्रधानमंत्री जियोर्जिया मैलोनी के साथ मिलकर प्रतिरक्षा, सुरक्षा, व्यापार और प्रौद्योगिकी जैसे मुद्दों पर बातचीत की गई। यही नहीं अमरीका के राष्ट्रपति जो बाइडेन के साथ भी उनकी मुलाकात चर्चा में रही। इंग्लैंड के प्रधानमंत्री कीर स्ट्रॉमर के साथ भी प्रौद्योगिकी, हरित ऊर्जा, सुरक्षा, नवाचार जैसे मुद्दों पर बातचीत हुई और इन मुद्दों पर मिलकर काम करने पर बल दिया गया और यूके के साथ मुक्त व्यापार समझौते पर बातचीत को पुनः शुरू करने की बात भी की गई। इसके अलावा फ्रांस, नार्वे, पुर्तगाल और इंडोनेशिया के नेताओं के साथ भी द्विपक्षीय बातचीत हुई।

आप का नजरिया

# कांग्रेस अब भी प्रासंगिक

**बेशक** कांग्रेस महत्वपूर्ण चुनावों में पराजित होती रही है, उसमें बिखराव और अलग-अलग नजरिये भी सामने आते रहे हैं, लेकिन कांग्रेस आज भी जिंदा और प्रासंगिक राजनीतिक पार्टी है। करीब 20 फीसदी मतदाताओं की पसंद आज भी कांग्रेस है। मतदाताओं और समर्थकों की संख्या करोड़ों में है। भारतीय लोकतंत्र के लिए कांग्रेस की मौजूदगी और उसका राजनीतिक अस्तित्व बेहद जरूरी है। कांग्रेस लोकतंत्र में अपनी बात कहने और सत्ता से असहमति जताने का विस्तृत, पुराना और पुख्ता मंच है। महाराष्ट्र जनादेश के मद्देनजर जो राजनीतिक और चुनावी विश्लेषक कांग्रेस का फातिहा पढ़ रहे हैं और उसके वजूद पर सवाल उठा रहे हैं, दरअसल वे अपनी पेशेवर ईमानदारी से बेईमानी कर रहे हैं। उनके विश्लेषण पूर्वाग्रही और कांग्रेस-विरोधी हैं। यथार्थ स्थिति यह है कि लोकसभा में आज भी कांग्रेस के 98 सांसद और नेता प्रतिपक्ष हैं। तेलंगाना, कर्नाटक और हिमाचल में कांग्रेस सरकारें हैं। झारखंड, तमिलनाडु जैसे राज्यों में कांग्रेस सत्ता में साझेदार दल है। दरअसल देश के 20 राज्यों में सत्तारूढ़ भाजपा के लिए कांग्रेस आज भी प्रथम, प्रत्यक्ष चुनौती है। किसी भी लोकतंत्र में राजनीतिक दल खत्म, अस्तित्वहीन नहीं हुआ करते। भाजपा ही इसका सबसे बड़ा, प्रमाणित उदाहरण है। 1984 के आम चुनाव में भाजपा मात्र दो सांसदों तक सिमट गई थी। उसके शिखर-पुरुष अटल बिहारी वाजपेयी भी चुनाव हार गए थे, लेकिन 1996 के बाद भाजपा हर लोकसभा चुनाव में सबसे बड़ी पार्टी के तौर पर उभर रही है। मई, 2014 से लगातार वह देश की सत्ता पर काबिज है। यह स्थिति कांग्रेस की क्यों नहीं हो सकती? कांग्रेस को 1989 के बाद लोकसभा चुनाव में कभी भी बहुमत हासिल नहीं हुआ। हालांकि उसकी अल्पमत और गठबंधन की सरकारें बनती रही हैं और उन्होंने अपने कार्यकाल भी पूरे किए हैं। यही बिंदु है, जिस पर कांग्रेस नेतृत्व को व्यापक मंथन करना है। सवाल है कि मंथन कौन करेगा और वह कितना ईमानदार प्रयास होगा? मंथन की दिशा कौन तय करेगा और किसका नेतृत्व सर्व स्वीकार्य होगा? यही बुनियादी चिंता और विरोधाभास भी है। इतने बड़े और राष्ट्रीय समर्थन के बावजूद कांग्रेस का नेतृत्व एक एनजीओ या एक कंपनी सरीखा लगता है, जिसमें 'विरोध' की कोई गुंजाइश ही नहीं है। नेतृत्व सिर्फ मल्लिकार्जुन खडग़े ही नहीं हैं। वह तो कुछ साल के लिए निर्वाचित अध्यक्ष हैं, लेकिन आज भी नेतृत्व तो गांधी परिवार ही करता है। दरअसल कांग्रेस कार्यसमिति पार्टी का सर्वोच्च, निर्णायक निकाय है। वह राजनीतिक चापलूसों का मंच है। अधिकतर नेता राज्यसभा में घुसेड़े गए हैं। अलबत्ता वे लोकसभा या विधानसभा चुनाव जीतने लायक भी नहीं हैं, लेकिन वे कांग्रेस की देशव्यापी रणनीति, संसदीय रणनीति, वैचारिक आधार-भूमि तय करने वाले हैं। जब उन्हें देश के यथार्थ का ज्ञान अथवा एहसास ही नहीं है, तो दशकों से वे ही पार्टी की रणनीति कैसे तैयार कर रहे हैं? कांग्रेस को जनादेश आखिर कैसे मिलेंगे? महाराष्ट्र जनादेश की प्रतिक्रिया में अलग-अलग बयान दिए गए हैं।

# सोने की कीमत में बड़ी गिरावट, एक हजार तक हुआ सस्ता

**नई दिल्ली,26 नवंबर (एजेंसियां) ।**

घरेलू सर्राफा बाजार में सोने की कीमत में बड़ी गिरावट दर्ज की गई है। देश के अलग-अलग सर्राफा बाजारों में सोने की कीमत में 990 रुपये से लेकर 1,080 रुपये प्रति 10 ग्राम तक की गिरावट दर्ज की गई है। इस गिरावट के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना 78,700 रुपये से लेकर 78,550 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना 72,150 रुपये से लेकर 72,000 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बना हुआ है। सोने की तरह चांदी के भाव में भी कमजोरी आई है, जिसके कारण दिल्ली सर्राफा बाजार में इसकी कीमत 91,500 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर पहुंच गई है।

देश की राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोना 78,700 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 72,150 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 78,550 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 72,000 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 78,600 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 72,050 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना 78,550 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 72,000 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 78,550 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 72,000 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 78,700 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 72,150 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। वहीं, पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 78,600 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई है, जबकि 22 कैरेट सोना 72,050 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह जयपुर में 24 कैरेट सोना 78,700 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 72,150 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी गिरावट आने के कारण सोना सस्ता हुआ है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना 78,550 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजारों में 22 कैरेट सोना 72,000 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

## न्यूज़ ब्रीफ

### कैंडीटॉय कॉरपोरेट ने 110 करोड़ का निवेश किया, कंपनी ने वित्त पोषण चक्र में हासिल किया महत्वपूर्ण स्थान

**नई दिल्ली।** कैंडीटॉय कॉरपोरेट (सीटीसी) ने वित्त पोषण चक्र में 110 करोड़ रुपये का निवेश प्राप्त किया है। इस भारी निवेश के साथ इंदौर स्थित कैंडी टॉय ने वृद्धि की उम्मीद जताई है। इस सीरीज ए वित्त पोषण चक्र में घरेलू निवेशकों, उच्च नेटवर्थ वालों, एंजेल निवेशकों और संस्थागत निवेशकों का समूह शामिल हुआ है। कंपनी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने इस उद्यम के उज्जवल दिनों के लिए अभिनंदन व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि हम बहुत ही बेहतरीन चरण में प्रवेश कर रहे हैं। यह वित्त पोषण हमारी वृद्धि को गति देगा और हमारी प्रतिभा को समृद्ध करेगा। कैंडीटॉय कॉरपोरेट ने कैंडी और खिलौने के व्यापक विकसित करने में विशेषज्ञता प्राप्त की है। इसने कंपनियों जैसे कोलगेट, प्यूमा, एमटीआर, बॉर्नविटा, येलो डायमंड्स, विस्तारा एयरलाइंस के साथ काम किया है। कैंडी टॉय का उद्देश्य है हर खिलौने को किसी न किसी तरह की कैंडी के साथ पेश करना। इस निवेश से सीटीसी ने उत्कृष्टीयता की मील का पत्थर रखा है, जिससे उसकी गति और विस्तार न केवल बढ़ेगा बल्कि उसकी नामी दुनिया में मजबूती से परिपूर्ण होगी।

### बॉन्ड के माध्यम से 54,800 करोड़ जुटाएंगे सरकारी बैंक, एसबीआई ने 5,000 करोड़ रुपए और केनरा बैंक ने 3,000 करोड़ रुपये जुटाए

**नई दिल्ली।** सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों ने चालू वित्त वर्ष के दौरान कुल मिलाकर 54,800 करोड़ रुपये जुटाने का प्रस्ताव रखा है। इस प्रस्ताव के अनुसार बैंकों ने एक आंतरिक दस्तावेज के माध्यम से अतिरिक्त टियर-1 (एटी-1) और टियर-2 बॉन्ड जारी करने की योजना बनाई है। एटी-1 और टियर-2 दोनों बॉन्ड पूंजी जुटाने के नियामकीय साधन हैं। बैंक बेसल-3 मानदंडों के तहत, ये बॉन्ड पूंजी पर्याप्तता जरूरतों को पूरा करने में मदद करते हैं। अब तक चालू वित्त वर्ष में केवल भारतीय स्टेट बैंक और केनरा बैंक ने एटी-1 बॉन्ड जारी करके रकम जुटाई है। एसबीआई ने 5,000 करोड़ रुपये और केनरा बैंक ने 3,000 करोड़ रुपये जुटाए हैं।

### अदाणी समूह : निवेशकों के मिलेजुले रुख से शुरू हुआ सप्ताह

**नई दिल्ली ।** कोयला से लेकर हवाई अड्डा तक के कारोबार से जुड़े अदाणी समूह के लिए यह हफ्ता निवेशकों के मिलेजुले रुख से शुरू हुआ है। फ्रांस की दिग्गज कंपनी टोटाल एनर्जीज ने एक बयान जारी किया है कि वह अदाणी समूह में फिलहाल कोई नया निवेश नहीं करेगी। लेकिन फ्लोरिडा की जीक्यूजी पार्टनर्स ने जाहिर किया है कि उन्हें भरोसा है कि उनका निवेश अदाणी समूह में मजबूती लाएगा। अमेरिका की एक जिला अदालत में अदाणी समूह के प्रवर्तक गौतम अदाणी और अन्यों के खिलाफ पिछले हफ्ते रिश्वत देने और धोखाधड़ी करने का मामला दर्ज होने के बाद निवेशकों की ये प्रतिक्रिया आई है। यह मामला अदाणी ग्रीन एनर्जी की परियोजनाओं से जुड़ा है। श्रीलंका, बांग्लादेश और केन्या में भी अदाणी समूह के निवेश पर अनिश्चितता है। टोटाल एनर्जीज ने अदाणी ग्रीन में अभी तक 3.2 अरब डॉलर का निवेश किया है। उन्होंने बताया कि जब तक अदाणी समूह के प्रवर्तक आरोपों से मुक्त नहीं हो जाते हैं, तब तक टोटाल एनर्जीज अदाणी समूह की कंपनियों में कोई नया निवेश नहीं करेगी। टोटाल ने कहा कि पिछले हफ्ते अमेरिकी अदालत द्वारा सार्वजनिक घोषणा के बाद उन्हें अदाणी ग्रीन एनर्जी से संबंधित भ्रष्टाचार में अदाणी समूह के अधिकारियों की संलिप्तता का पता चला। उन्होंने बताया कि वह अदाणी ग्रीन में अपने हितों की रक्षा के लिए समुचित उपाय पर विचार करेंगे।

## प्रथम पृष्ठ का शेष...

### जीवंत और...

हमारे दूरदर्शी संविधान निर्माताओं ने बदलते समय की आवश्यकताओं के अनुसार नए विचारों को अपनाने की व्यवस्था प्रदान की थी। हमने संविधान के माध्यम से सामाजिक न्याय और समावेशी विकास से जुड़े कई महत्वाकांक्षी लक्ष्य हासिल किए हैं। एक नई सोच के साथ हम विश्व समुदाय में भारत को नई पहचान दिला रहे हैं। हमारे संविधान निर्माताओं ने भारत को अंतरराष्ट्रीय शांति और सुरक्षा को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने का निर्देश दिया था। आज हमारा देश एक अग्रणी अर्थव्यवस्था होने के साथ-साथ विश्व बंधु के रूप में भी अपनी भूमिका बखूबी निभा रहा है।

राष्ट्रपति ने कहा कि हमारा संविधान हमारे लोकतांत्रिक गणतंत्र की मजबूत आधारशिला है। हमारा संविधान हमारी सामूहिक और व्यक्तिगत गरिमा सुनिश्चित करता है। उन्होंने कहा कि आजादी के 75 वर्ष पूरे होने पर सभी देशवासियों ने आजादी का अमृत महोत्सव मनाया। अगले वर्ष 26 जनवरी को हम अपने गणतंत्र की 75वीं वर्षगांठ मनाएंगे। उन्होंने कहा कि एक अर्थ में भारत का संविधान कुछ महानतम लोगों द्वारा लगभग तीन वर्षों के विचार-विमर्श का परिणाम था लेकिन सही अर्थों में यह हमारे लंबे स्वतंत्रता संग्राम का परिणाम था। उस अतुलनीय राष्ट्रीय आंदोलन के आदर्शों को संविधान में शामिल किया गया। उन आदर्शों को संविधान की प्रस्तावना में संक्षेप में शामिल किया गया है। वे न्याय, स्वतंत्रता, समानता और बंधुता हैं। इन आदर्शों ने सदियों से भारत को परिभाषित किया है। संविधान की प्रस्तावना में उल्लिखित आदर्श एक-दूसरे के पूरक हैं। साथ मिलकर वे एक ऐसा वातावरण बनाते हैं, जिसमें प्रत्येक नागरिक को फलने-फूलने, समाज में योगदान देने और साथी नागरिकों की मदद करने का अवसर मिलता है।

राष्ट्रपति ने कहा कि भारत लोकतंत्र की जननी है। इसी भावना के साथ हम इस विशेष अवसर पर इकट्ठा हुए हैं। हमें उन अधिकारियों के अमूल्य योगदान को भी याद रखना चाहिए, जिन्होंने नेपथ्य में रहकर काम किया और देश के संवैधानिक मूल्यों को मजबूती दी। जिनमें प्रमुख भूमिका बीएन राव की थी, जो संविधान सभा के सलाहकार थे। आगामी 26 जनवरी को हम अपने गणतंत्र की 75वीं वर्षगांठ बनाएंगे। ऐसे समारोह हमारी राष्ट्रीय एकता को दर्शाते हैं। हमारी संविधान सभा में देश की विभिन्नता में एकता प्रदर्शित हुई थी। आज जिन पुस्तकों का विमोचन किया गया, उनमें लोगों को हमारे संविधान निर्माण के गौरवशाली इतिहास के बारे में पता चलेगा। हमारा संविधान कई वर्षों की मेहनत से बना, लेकिन ये हमारी आजादी की लड़ाई का परिणाम था। संविधान में भारत के आदर्शों, न्याय, स्वतंत्रता और समानता को भी परिलक्षित किया गया है।

राष्ट्रपति ने कहा कि संविधान की भावना के अनुसार, कार्यपालिका, विधायिका और न्यायपालिका का दायित्व है कि वे लोगों की भलाई के लिए मिलजुलकर काम करें। देश के आर्थिक एकीकरण के लिए जीएसटी लागू किया गया।

नारी शक्ति वंदन अधिनियम से एक नए युग की शुरुआत की गई। सरकार ने सभी वर्गों खासकर पिछड़े वर्ग की भलाई के लिए कई कदम उठाए हैं। गरीब लोगों को पक्का घर, बिजली पानी सड़क की सुविधा मिल रही है। चिकित्सा सेवाएं मिल रही हैं और देश में बड़े पैमाने पर गुणवत्तापूर्ण बुनियादी ढांचा बनाया जा रहा है। इन प्रयासों के लिए मैं सरकार की सराहना करती हूं।

राष्ट्रपति ने कहा कि न्यायपालिका, विचाराधीन कैदियों के कल्याण के लिए भी प्रयासरत है। कम संसाधन युक्त लोगों को न्याय मुहैया कराने की सुविधा बढ़ रही है। इससे हमारे संवैधानिक अधिकारों को शक्ति मिलती है। समाज में समरसता का निर्माण करना, महिलाओं के अधिकारों को सुनिश्चित करना और पर्यावरण आदि क्षेत्रों में काम हो रहा है। हमारा संविधान एक जीवंत और प्रगतिशील दस्तावेज है। हमने संविधान के माध्यम से सामाजिक न्याय के अनेक लक्ष्यों को हासिल किया है। हमारे संविधान निर्माताओं ने अंतरराष्ट्रीय शांति और सुरक्षा को मजबूत बनाने का संदेश दिया है। आज देश आर्थिक रूप से मजबूत होने के साथ ही विश्वबंधु के विचारों को बढ़ावा दे रहा है।

राष्ट्रपति ने देश के प्रथम राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद को याद करते हुए कहा कि संविधान सभा के दूरदर्शी सदस्यों ने एक प्रेरणादायक संविधान दिया, जो अन्य देशों के लिए भी आदर्श है। डॉ. राजेंद्र प्रसाद ने आज ही के दिन कहा था कि संविधान को जीवंत बनाए रखना उन लोगों पर निर्भर करता है, जो उसका संचालन करते हैं। जो संविधान में नहीं लिखा जाता उनका संचालन परंपराएं करती हैं। अब तीन चौथाई संविधान यात्रा के बाद देश ने उल्लेखनीय सफलता हासिल की है। आने वाली पीढ़ियों को इन सफलताओं से अवगत कराया जाना चाहिए।

राष्ट्रपति ने कहा कि हमारे संवैधानिक आदर्शों को कार्यपालिका, विधायिका और न्यायपालिका के साथ-साथ सभी नागरिकों की सक्रिय भागीदारी से ताकत मिलती है।

हमारे संविधान में प्रत्येक नागरिक के मौलिक कर्तव्यों का स्पष्ट उल्लेख किया गया है। भारत की एकता और अखंडता की रक्षा करना, समाज में समरसता को बढ़ावा देना, महिलाओं के सम्मान को सुनिश्चित करना, पर्यावरण की रक्षा करना, वैज्ञानिक सोच विकसित करना, सार्वजनिक सम्पत्ति की सुरक्षा करना और राष्ट्र को उपलब्धियों के नए स्तर पर ले जाना नागरिकों के मौलिक कर्तव्यों में शामिल है।

उन्होंने कहा कि संविधान की भावना के अनुसार कार्यपालिका, विधायिका और न्यायपालिका का मिलकर यह दायित्व है कि वे सामान्य लोगों के जीवन को सुगम बनाने के लिए मिलजुल कर काम करें। उन्होंने कहा कि संसद द्वारा पारित अनेक अधिनियमों से लोगों की आकांक्षाओं को अभिव्यक्ति मिली है। उन्होंने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में सरकार ने समाज के सभी वर्गों, विशेषकर कमजोर वर्गों के विकास के लिए अनेक कदम उठाए हैं। ऐसे निर्णयों से लोगों के जीवन में सुधार हुआ है और उन्हें विकास के नए अवसर मिल रहे हैं।

राष्ट्रपति ने कहा कि लगभग तीन-चौथाई सदी की संवैधानिक यात्रा में राष्ट्र ने उन क्षमताओं को अर्जित करने और सार्थक परंपराओं को विकसित करने में उल्लेखनीय सफलता प्राप्त की है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि हमने जो सबक सीखे हैं, उन्हें अगली पीढ़ियों तक पहुंचाया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि 2015 से हर साल संविधान दिवस के समारोहों से हमारे युवाओं में देश के बुनियादी दस्तावेज यानी संविधान के बारे में जागरूकता बढ़ाने में मदद मिली है।

### भारत का संविधान...

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने नागरिकों से आग्रह किया कि वे संविधान के आदर्शों को अपने जीवन में उतारें, अपने व्यवहार में लाएं। मौलिक कर्तव्यों का पालन करें। इसके साथ ही 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाएं। उन्होंने संविधान सदन में दोनों सदनों के सदस्यों को संबोधित किया। राष्ट्रपति ने कहा कि 75 साल पहले संवैधानिक परिषद ने एक नव स्वतंत्र देश के लिए संविधान बनाने का एक बड़ा कार्य पूरा किया था। राष्ट्रपति मुर्मु ने संविधान निर्माताओं का स्मरण किया। संविधान सभा की 15 महिला सदस्यों और अधिकारियों के योगदान को भी याद किया। उन्होंने महिला आरक्षण पर कानून को लोकतंत्र में महिला सशक्तिकरण के नए युग की शुरुआत बताया। इस अवसर पर दो पुस्तकों भारत के संविधान का निर्माण: एक झलक और भारत के संविधान का निर्माण और इसकी गौरवशाली यात्रा का विमोचन भी किया गया। कार्यक्रम में एक लघु फिल्म भी दिखाई गई।

### जज, नेता...

प्राप्त वर्ग या समूह को लाभ पहुंचाने के लिए सामाजिक-आर्थिक बहिष्कार को बढ़ावा देती है। नीति संविधान द्वारा निर्धारित समानता और निष्पक्षता के मानकों को पूरा नहीं करती है।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि खेल या अन्य सार्वजनिक गतिविधियों में उत्कृष्टता के माध्यम से राष्ट्र की प्रगति में योगदान देने वाले व्यक्तियों को राज्य की उदारता के उचित और नियमानुकूल वितरण के माध्यम से भी मुआवजा दिया जा सकता है। पीठ ने अपने आदेश में कहा है, हम यह भी स्पष्ट करना चाहेंगे कि लोक सेवकों को भूमि आवंटित करने वाली नीति या कानून न्यायोचित हो सकता है, बशर्ते ऐसा आवंटन अनुच्छेद 14 के दायरे में हो।

### बैलेट पेपर से...

सुप्रीम कोर्ट द्वारा खारिज की गई इस याचिका में बैलेट पेपर से वोटिंग के अलावा कई अन्य दिशा-निर्देशों की मांग की गई थी। इसमें चुनाव आयोग को यह निर्देश देने की मांग की गई थी कि अगर कोई कैंडिडेट इलेक्शन के दौरान वोटरों को पैसे, शराब या प्रभावित करने के लिए अन्य चीजें बांटने का दोषी पाया जाता है तो उसे कम से कम पांच साल के लिए अयोग्य घोषित किया जाना चाहिए। सुनवाई के दौरान केए पॉल ने दावा किया कि एलन मस्क ने कहा है कि ईवीएम से छेड़छाड़ की जा सकती है। उन्होंने चंद्रबाबू नायडू और वाई एस जगन मोहन रेड्डी का नाम लेते हुए भी ऐसे दावा किए। इस पर बेंच ने कहा, जब चंद्रबाबू नायडू चुनाव हारे, उन्होंने कहा कि ईवीएम से छेड़छाड़ हो सकती है। अब इस बार जगन मोहन रेड्डी हारे, उन्होंने कहा कि ईवीएम से छेड़छाड़ हो सकती है।

### लीक हो रही है ...

प्रकाश डाला गया है। इसमें जोर दिया गया है कि ये प्लेटफार्म वर्गीकृत जानकारी को संभालने के लिए डिजाइन नहीं किए गए हैं और आधिकारिक संचार के लिए आवश्यक सुरक्षा उपायों की कमी हो सकती है। इन जोखिमों को कम करने के लिए, सरकार ने संवेदनशील जानकारी को संभालने के लिए नए दिशानिर्देश जारी किए हैं।सरकार ने आदेश दिया है कि अधिकारियों को यह भी सुनिश्चित करना चाहिए कि वे जानकारी को सही ढंग से वर्गीकृत करें और सुविधा के लिए उच्च-स्तरीय दस्तावेजों को डाउनग्रेड करने से बचें। सुरक्षित कार्यालय संचार के लिए, सरकार ने विभागों को उचित फायरवॉल तैनात करने की आवश्यकता पर बल दिया है।जीएडी परिपत्र के अनुसार, मीटिंग आईडी और पासवर्ड केवल अधिकृत प्रतिभागियों के साथ साझा किए जाने चाहिए, और वेटिंग रूम और पूर्व पंजीकरण जैसी अतिरिक्त सुरक्षा सुविधाओं का उपयोग किया जाना चाहिए। सरकार ने आदेश दिया है कि वीडियो कांफ्रेंस के दौरान शीर्ष-गुप्त और गुप्त जानकारी पर चर्चा नहीं की जानी चाहिए। घर से काम करने वाले अधिकारियों के लिए, सरकार ने वीपीएन और फायरवाल सेटअप के माध्यम से कार्यालय सर्वर से जुड़े सुरक्षा-कठोर उपकरणों का उपयोग करने की सिफारिश की है।

इसके अतिरिक्त, अधिकारियों को सलाह दी गई है कि वे गोपनीय मामलों पर चर्चा करते समय डिजिटल सहायक उपकरणों जैसे कि अमेजन के इको और एप्पल के होमपाड को कार्यालयों से बाहर रखें। सरकार ने आदेश दिया है कि संवेदनशील जानकारी से जुड़ी आधिकारिक चर्चाओं के दौरान स्मार्टफोन को बैठक कक्ष के बाहर ही रखा जाना चाहिए। जम्मू कश्मीर सरकार ने इस बात पर जोर दिया है कि आधिकारिक संचार की गोपनीयता और सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सभी अधिकारियों और कर्मचारियों को इन दिशा-निर्देशों का सख्ती से पालन करना चाहिए। सरकार ने चेतावनी भी दी है कि अनुपालन न करने पर अनुशासनिक कार्रवाई हो सकती है।

### म्यांमार से अंडमान...

इसके बाद उसे रोकने के लिए भारतीय कोस्ट गार्ड के कमांडेंट (जेजी) अंकित शर्मा के नेतृत्व में फास्ट पेट्रोल वैसल आईसीजी शिप को भेजा गया। इसके बाद 25 नवंबर को अंडमान सागर में जैसे ही मछुआरों की ड्रग्स लदी ये नौका भारतीय सीमा में आई, उसे आईसीजी के जवानों ने घेर लिया। बाद में नाव को तट तक लाया गया। मछली पकड़ने वाली नाव सो-वेई-यान में 5500 किलोग्राम प्रतिबंधित ड्रग्स मेथमफेटामाइन बरामद किया गया। अंतरराष्ट्रीय बाजार में इस ड्रग्स की कीमत हजारों करोड़ में है।

आईसीजी ने म्यांमार के 6 तस्करों को गिरफ्तार किया है। ड्रग्स के साथ-साथ उनके पास से एक सेटेलाइट इनमारसैट फोन भी बरामद किया गया है। इस मामले में अब स्थानीय पुलिस और नारकोटिक्स विभाग की की टीमें आगे की कार्रवाई कर रही हैं।

### संत को रिहा...

हम बांग्लादेश के अधिकारियों से हिंदुओं और सभी अल्पसंख्यकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने का आग्रह करते हैं। इसमें शांतिपूर्ण सभा और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का उनका अधिकार भी शामिल है।

चिन्मय कृष्ण दास बांग्लादेश सम्मिलित सनातन जागरण जोत के प्रवक्ता भी हैं। उनकी गिरफ्तारी पर इस्कॉन ने भारत सरकार से बांग्लादेश से इस मुद्दे को उठाने की मांग की थी। संस्था का कहना है कि आरोप बेबुनियाद और अपमानजनक हैं। इस्कॉन का दुनिया में कहीं भी आतंकवाद से कोई लेना-देना है। हम चाहते हैं कि बांग्लादेश सरकार चिन्मय कृष्ण दास को तुरंत रिहा करे। इन भक्तों की सुरक्षा के लिए भगवान कृष्ण से हमारी प्रार्थना है।

बांग्लादेश की एक कोर्ट ने चिन्मय कृष्ण दास की जमानत याचिका खारिज करते हुए उन्हें जेल भेजने का आदेश दिया। इससे पहले बांग्लादेश पर हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार के विरोध में प्रदर्शन करने पर इस्कॉन के चिन्मय कृष्ण दास प्रभु पर कार्रवाई की गई थी। उनको देशद्रोह और सांप्रदायिक सौहार्द बिगाड़ने के आरोप में बांग्लादेश पुलिस ने ढाका एयरपोर्ट से गिरफ्तार कर लिया था। इसके खिलाफ हिंदू समुदाय के लोग ढाका की सड़कों पर उतर पड़े थे और जाम लगा दिया था। कई जगह से हिंसा की खबरें भी आईं।

बीते अगस्त में एक छात्र आंदोलन के चलते शेख हसीना को प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा देना पड़ा था। शेख हसीना की सरकार गिरने के बाद मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व में एक कार्यवाहक सरकार बांग्लादेश में प्रशासन कर रही है, लेकिन शेख हसीना की सरकार के सत्ता से बाहर होने के बाद से बांग्लादेश में हिंदुओं और अन्य अल्पसंख्यक वर्ग के लोगों पर हमले की घटनाएं बढ़ी हैं, जिनके खिलाफ अल्पसंख्यक वर्ग द्वारा कई बार विरोध प्रदर्शन किए गए हैं।

अक्टूबर से अल्पसंख्यकों की सुरक्षा और अधिकारों की मांग को लेकर सनातन जागरण मंच ने चटगांव में विरोध प्रदर्शन शुरू किए थे। इसमें चिन्मय कृष्ण दास प्रभु ने कई बार सरकार पर हमला बोला। उनके नेतृत्व में हिंदू अल्पसंख्यकों ने आठ प्रमुख मांगों को लेकर आवाज बुलंद की है। इसमें अल्पसंख्यकों के विरुद्ध अपराध शामिल लोगों पर मुकदमा चलाने के लिए न्यायाधिकरण का गठ, पीड़ितों को मुआवजा और उनका पुनर्वास, अल्पसंख्यक संरक्षण कानून को लागू करने, अल्पसंख्यक मामलों के मंत्रालय का गठन, शैक्षिक संस्थानों और छात्रावास में अल्पसंख्यकों के प्रार्थना स्थल और पूजा कक्ष बनाने, हिंदू, बौद्ध और ईसाई वेलफेयर ट्रस्टों को प्राथमिकता देने, सम्पत्ति हस्तांतरण अधिनियम लागू करने, पाली और संस्कृत शिक्षा बोर्ड के आधुनिकीकरण और दुर्गा पूजा में पांच दिन की छुट्टी की मांग शामिल है।

### बांग्लादेश की ...

चिन्मय प्रभु को ढाका एयरपोर्ट से गिरफ्तार कर लिया था। इसके खिलाफ हिंदू समुदाय के लोग ढाका की सड़कों पर उतर पड़े और जाम लगा दिया। इस्कॉन ने कहा कि पुलिस ने कोई गिरफ्तारी वारंट नहीं दिखाया। चिन्मय प्रभु ने बांग्लादेश में हिंदुओं पर हुए अत्याचारों के विरोध में कई रैलियां की हैं। इन रैलियों में उन्होंने लगातार अंतरिम सरकार के खिलाफ हमला बोला है। चिन्मय प्रभु बांग्लादेश में सनातन जागरण मंच के प्रवक्ता के रूप में भी काम कर रहे हैं।

इस घटनाक्रम पर सद्गुरु जग्गी वासुदेव ने नाराजगी जताई है। उन्होंने कहा, यह निंदनीय है कि एक लोकतांत्रिक देश टूट रहा है और तानाशाही की तरफ बढ़ रहा है। यह हर नागरिक की जिम्मेदारी है कि वह एक खुले लोकतंत्र की अहमियत को समझे।

दुर्भाग्य है कि हमारे पड़ोसी लोकतांत्रिक सिद्धांतों से भटक गए हैं। यह बांग्लादेश के नागरिकों की जिम्मेदारी है कि वह फिर से एक लोकतांत्रिक देश की स्थापना करें, जहां सभी नागरिकों के पास जरूरी अधिकार हों और वह अपना जीवन निर्वाह अपनी जरूरतों और मान्यताओं के अनुसार कर सकें।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
4th Floor, 19 Towers (T19),
Near Bus Stand, Ranigunj,
Secunderabad - 500 003
8688868345

शुभ लाभ
म्हारो भाग्यनगर
दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, बुधवार, 27 नवंबर, 2024

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें ।

# मुख्यमंत्री ने तेलंगाना में नए हवाई अड्डे बढ़ाने के लिए केंद्र से किया आग्रह

**नई दिल्ली/हैदराबाद, 26 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।**

तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने मंगलवार को नई दिल्ली में नागरिक उड्डयन मंत्री के राममोहन नायडू से मुलाकात की और राज्य भर में परिवहन बुनियादी ढांचे को बढ़ाने के उद्देश्य से कई हवाई अड्डे परियोजनाओं के लिए शीघ्र मंजूरी मांगी।

बैठक के दौरान, सीएम रेवंत रेड्डी ने हवाई संपर्क में सुधार के लिए राज्य सरकार की प्रतिबद्धता पर जोर दिया और कई प्रस्तावित हवाई अड्डे परियोजनाओं की प्रगति को रेखांकित किया।

उन्होंने केंद्रीय मंत्री को बताया कि तेलंगाना ने राज्य के दूसरे सबसे बड़े शहर वारंगल में हवाई अड्डे की स्थापना के लिए जीएमआर से अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) प्राप्त कर लिया है, जो हवाई अड्डों के बीच 150 किलोमीटर की दूरी के मानदंड का अनुपालन करता है।

मुख्यमंत्री ने यह भी उल्लेख किया कि 253 एकड़ भूमि अधिग्रहण के लिए 205 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं, जो पहले ही भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (एएआई) को सौंप दिए गए हैं।

उन्होंने केंद्रीय मंत्री से वारंगल से उड़ान संचालन शुरू करने के लिए अनुमति में तेजी लाने का आग्रह किया।

मुख्यमंत्री ने भद्राद्री कोत्तागुडेम जिले में हवाई अड्डे के लिए वैकल्पिक योजन-ाओं पर प्रकाश डाला, क्योंकि पहले से पहचान की गई साइट अनुपयुक्त पाई गई थी। पलवंचा में 950 एकड़ की नई साइट की पहचान की गई है और एएआई को सौंप दी गई है, जिसमें सीएम ने परियोजना के लिए शीघ्र मंजूरी का अनुरोध किया है। पेड्डापल्ली जिले में, सीएम रेड्डी ने केंद्रीय मंत्री को सूचित किया कि 591.24 एकड़ को वैकल्पिक स्थल के रूप में चिह्नित किया गया था, क्योंकि पूर्व-व्यवहार्यता सर्वेक्षण में पहले के स्थान को अनुपयुक्त पाया गया था। उन्होंने मंत्रालय से इस परियोजना को भी हरी झंडी देने का आग्रह किया। इसके अतिरिक्त, सीएम रेड्डी ने आदिलाबाद में हवाई अड्डे के विस्तार के लिए मंजूरी मांगी, जहां भारतीय वायु सेना (आईएएफ) के पास पहले से ही 369.50 एकड़ जमीन है। उन्होंने आदिवासी बहुल क्षेत्र में हवाई अड्डे के पूर्ण पैमाने पर संचालन को सक्षम करने के लिए अतिरिक्त 249.82 एकड़ जमीन के अधिग्रहण का प्रस्ताव रखा। सीएम ने क्षेत्रीय विकास, बेहतर कनेक्टिविटी और तेलंगाना में आर्थिक विकास के लिए इन हवाई अड्डे परियोजनाओं के महत्व पर जोर दिया। चर्चा के दौरान उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क, सिंचाई मंत्री उत्तम कुमार रेड्डी और चमाला किरण कुमार रेड्डी, के. रघुवीर रेड्डी और डॉ. कादियाम काव्या सहित कई सांसद सीएम के साथ थे।

# भावसार विजन इंडिया, हैदराबाद क्षेत्र-104 की मासिक बैठक सम्पन्न

**हैदराबाद, 26 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।** भावसार विजन इंडिया, हैदराबाद क्षेत्र-104 की साधारण सभा का आयोजन भावसार भवन, काचीगुडा में प्रवीण पतंगे की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई।

प्रेस को जारी विज्ञप्ति के अनुसार इस अवसर पर ..प्राचीन समाधानों के आधुनिक समस्याओं का समाधान कैसे करें.. विषय पर व्याख्यान आयोजित किया गया। जिसके व्याख्याता थे- श्रीधर गडाले एवं श्रीमती ज्योति गडाले।

बैठक के बाद मंत्रमुग्ध करने वाला जादू शो मो-हनलाल द्वारा किया गया। कार्यक्रम में भावसार समाज द्वारा हेमा रानी परंकर का सम्मान किया गया । अवसर पर सम्माननीय अतिथि के रूप में समाज भूषण किशन रावजी गडाले, समाज भूषण सुरेश जी पाटील, मनीष सूत्रावे, अशोक पतंगे, श्रीमती मीना पतंगे, मोहन राव देवतराज, प्रवीण पतंगे, श्रीमती अश्विनी पतंगे, श्रीमती अर्चना बास्तुकर एवं अन्य भावसार सदस्य उपस्थित थे ।

# अग्रवाल समाज तेलंगाना द्वारा स्तन कैंसर शिविर 1 दिसंबर को

**हैदराबाद, 26 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।**

अग्रवाल समाज तेलंगाना समय-समय पर विभिन्न क्षेत्रों में सामाजिक जागरूकता एवं अग्रवाल समाज के बंधुओं के लिए हितकारी कार्य करता आ रहा है और विभिन्न सेवा कार्यों के अंतर्गत शिविरों का आयोजन कर रहा है। इसी क्रम में अग्रवाल समाज तेलंगाना द्वारा आगामी 01 दिसंबर 2024 को सुबह 10:00 से मध्याह्न 3:00 तक अग्रवाल समाज बैंक्विट हॉल, पैराडाइज में एक्सपर्ट ईज़ एवं अर्गला रिवाइव के सान्निध्य में स्तन और ओरल कैंसर जाँच शिविर आयोजित करने जा रहा है।

प्रेस को जारी विज्ञप्ति के अनुसार उक्त शिविर में महिलाओं के लिए स्तन कैंसर एवं फिजिकल एसेसमेंट और पुरुषों के लिए बेसिस ओरल स्कैनिंग एवं फिजिकल एसेसमेंट आदि की जाँच की जाएगी। उक्त शिविर केवल अग्रवाल समाज के बंधुओं के लिए ही रहेगा।

विज्ञप्ति के अनुसार उक्त शिविर में कुल 75 महिलाओं एवं 75 पुरुषों की जाँच की जाएगी। इसके अतिरिक्त कुल 150 अग्रवाल बंधुओं की संपूर्ण स्वास्थ संबंधित जाँच की जाएगी । महिलाओं का पंजीकरण पूर्ण हो चुका है। पुरुषों का पंजीकरण चालू है और गूगल आवेदनपत्र के माध्यम से पंजीकरण कराया जा सकता है। समाज के अध्यक्ष मनीष अग्रवाल ने अग्रवाल नारी शक्ति के इस कदम की सराहना की और बताया कि उक्त शिविर समाज बंधुओं की महिला और पुरुषों के लिए निःशुल्क उपलब्ध रहेगा और शिविर का संपूर्ण खर्च केंद्रीय समिति द्वारा उठाया जाएगा ।पंजीकृत बंधुओं से आग्रह किया गया है कि उन्हें जो तय समय सीमा दी गई है उस समय सीमा में पधार कर जाँच करवा लेवें। उक्त कार्यक्रम श्रीमती सीमा जैन, श्रीमती आरती अग्रवाल, श्रीमती डिंपल अग्रवाल, श्रीमती शीतल रुंगटा, श्रीमती शीतल अग्रवाल के संयोजन में किया जा रहा है।

राधे राधे ग्रुप द्वारा नियमित अन्नदान के अंतर्गत मंगलवार को पवन अग्रवाल के जन्मदिन पर पा-ब्लिक गार्डन, पिलर नं. ए1265 के समीप जरूरतमंद लोगों में अन्नदान किया गया। जिसमें श्री सतरोदिा गर्ग परिवार (श्री कृष्णा ऑटो एजेंसीज) द्वारा सेवा दी गई। इस अवसर पर सतीश गुप्ता, सतीश गुप्ता आशा अग्रवाल, जगत नारायण अग्रवाल, रामप्रकाश अग्रवाल, सुनीता अग्रवाल, महेश अग्रवाल, बबीता अग्रवाल, संजय अग्रवाल, सविता अग्रवाल, रोहित अग्रवाल, भगतराम गोयल, महेश कुमार गुप्ता सुशील गुप्ता, मनीष फिटकारीवाला, सोनू फिटकारीवाला, राजेश योगा सरजी, मायारामजी अग्रवाल पवन अग्रवाल, रोहित अग्रवाल एवं अन्य राधे राधे ग्रुप सदस्य उपस्थित थे।

बजरंग सेना में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले सदस्यों की सेना के अध्यक्ष एनआर लक्ष्मण ने घोषणा की। जिसमेंशिव कुमार को राज्य महासचिव, के. राघव कुमार ने राज्य उपाध्यक्ष, गोविंद इंदौरिया को मेदक जिला अध्यक्ष, प्रिया चारी को संगठन सचिव, भरतराम नागला को शहर उपाध्यक्ष में रूप में नियुक्त किया गया है। इस अवसर पर अध्यक्ष एन.आर. लक्ष्मण राव और उपाध्यक्ष श्रीनिवास गुप्ता ने नवनियुक्त नेताओं को शॉल भेंट कर उनका स्वागत और सम्मान किया।

# नारायणी गौसेवा सदन में अन्नकूट एवं भजन संध्या आयोजित

**हैदराबाद, 26 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।** मूसारामबाग स्थित नारायणी गौ सेवा सदन में भव्य अन्नकूट एवं भजन संध्या कार्यक्रम संपन्न हुआ।गौशाला के अमन सोनी द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, श्रीश्रीश्री 1008 सेवारामजी महाराज (बापजी महाराज) के सान्निध्य में आयोजित उक्त कार्यक्रम में भक्तों ने गौ पूजन, गिरिराज दर्शन कर परिक्रमा की। इस अवसर पर मएक शाम गौ माता के नामफ भजन संध्या का आयोजन श्याम के लाडले द्वारा किया गया। जिसमें कलाकारों ने कर्णप्रिय भक्ति गीतों से सभी को मंत्रमुग्ध किया। अन्नकूट में 2000 से अधिक लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया। कार्यक्रम में अमन सोनी, डी.पी. तिवारी, मोहन बाबू, सज्जन डागा, पवन अग्रवाल, मनोज कोठारी, ए.एल. सोनी, टीपू सोनी, बिहारीलाल सोनी, पंकज

वर्मा, प्रदीप मांडण, उमेश सोनी, अनिल बजाज, रमेश पित्ती, गोवर्धन परवाल, कमल झींगा, विष्णु सोनी, पुरुषोत्तम कड़ेल, विनय किंकाण, मनीष सोनी, विनीत अग्रवाल, आनंद तिवारी, गोविंद शर्मा, तनिषा सोनी, मीनल वर्मा एवं अन्य उपस्थित थे।

तेलंगाना सांस्कृतिक सलाहकार बोर्ड की नवनियुक्त अध्यक्ष डॉ. गुम्माडी वेनेला को प्रतिष्ठित पद संभालने के लिए बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए स्नैप्स इंडिया के संपादक मो. शम्सुद्दीन ने मोहम्मद शम्सुद्दीन ।

# पचेरी अग्रवाल समिति का श्याम बाबा कीर्तन एवं प्रसादी 22 दिसंबर को

**हैदराबाद, 26 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।**

पचेरी अग्रवाल समिति की मासिक बैठक का आयोजन समिति के अध्यक्ष गोपाल पचारिया की अध्यक्षता में उनके निवास स्थान पर संपन्न हुई। प्रेस को जारी विज्ञप्ति के अनुसार बैठक में समिति द्वारा निर्णय लिया गया कि आगामी 22 दिसंबर 2024 को श्याम बाबा का कीर्तन एवं प्रसादी जगदीश मंदिर, लोअर टैंकबैंड में आयोजित की जाएगी। साथ ही साथ कार्यक्रम में समिति द्वारा परिवार के 60 साल से ऊपर वाले सदस्यों को रजत पदक से सम्मान किया जाएगा तथा परिवार के जो युवकों एवं युवतियों, ब्याही हुई लड़कियां जो- सीए, डॉक्टर, इंजीनियर, एमबीए, एलएलबी की

डिग्रियां प्राप्त कर चुकी हैं उन्हें रजत पदक से सम्मान किया जाएगा।

समाज के सदस्यों से आग्रह किया गया कि सभी बच्चे बच्चियों एवं बुजुर्गों के नाम 15 दिसंबर 2024 तक ओमप्रकाश पचेरिया, गोविंदराम पचेरिया, गोपाल पचेरिया, गोवर्धन पचेरिया के पास रजिस्टर कराएं। सम्मान के पश्चात श्याम बाबा का कीर्तन एवं प्रसाद शाम 8:00 बजे से शुरू किए जाएंगे। अधिक जानकारी के लिए शाखा के अध्यक्ष गोपाल पचारिया से संपर्क किया जा सकता है।

बैठक में गोपाल पचेरिया, ओमप्रकाश पचेरिया, गोविंदराम पचेरिया, श्याम सुंदर सांवरिया, कैलाशचंद पचेरिया, गोवर्धन पचेरिया, संदीप पचेरिया, संजय अग्रवाल, श्याम पचेरिया, अरुण सिंघानिया, रजत पचेरिया, हिमांशु पचेरिया आदि उपस्थित थे।

भवानी कॉलोनी प्रेमवतीपेट स्थित श्री शिर्डी साईं बाबा मंदिर में परिवार सहित विशेष पूजा अर्चना करते हुए राजेंद्र नगर के एसिस्टेंट कमिश्नर ऑफ़ पुलिस श्रीनिवास। अवसर पर उन्होंने श्री साइन नाथ महाराज से आशीर्वाद ग्रहण किया। इस अवसर पर मंदिर के पुजारी पंडित गणेश जोशी, श्री नीलकंठ कृष्ण यादव अशोक कुमार व अन्य उपस्थित थे।

## मगनूर स्कूल में तीसरी बार फ़ूड पॉइज़निंग, 30 छात्र बीमार पड़े

**नारायणपेट, 26 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।**

स्कूल में दो दिनों में दो बार फ़ूड पॉइज़निंग और कृमियुक्त भोजन की घटना होने के छह दिन बाद, मगनूर के जिला परिषद हाई स्कूल के लगभग 30 छात्र मंगलवार को स्कूल में परोसे गए मध्याह्न भोजन को खाने के बाद फिर से बीमार पड़ गए।

यह घटना छात्रों के स्वास्थ्य और उनकी भलाई के प्रति अधिकारियों की घोर लापरवाही को दर्शाती है, के बाद छात्रों को इलाज के लिए मक्तल के सरकारी अस्पताल ले जाया गया। मध्याह्न भोजन खाने के तुरंत बाद, दोपहर 3.30 बजे छात्रों ने पेट दर्द और मतली की शिकायत की और बीमार पड़ गए।

# जीएनआई ने हैकथॉन की मेजबानी की

**हैदराबाद, 26 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।**

गुरु नानक इंस्टीट्यूशंस (जीएनआई) ने लगातार दूसरे राष्ट्रीय स्तर के हैकथॉन, हैक-एरिना 2024 की शुरुआत की, जिसमें पूरे भारत से 1,100 से अधिक प्रतिभाशाली प्रतिभागियों को एक साथ लाया गया।

कार्यक्रम ने ई-कॉमर्स, गेम डेवलपमेंट, नेक्स्ट-जेन कम्युनिकेशंस, एंबेडेड सिस्टम, स्मार्ट ऑटोमेशन, ब्लॉक चेन और 14 विविध विषयों में अपनी तकनीकी विशेषज्ञता दिखाने के लिए प्रतिभाशाली दिमागों को आकर्षित किया है। क्रिप्टोग्राफी, स्वच्छ और हरित प्रौद्योगिकी, और जेनरेटिव एआई।उद्घाटन समारोह, सुबह 11:00 बजे से दोपहर 12:00 बजे तक आयोजित किया गया, जिसमें प्रतिष्ठित गणमान्य व्यक्ति और विशेष अतिथि उपस्थित थे।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि, डेटा वाइज ग्रुप के संस्थापक और प्रबंध निदेशक, श्री विनय कुमार ने छात्रों को प्रेरित किया। अपने व्यक्तिगत और व्यावसायिक विकास के लिए इस अवसर का उपयोग करें। और सम्मानित अतिथि, स्टूडेंट ट्राइब के संस्थापक और सीईओ श्री चरण लक्करजू ने अपने विचारोत्तेजक संबोधनों से प्रतिभागियों को हैकथॉन को गंभीरता से लेने और इसे एक मंच के रूप में उपयोग करने के लिए प्रोत्साहित किया। उद्घाटन के बाद, प्रतिभागियों को हैकथॉन शुरू करने के लिए उनकी संबंधित प्रयोगशालाओं में निर्देशित किया गया, जिसमें प्रत्येक विषय में तीन कठोर मूल्यांकन दौर शामिल हैं। निर्णायक पैनल में प्रतिष्ठित बाहरी जूरी सदस्य शामिल हैं।

# एनवाईकेएस हैदराबाद ने संविधान दिवस के अवसर पर एक रैली निकाली

**हैदराबाद, 26 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।**
नेहरू युवा केंद्र संगठन हैदराबाद ने मंगलवार को मसंविधान दिवसफके अवसर पर सचिवालय के पास बीआर अंबेडकर प्रतिमा से एक रैली निकाली। एनवाईकेएस तेलंगाना के निदेशक विजय राव ने कहा कि यह रैली युवा मामले और खेल मंत्रालय, भारत सरकार और खेल और युवा सेवाएं, तेलंगाना सरकार और एनसीसी, एनएसएस और अन्य युवा क्लबों के सहयोग से आयोजित की गई थी।बीआर अंबेडकर प्रतिमा से शुरू हुई साढ़े चार किलोमीटर की रैली में 600

से अधिक प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। उन्होंने कहा, आज हम देश के 763 जिलों में संविधान दिवस रैली का आयोजन कर रहे हैं। हमने 75 वर्ष पूरे कर लिए हैं, भारत सरकार के युवा मामले मंत्रालय और युवा मंत्रालय के खेल कार्यालय, एनसीसी और एनएसएस युवा क्लब, सभी यहां आए हैं... लगभग 600 प्रतिभागी और सांस्कृतिक दल मौजूद हैं। संस्कृति विभाग की दो सांस्कृतिक टीमें भी शामिल हुईं। अब हम अंबिका प्रतिमा से दूसरी रैली लेकर आए हैं और वे 4.5 किलोमीटर पैदल चलकर आए हैं। हम यहां आए हैं और हमें भारत के संविधान और मौलिक अधिकारों के बारे में बताया गया है और यह हमारे देश और सभी प्रतिभागियों का विशेषाधिकार है जिन्होंने इस अद्भुत और बहुत महत्वपूर्ण दिन में भाग लिया है।यह एक राष्ट्रीय स्तर का कार्यक्रम है और हमें राज्य सरकार और सभी विभागों से पूरा सहयोग मिला है, इसलिए हम बहुत खुश हैं.. इस बीच, संविधान दिवस के अवसर पर, राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने संविधान सदन में भारत के संविधान के 75 वर्ष पूरे होने के अवसर पर एक स्मारक डाक टिकट जारी किया।

# मंत्री सीताक्का ने संविधान दिवस पर बी.आर. अंबेडकर को दी श्रद्धांजलि

**मुलुगु (तेलंगाना), 26 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।**
पंचायती राज, ग्रामीण विकास और महिला एवं बाल कल्याण मंत्री डॉ. दानसारी अनसूया सीताक्का ने मंगलवार को संविधान दिवस के अवसर पर मुलुगु केंद्र में भारतीय संविधान के निर्माता डॉ. बी.आर. अंबेडकर की प्रतिमा पर श्रद्धांजलि अर्पित की।

इस अवसर पर उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए मंत्री सीताक्का ने भारत को एक मजबूत लोकतंत्र के रूप में स्थापित करने में डॉ. अंबेडकर और भारतीय संविधान के अपार योगदान पर प्रकाश डालते हुए इस अवसर पर अपनी हार्दिक शुभकामनाएं दीं।

उन्होंने संविधान की रक्षा के महत्व पर जोर दिया, जो जाति, पंथ या धर्म के बावजूद सभी नागरिकों को मौलिक अधिकार और

अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता की गारंटी देता है।

मंत्री ने संविधान के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए देशव्यापी प्रयास करने का आह्वान किया और हर गांव और घर तक इसके सार और लाभों को पहुंचाने के लिए अभियान चलाने का आग्रह किया।

उन्होंने डॉ. अंबेडकर को ज्ञान के प्रतीक और दूरदर्शी नेता के रूप में वर्णित किया, जिनके प्रयासों ने सभी के लिए समान अधिकार सुनिश्चित किए, जिससे आने वाली पीढ़ियों को उनके जीवनकाल में सामना किए गए अन्याय और चुनौतियों को सहने से रोका जा सके। सीताक्का ने सभी के लिए समान अधिकारों को कायम रखते हुए हाशिए के समुदायों के लिए आरक्षण प्रदान करने में संविधान की भूमिका को भी स्वीकार किया। भारतीय संविधान की 75वीं वर्षगांठ के अवसर पर, उन्होंने नागरिकों से इसके मूल्यों और महानता को बनाए रखने के लिए सामूहिक रूप से काम करने की अपील की।

# जेड कॉलोनी सनतनगर शाखा का दीपावली स्नेह मिलन एवं अन्नकूट प्रसाद आयोजित

**हैदराबादा, 26 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।**
जेड कॉलोनी सनतनगर शाखा का दीपावली स्नेह मिलन एवं अन्नकूट प्रसाद का आयोजन एसवीएसएस कांप्लेक्स में संपन्न हुआ।सर्वप्रथम महाराजा श्री अग्रसेन जी की पूजा अर्चना की गई तत्पश्चात शाखा अध्यक्ष ने उपस्थित सभी सदस्यों का स्वागत किया। उपस्थित सभी सदस्यों के लिए मनोरंजक कार्यक्रम के अलावा तम्बोला भी खिलाया गया। शाखा अध्यक्ष जगदीश राय तायल ने

शिव शक्ति महिला शाखा मोतीनगर एवं अष्ट सखी महिला शाखा जेड कॉलोनी सनतनगर का मनोरंजक कार्यक्रम कराने पर विशेष आभार व्यक्त किया। उक्त कार्यक्रम में 300 से अधिक सदस्यों ने अन्नकूट प्रसाद ग्रहण किया। अंत में शाखा के कोषाध्यक्ष ने सभी का आभार व्यक्त किया।

कार्यक्रम को सफल बनाने में शाखा अध्यक्ष जगदीश राय तायल, उपाध्यक्ष सुरेश दुवालिया, मानद मंत्री पवन गोयल, सयुक्त मंत्री नरेश बंसल, कोषाध्यक्ष अमित कुमार सिंघल, केंद्रीय समिति सदस्य जगदीश गर्ग, दीपा अग्रवाल, किरण अग्रवाल, रजनी अग्रवाल, बरखा अग्रवाल, बबिता अग्रवाल, सतीश गर्ग, राजेश केडिया, ईश्वर बंसल, सुनील मित्तल, एस के जालान, हरि ओम, चंद्रपाल मित्तल, अशोक मित्तल, विनोद मित्तल, विकी अग्रवाल, जीतू अग्रवाल, बिट्टू अग्रवाल आदि ने भाग लिया।

# 3 सीटों पर उपचुनाव के साथ टीडीपी फिर से राज्यसभा में प्रवेश करने के लिए तैयार

**अमरावती , 26 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।**
चुनाव आयोग ने मंगलवार को घोषणा की कि आंध्र प्रदेश से तीन राज्यसभा सीटों के लिए उपचुनाव 20 दिसंबर को होंगे, जिसके साथ ही तेलुगु देशम पार्टी (टीडीपी) संसद के ऊपरी सदन में फिर से प्रवेश करने के लिए तैयार है।

मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू की अध्यक्षता वाली इस पार्टी का वर्तमान में ऊपरी सदन में कोई प्रतिनिधित्व नहीं है। 175 सदस्यीय विधानसभा में अपनी ताकत के आधार पर टीडीपी की अगुवाई वाले सत्तारूढ़ राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) का तीनों सीटों पर जीतना तय है। टीडीपी के पास 135 सदस्य हैं, जबकि उसके सहयोगी जन सेना और भाजपा के पास क्रमशः 21 और 8 सीटें हैं।

मई में हुए चुनावों में एनडीए से सत्ता गंवाने वाली वाईएसआर कांग्रेस पार्टी (वाईएसआरसीपी) के पास केवल 11 विधायक हैं। विधानसभा में पर्याप्त संख्याबल न होने के कारण टीडीपी इस साल फरवरी में हुए राज्यसभा चुनावों से दूर रही थी।

अपने चार दशक के इतिहास में पहली बार, इसका राज्यसभा में कोई प्रतिनिधित्व नहीं था।ये रिक्तियां हाल ही में वाईएसआरसीपी के मोपीदेवी वेंकटरमण राव, बीधा मस्तान राव यादव और रयागा कृष्णैया के इस्तीफे के कारण हुई थीं। अगस्त में वाईएसआरसीपी से इस्तीफा देने के बाद वेंकटरमण राव और मस्तान राव तेलुगु देशम पार्टी (टीडीपी) में शामिल हो गए, जबकि कृष्णैया किसी अन्य पार्टी में शामिल नहीं हुए, लेकिन उन्होंने घोषणा की कि वे पिछड़े वर्ग के आंदोलन को मजबूत करने के लिए काम करेंगे।

# सड़कों पर खून जैसा तरल पदार्थ मिलने से दहशत फैल गई

**हैदराबाद, 26 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।**
हैदराबाद के जेडीमेटला औद्योगिक क्षेत्र के पास वेंकटाद्री नगर इलाके में लोगों में उस समय दहशत फैल गई, जब सड़कों पर खून जैसा लाल रंग का तरल पदार्थ बहना शुरू हुआ। मैनहोल से निकलने वाले तरल पदार्थ ने निवासियों में चिंता पैदा कर दी और सांस लेने में कठिनाई ने उन्हें और भी चिंतित कर दिया। इससे घबराए स्थानीय लोगों ने नगर निगम के अधिकारियों से संपर्क किया। जब उन्हें बताया गया कि बहता हुआ हानिकारक तरल पदार्थ खून नहीं था। अधिकारियों ने निवासियों को बताया कि यह लाल रंग का रसायन था, जो जाहिर तौर पर पास की औद्योगिक इकाइयों से निकला था। सुभाष नगर डिवीजन में वेंकटाद्री नगर औद्योगिक क्षेत्र से सटा हुआ है। क्षेत्र के कुछ गोदामों के मालिकों के अनुसार, कुछ औद्योगिक इकाइयां रसायनों को सीधे जल निकासी प्रणाली में बहा देती हैं। उन्होंने कहा कि नगर निगम के

अधिकारी कोई कार्रवाई नहीं कर रहे हैं। मैनहोल के ओवरफ्लो होने से लाल रंग का तरल पदार्थ सड़कों पर भर गया, जिससे दहशत फैल गई। निवासी अपने स्वास्थ्य पर रासायनिक अपशिष्ट के प्रभाव को लेकर चिंतित थे और उन्होंने तत्काल कार्रवाई की मांग की।

तेलंगाना प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अधिकारियों ने स्थिति का जायजा लेने के लिए क्षेत्र का दौरा किया और निवासियों को आश्वासन दिया कि उद्योगों द्वारा रसायनों के निर्वहन को रोकने के लिए कदम उठाए जाएंगे। एक अन्य घटना में, लोगों ने मूसी नदी में कचरे में जहरीले रसायनों को डालने की कोशिश को विफल कर दिया। एक ट्रक चालक ने बापूघाट में मूसी नदी में रासायनिक औद्योगिक अपशिष्ट डालने की कोशिश की। साइबराबाद आयुक्तालय के राजेंद्रनगर पुलिस स्टेशन के अधिकार क्षेत्र में हुई इस घटना से स्थानीय लोगों में आक्रोश फैल गया। सतर्क निवासियों ने चालक को औद्योगिक अपशिष्ट उतारने से रोक दिया। पुलिस के घटनास्थल पर पहुंचने से पहले ही वह ट्रक छोड़कर भाग गया। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।स्थानीय लोगों का कहना है कि ऐसा पहली बार नहीं हुआ है जब इस तरह का प्रयास किया गया हो। उनके अनुसार, कुछ औद्योगिक इकाइयां नदी में कचरा डाल रही हैं, जो पहले से ही अत्यधिक प्रदूषित है। उन्होंने सरकार से अवैध डंपिंग को रोकने की अपील की, जो नदी को पुनर्जीवित करने के प्रयासों को कमजोर करता है। राज्य सरकार मूसी रिवरफ्रंट डेवलपमेंट प्रोजेक्ट के साथ नदी को पुनर्जीवित करने की बड़ी योजना बना रही है।

# लेफ्टिनेंट जनरल करणबीर सिंह ने टासा प्रशिक्षण केंद्रों की परिचालन तत्परता की समीक्षा की

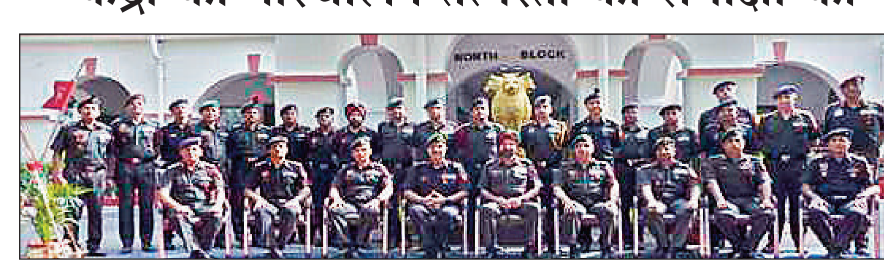


**हैदराबाद, 26 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।**
दक्षिण भारत क्षेत्र के जनरल ऑफिसर कमांडिंग (जीओसी) लेफ्टिनेंट जनरल करणबीर सिंह बरार ने मुख्यालय तेलंगाना और आंध्र उप क्षेत्र (टासा) प्रशिक्षण केंद्रों और सैन्य अस्पतालों की परिचालन तत्परता और प्रशासनिक दक्षता का मूल्यांकन करने के लिए हैदराबाद और सिकंदराबाद का दो दिवसीय दौरा किया।

अपने दौरे के दौरान, लेफ्टिनेंट जनरल बरार ने मुख्यालय टासा के तहत प्रतिष्ठानों की तैयारियों की समीक्षा की, प्रशिक्षण और प्रशासनिक संचालन में उच्च मानकों को बनाए रखने के महत्व पर जोर दिया।उन्होंने सैनिकों के साथ बातचीत की, उनके समर्पण और कर्तव्य के प्रति अटूट प्रतिबद्धता की सराहना की।

जनरल ऑफिसर ने सैनिकों और उनके परिवारों के लिए उपलब्ध स्वास्थ्य सेवाओं का आकलन करने के लिए क्षेत्र में सैन्य अस्पताल का भी दौरा किया। उन्होंने कर्मियों और उनके आश्रितों की बढ़ती जरूरतों को पूरा करने के लिए चिकित्सा देखभाल और कल्याण सेवाओं में निरंतर सुधार के महत्व पर प्रकाश डाला।

लेफ्टिनेंट जनरल बरार की यात्रा ने परिचालन उत्कृष्टता, सैन्य कल्याण और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवा के प्रावधान पर भारतीय सेना के फोकस को रेखांकित किया। मंगलवार को जारी एक रक्षा बयान में कहा गया कि उनके मार्गदर्शन और नेतृत्व से मुख्यालय टीएएसए और इसकी संबद्ध इकाइयों की परिचालन दक्षता और प्रशासनिक क्षमताओं में और वृद्धि होने की उम्मीद है।

# महा विजय के बाद तेलंगाना के लिए कमर कस रहा आरएसएस!

**हैदराबाद, 26 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।** कोई चर्चा नहीं, कोई प्रचार नहीं, कोई हंगामा नहीं। 20 नवंबर को सम्पन्न हुए चुनावों से महीनों पहले महाराष्ट्र में हजारों स्वयंसेवकों द्वारा घर-घर जाकर संपर्क करने और छोटे-छोटे समूहों में बैठकें करने पर ध्यान केंद्रित किया गया था, जिसमें हिंदुत्व और राष्ट्रीय एकता के बारे में चिंताओं को उजागर करने वाले व्यापक अभियान शामिल थे, जिससे पड़ोसी राज्य में भाजपा को फायदा हुआ।

स्वयंसेवकों ने विपक्ष द्वारा जाति विभाजन की रणनीतियों को प्रभावी ढंग से संबोधित किया और बताया कि यह हिंदू एकता के खिलाफ कैसे काम करेगा। उन्होंने ग्रामीण मतदाताओं को उन क्षेत्रों में समर्थन जुटाने में सक्षम बनाया, जहां भाजपा को पारंपरिक रूप से चुनौतियों का सामना करना पड़ा।

इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि स्वयंसेवकों और भाजपा कार्यकर्ताओं और नेताओं के बीच सहयोग, जिसका नेतृत्व 54 वर्षीय अतुल लिमये ने किया, जिन्हें आरएसएस के शीर्ष नेताओं द्वारा महीनों पहले नियुक्त किया गया था, ने भाजपा की शानदार चुनावी सफलता को सक्षम बनाया।लिमये की रणनीति ने पार्टी के लिए मराठों का समर्थन हासिल करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

आरएसएस के एक वरिष्ठ पदाधिकारी ने बताया कि स्वयंसेवकों की छोटी टोलियों ने मोहल्लों में दो से तीन परिवारों के साथ बैठकें कीं। इन बैठकों में राय बनाने के लिए एक सम्मानित स्थानीय व्यक्ति को शामिल किया गया। लिमये द्वारा शुरू किए गए मतदाता जागरूकता अभियान सजग रहो में स्वयंसेवकों ने प्रत्येक घर का दौरा किया। मौन मतदाता लामबंदी के प्रयासों का नतीजा यह हुआ कि 2019 में 66.05 प्रतिशत की तुलना में कुल मतदान में 4.95 प्रतिशत की वृद्धि हुई।

इसके विपरीत, 25 प्रतिशत या उससे अधिक मुस्लिम आबादी वाले 22 विधानसभा क्षेत्रों में से 19 में राज्य के औसत से कम मतदान हुआ। अभियान में शामिल आरएसएस के एक वरिष्ठ नेता ने कहा, हम सभी शहरी इलाकों में उच्च मतदान सुनिश्चित करना चाहते थे, जहां हमारा प्रभाव गहराई से निहित है।

इस बीच, आरएसएस के सूत्रों ने कहा कि उन्होंने 2028 के विधानसभा चुनावों पर ध्यान केंद्रित करते हुए तेलंगाना पर एक दीर्घकालिक रणनीति के साथ काम करना शुरू कर दिया है और सांस्कृतिक आउटरीच का प्रयास चल रहा है। मुलुगु के पास जकारम में सम्मक्का-सरलम्मा जनजातीय विश्वविद्यालय की स्थापना के अलावा, केंद्र ने मेदारम जातरा के लिए धन जारी किया है।आरएसएस ने हाल ही में हैदराबाद में लोकमंथन का अपना चौथा संस्करण आयोजित किया था, जो दक्षिण भारत में पहली बार हुआ। इस कार्यक्रम में तेलंगाना पर आरएसएस के फोकस के हिस्से के रूप में रानी रुद्रमा को प्रमुखता से दिखाया गया।वनवासी कल्याण आश्रम ने वामपंथी और ईसाई मिशनरी समूहों के प्रभाव का मुकाबला करने के लिए आदिवासी समुदायों में पहुंच बढ़ा दी है। आरएसएस भाजपा को लाभ पहुंचाने और 2028 में अपनी संभावनाओं को मजबूत करने के लिए कथानक तैयार कर रहा है।


**CHANGE OF NAME**
I, NEETI W/o. DEEPAK KUMAR, resident of At SY.NO.183,184, Flat No.G22, ISHTA CITY PLEASANT PARK, UPPER PALLY, Rajendra Nagar, Ranga Reddy District Telangana -500048, Changed My Name As NEETI KUMAR.

DAILY शुभ लाभ Classifieds FIND BUY SELL

**CHANGE OF NAME & DOB**
I, Service No. 6945750M Hav/SHGD SUBHASH SINGH, R/o. Vill:Seward Bari, Post:Phaglwa, Teh & Dist:Sikar, Rajasthan-332041 of AOC Centre, Secunderabad hereby declare that my mother name and DOB is to be changed from KAMLA KUMARI, DOB:30-5-1972 to KAMAL KANWAR, DOB:01-01-1960 vide affidavit dt:26-11-2024 before C.Samuel, Advocate and Notary, Secunderabad.

**CHANGE OF NAME & DOB**
I, BISHNU RAI spouse of Service No. 6949557X Sep Ratan Rai, R/o.Vill:Majhua, Po &Teh: Kuresong, Dist:Darjeeling, West Bengal-737203 have changed my name and DOB from BISHNU RAI, DOB:04-09-1988 to BISHNU MAYA CHETTRI, DOB:24-8-1987 vide affidavit dt:26-11-2024 before CVN Ramakrishna, Advocate and Notary, Secunderabad

**CHANGE OF NAME**
I, DWARAKA is legally Mother of No-17043994Y, Rank-Sep, Name-Bhange Kiran Mohan R/o Vill- Shevate, Tehsil - Pandharpur, Dist-Solapur, PIN-413315, State- Maharashtra have changed My Name from DWARAKA to "DWARKABAI MOHAN BHANGE" add in my son Service documents vide affidavit dated 26/11/2024 before Notary C Samuel Secunderabad.

**CHANGE OF NAME & DOB**
I, Army No : 14623959K, Rank : Ex Nk, Name : Bammidi Ramana Rao, S/o Late Bammidi Trinadhu, Aged : 49 Years, Occupation : Ex Servicemen, Resident of :H.No:1-7-16/1/95/1,Srinivas Nagar Colony, Temple Alwal, Alwal – Post, Medchal Malkajgiri – Dist, Secunderabad, Telangana – State, PIN – 500010 is hereby changed my Wife Name from B Sangeetha to Bammidi Sangitha & DOB from 28 Oct 1981 to 25 Aug 1981 and my Daughter Name from B Priyadarshni to Bammidi Priyadarsini as per their 10th Class Mark Sheet and Aadhar Card for all purpose vide affidavit dated 02 Aug 2024.

## राहुल गांधी की टिप्पणी का चंद्रचूड़ ने दिया जवाब

# न्यायपालिका के कंधे पर बंदूक रखकर गोली चलाना गलत

**नई दिल्ली, 26 नवंबर (एजेंसियां)।** भारत के पूर्व मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ ने एक साक्षात्कार में न्यायपालिका की भूमिका को लेकर स्पष्ट जवाब दिए। राहुल गांधी के उस बयान पर, जिसमें उन्होंने कहा था कि विपक्ष ने न्यायपालिका का काम करने का भी दायित्व अपने सिर ले रखा है, पूर्व मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि न्यायपालिका यहां कानूनों का परीक्षण करने के लिए है और लोगों को यह नहीं मान लेना चाहिए कि न्यायपालिका संसद और राज्यों की विधानसभा में विपक्ष की भूमिका भी निभाएगी।

चंद्रचूड़ ने कहा कि लोकतंत्र में राजनीतिक विपक्ष के लिए अलग जगह है। उन्होंने कहा, मैं इस मुद्दे पर विपक्ष के नेता के साथ शामिल नहीं होना चाहता, क्योंकि हम यहां इस मुद्दे पर बात करने के लिए नहीं हैं। लेकिन मैं यह कहना चाहता हूं कि कई बार यह गलतफहमी होती है कि न्यायपालिका की भूमिका विधायिका में विपक्ष की होती है, जबकि ऐसा नहीं है। हम यहां कानूनों के परीक्षण के लिए हैं। हमें यहां कार्यपालिका के कामों की जांच की जिम्मेदारी मिली है कि वह कानून और संविधान के तहत हैं या नहीं। लोकतंत्र में राजनीतिक विपक्ष के लिए अलग जगह है। लेकिन लोग न्यायपालिका के कंधे पर बंदूक रखकर गोली चलाना चाहते हैं और न्यायालयों को राजनीतिक विपक्ष की जगह में बदलना चाहते हैं।

चंद्रचूड़ से जब प्रधानमंत्री और विपक्ष के नेता से मुलाकात को लेकर सोशल मीडिया मंचों पर चर्चा को लेकर सवाल किया गया तो उन्होंने कहा कि इंसानों के तौर पर आधिकारिक बैठकों में सामाजिक होना प्राकृतिक बात है। कई बार ऐसा होता है कि आप विपक्ष के नेता से बात करते हैं। उदाहरण के तौर पर हमारे कई विधानों में कहा गया है कि कुछ पदों पर नियुक्ति के लिए प्रधानमंत्री, मुख्य न्यायाधीश और विपक्ष के नेता की चयन समिति होगी। अब उसमें आपको चर्चाएं करनी होती हैं और आप किसी निष्कर्ष पर पहुंचते हैं। जब आप निष्कर्ष पर पहुंच जाते हैं तब इंसान होने के नाते आप 10 मिनट चाय पर बिताते हैं। आप क्रिकेट से लेकर फिल्मों और अन्य चीजों के बारे में भी चर्चा करते हैं।

प्रधानमंत्री मोदी को गणपति पूजा के दौरान अपने घर बुलाने पर उठे विवाद पर पूर्व मुख्य न्यायाधीश ने कहा, यह कोई अनोखी घटना नहीं थी। यह एक सामाजिक मिलाप था। मैं कह चुका हूं कि पहले भी प्रधानमंत्री जजों और अन्य सामाजिक कार्यक्रमों में मिलते रहे हैं। लेकिन हम जो काम करते हैं, उसमें हम एक-दूसरे से बिल्कुल स्वतंत्र हैं।

## फाउंडेशन फॉर इकनॉमिक डेवलपमेंट रिपोर्ट

# 46% कृषकों का जीडीपी में योगदान मात्र 18%

**नई दिल्ली, 26 नवंबर (एजेंसियां)।** भारत को एक महत्वपूर्ण चुनौती का सामना करना पड़ रहा है। देश का 46 प्रतिशत कार्यबल कृषि में लगा हुआ है, लेकिन सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में इसका योगदान केवल 18 प्रतिशत का ही है।

फाउंडेशन फॉर इकोनॉमिक डेवलपमेंट रिपोर्ट के अनुसार, विनिर्माण एकमात्र ऐसा क्षेत्र है जो अर्थव्यवस्था को आगे बढ़ाने के लिए आवश्यक पैमाने पर अकुशल लोगों को भी अपने क्षेत्र में शामिल करने में सक्षम है। रिपोर्ट के अनुसार, विनिर्माण और सेवाओं में नौकरियां कृषि क्षेत्र की तुलना में तीन से छह गुना अधिक उत्पादक हैं और यह कार्यरत लोगों को उच्च उत्पादकता वाली भूमिकाओं में बदलने की क्षेत्र की क्षमता को रेखांकित करती हैं। विनिर्माण क्षेत्र की नौकरियों के लिए केंद्र के रूप में कार्य करने वाले औद्योगिक क्लस्टर को आसपास के कस्बों और गांवों की तुलना में अधिक लोगों की जरूरत होती है। हालांकि, इन समूहों के पास पर्याप्त श्रमिक आवास की कमी एक प्रमुख बाधा के रूप में उभरी है, जिससे श्रमिकों की कमी और उत्पादकता में गिरावट आ रही है। यह कमी विनिर्माण निर्यात में विश्व स्तर पर प्रतिस्पर्धा करने, रोजगार सृजन और आर्थिक विकास को सीमित करने की भारत की क्षमता को भी बाधित करती है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि श्रमिकों का मौजूदा आवास अक्सर अनौपचारिक होते हैं, जिनमें अवैध या घटिया बस्तियां शामिल होती हैं जो जरूरी सुविधाओं, पैमाने और गुणवत्ता को पूरा करने में विफल रहती हैं। ये खराब स्थितियां श्रमिकों को औद्योगिक समूहों के करीब स्थानांतरित होने से हतोत्साहित करती हैं, जिससे श्रम आपूर्ति की चुनौती बनी रहती है।

रिपोर्ट के अनुसार, बिल्डिंगों के बोझिल नियम लागत बढ़ाते हैं और परियोजनाओं में देरी करते हैं।

साथ ही, जीएसटी और वाणिज्यिक सम्पत्तियों की दरों सहित उच्च परिचालन शुल्क से निवेश बाधित होता है। इस तरह की चुनौतियों का तेजी से समाधान करने की जरूरत है। इसमें सभी क्षेत्रों में श्रमिक आवास को मंजूरी देने, लागत और देरी को कम करने के लिए बिल्डिंग के नियमों को सरल बनाने और श्रमिक आवास को जीएसटी और अन्य वाणिज्यिक सम्पत्ति शुल्क से छूट देने की जरूरत है। रिपोर्ट में तर्क दिया गया है कि इन उपायों से निजी क्षेत्र के लिए श्रमिक आवास में निवेश करना आसान हो जाएगा। प्रस्तावित सिफारिशों के अनुसार, श्रमिकों के लिए आवास निर्माण के लिए रियायती और किराये के वाउचर के रूप में सरकारी वित्तीय सहायता प्रमुख भूमिका निभा सकती है।

# सपा ने सबक नहीं लिया तो भुगतना पड़ेगा खामियाजा

**लखनऊ, 26 नवंबर (एजेंसियां)।** उत्तर प्रदेश में नौ सीटों पर हुए विधानसभा उपचुनाव में करहल सीट पर भाजपा को हार मिली है, लेकिन यहां वोट-ग्राफ में हुए इजाफे से पार्टी उत्साहित है। ऐसे में अब करहल की रणनीति को समूचे आलू बेल्ट में अपनाने की तैयारी है। समाजवादी पार्टी की चुनौती बढ़ गई है। उसे घर में घिरने से बचने के लिए नई रणनीति अपनानी होगी।

आलू बेल्ट की सियासत में समाजवादी पार्टी जिन सीटों पर यादव बिरादरी का उम्मीदवार उतारती रही है वहां भाजपा गैर यादवों पर दांव लगाकर गोलबंदी की कोशिश करती रही है। उपचुनाव में भाजपा ने सैफई परिवार के रिश्तेदार अनुजेश यादव को मैदान में उतारा। इस क्षेत्र में यादव मतदाताओं की संख्या करीब सवा लाख है। दूसरे नंबर पर करीब 40 लाख शाक्य मतदाता आते हैं। भाजपा प्रत्याशी रहे अनुजेश यादव की मां उर्मिला घिरोर विधानसभा सीट से दो बार विधायक रही हैं।

इस परिवार का घिरोर के साथ ही बरनाहल क्षेत्र में भी प्रभाव है। यही वजह है कि उप-चुनाव में इस क्षेत्र के करीब 20 से ज्यादा बूथ पर भाजपा को सपा से ज्यादा वोट मिले। इतना ही नहीं सैफई परिवार से नाराज चल रहे यादव नेताओं को घर-घर भेजा गया। भाजपा को जीत तो नहीं मिली, लेकिन वोट का ग्राफ बढ़ाने में कामयाब रही। चुनाव परिणाम देखें तो तेजप्रताप यादव को कुल 104304 वोट पाकर चुनाव जीत गए। भाजपा प्रत्याशी अनुजेश सिंह को 89579 वोट मिले। वर्ष 2022 में सपा को 60.12 फीसदी और भाजपा को 32.74 फीसदी वोट मिला था। इस बार सपा को 50.45 फीसदी और भाजपा को 43.33 फीसदी वोट मिला है।

भाजपा ने करहल विधानसभा क्षेत्र में उन सभी यादव नेताओं को मैदान में उतारा, जो किसी न किसी रूप में सपा से नाराज थे। इन नेताओं ने अनुजेश के पक्ष में माहौल बनाया। पूर्व मंत्री नरेंद्र सिंह यादव के बेटे सचिन यादव लगातार यादवों के बीच ब्लॉक और पंचायत स्तर पर बैठकें भी करते नजर आए। जाहिर है कि पार्टी को इसका फायदा मिला। सपा के संस्थापक मुलायम सिंह यादव के निधन के बाद तमाम यादव नेता सपा का साथ छोड़कर जा चुके हैं। प्रदेश में यादवों की करीब 12 फीसदी है। पिछड़े वर्ग के बीच यादव आबादी करीब 19.40 फीसदी है। ऐसे में इटावा औरैया ही नहीं, मैनपुरी, फिरोजाबाद, कन्नौज, फर्रुखाबाद में समाजवादी पार्टी का गढ़ है।

यहां तमाम प्रयास के बाद भी उसकी जड़ें सियासी तौर पर गहरी है। लेकिन पिछले विधानसभा चुनाव के बाद से स्थितियां बदलती नजर आ रही हैं। अब स्थिति यह है कि मुलायम सिंह यादव के साथ कंधे से कंधा मिलाकर चलने वाले पूर्व मंत्री नरेंद्र सिंह यादव, पूर्व सांसद सुखराम सिंह यादव, पूर्व मंत्री देवेंद्र सिंह यादव, पूर्व सभापति रमेश यादव, पूर्व विधायक हरिओम यादव भाजपा में हैं। इसी तरह अन्य कई यादव नेता भी गुमनामी में हैं, जो किसी न किसी रूप में सपा पर उपेक्षा का आरोप लगाते रहते हैं।

उधर, समाजवादी पार्टी उपचुनाव में कथित धांधली के सबूत जल्द ही चुनाव आयोग को सौंपेगी।

इसके लिए प्रदेश स्तर पर वीडियो, फोटो और शिकायती शपथपत्र जुटाए जा रहे हैं। इस काम में अनुभवी नेताओं की टीम लगाई गई है। सपा नेतृत्व ने उपचुनाव में सभी नौ सीटें जीतने का दावा किया था, लेकिन परिणाम उसकी अपेक्षा से एकदम विपरीत आए। मुस्लिम बहुल कुंदरकी सीट भी भाजपा ने उससे छीन ली। सपा के हाथ सिर्फ दो सीटें सीसामऊ और करहल ही आईं। सपा नेता लगातार कह रहे हैं कि पार्टी समर्थक मतदाताओं को पुलिस ने बूथ तक आने से रोका। जिन मतदाताओं को रोका गया, पार्टी उनसे शपथपत्र ले रही है। मतदान के दिन और उससे पहले पुलिस कार्रवाई के जो वीडियो बनाए गए थे, उन्हें भी इकट्ठा किया जा रहा है। पार्टी सूत्रों का कहना है कि शीघ्र ही दिल्ली में चुनाव आयोग को यह सारे सुबूत सौंपे जाएंगे। पार्टी कोर्ट में जाने के विकल्प पर भी विचार कर रही है। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव का भी कहना है कि गड़बड़ करने वाले अधिकारियों को सजा दिलवाने के लिए वे अदालत समेत हरसंभव विकल्प को अपनाएंगे।

## जम्मू कश्मीर पुलिस का फरमान

# स्टंट बाइकिंग को प्रोत्साहित करने वाले नपेंगे

**जम्मू, 26 नवंबर (ब्यूरो)।** कश्मीर पुलिस के ट्रैफिक विभाग ने चेतावनी जारी की है कि स्टंट बाइकिंग और ओवर-स्पीडिंग को बढ़ावा देने वाले सोशल मीडिया हैंडलर नपेंगें और उनके खिलाफ बड़ी कार्रवाई की तैयारी की जा रह है।

अधिकारियों ने बताया कि यह पहल खतरनाक स्टंट और हाई-स्पीड ड्राइविंग पर बढ़ती चिंताओं के जवाब में की गई है, जो आनलाइन लोकप्रियता हासिल कर रहे हैं, जिसमें लापरवाह कृत्यों के कई वीडियो सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर प्रसारित हो रहे हैं। ट्रैफिक पुलिस के अधिकारियों का कहना था कि वे अवैध स्टंट, ड्रैग रेसिंग और ओवर-स्पीडिंग सहित खतरनाक ड्राइविंग में लिप्त व्यक्तियों की पहचान करने के लिए सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर कड़ी निगरानी रख रहे हैं।

एसएसपी ट्रैफिक सिटी मुजफ्फर अहमद शाह ने पत्रकारों को को बताया कि जो लोग इस तरह की गतिविधियों में लिप्त हैं, उन सभी पर कार्रवाई की जाएगी। हम युवाओं द्वारा इस तरह की खतरनाक हरकतों को रोकने के लिए सोशल मीडिया पर कड़ी निगरानी रख रहे हैं।

उन्होंने कहा कि निजी विकल्प के कारण युवाओं के ऐसे कई सोशल मीडिया हैंडल तक सीमित पहुंच है। वे कहते थे कि अधिकांश ऐसे सोशल मीडिया हैंडल को निजी रखा गया है। लेकिन हम लोगों द्वारा की गई शिकायतों सहित अन्य विकल्पों का उपयोग कर रहे हैं, जिनमें ज्यादातर अनुयायी हैं। हमने ऐसे कई दोपहिया वाहनों और वाहनों को जब्त किया है जिनका इस्तेमाल इस तरह की हरकतों में किया गया था।

एसएसपी शाह का कहना था कि हम उन लोगों के खिलाफ गंभीर कार्रवाई कर रहे हैं जो सोशल मीडिया का इस्तेमाल लापरवाही से गाड़ी चलाने का महिमामंडन करने के लिए कर रहे हैं। एक अन्य ट्रैफिक पुलिस अधिकारी ने बताया कि ट्रैफिक पुलिस अपराधियों को पकड़ने के लिए चेहरे की पहचान और वाहन पंजीकरण डेटाबेस सहित उन्नत तकनीकों का उपयोग कर रही है। गौरतलब है कि ट्रैफिक पुलिस ने स्कूलों और कोचिंग सेंटरों को नाबालिगों द्वारा वाहन चलाने के खिलाफ सलाह जारी की है। अधिकारियों ने कहा कि सभी स्कूल अधिकारियों, निजी कोचिंग संस्थानों और अभिभावकों से छात्रों या नाबालिगों को दो-पहिया या चार पहिया वाहन चलाने से रोकने का आग्रह किया गया है। इस खतरनाक प्रवृत्ति ने पहले ही कई लोगों की जान ले ली है और आगे के नुकसान और क्षति को रोकने के लिए इसे रोका जाना चाहिए।

जानकारी के लिए पिछले हफ्ते, दो नाबालिगों की मौत हो गई जब उनकी तेज रफ़्तार एसयूवी एक खड़े ट्रक से टकरा गई और फिर सड़क के डिवाइडर से जा टकराई। दो किशोरों की मौत के बाद से, कश्मीर ट्रैफिक पुलिस पिछले तीन दिनों से इस तरह के उल्लंघनों पर केंद्रित अभियान चला रही है और बिना ड्राइविंग लाइसेंस के या अन्य उल्लंघनों में शामिल युवाओं द्वारा चलाए जा रहे वाहनों को जब्त कर रही है। एक दिन में यातायात पुलिस ने कश्मीर में उल्लंघनकर्ताओं से 8 लाख रुपए का जुर्माना वसूला, क्योंकि 586 वाहनों का चालान किया गया और 11 जब्त किए गए।

# संभल कांड : उपद्रवियों से होगी नुकसान की वसूली

**संभल, 26 नवंबर (एजेंसियां)।** संभल में बवाल के दौरान आगजनी और तोड़फोड़ से हुए सरकारी सम्पत्ति के नुकसान का आकलन कराया जा रहा है। डीएम डॉ. राजेंद्र पैंसिया ने बताया कि आकलन के बाद नुकसान की भरपाई उपद्रवियों और मुचलकों में पाबंद लोगों से जाएगी। पुलिस सभी वीडियो और फुटेज की बारीकी से जांच कर एक-एक उपद्रवी को चिन्हित कर रही है। बवाल के दौरान जामा मस्जिद की छत से बनाया गया वीडियो भी पुलिस के पास है, जिसमें उपद्रवियों के चेहरे स्पष्ट दिख रहे हैं। आरोपियों की धरपकड़ के लिए लगातार अभियान चलाया जाएगा।

संभल की जामा मस्जिद के मूल रूप से हरिहर मंदिर होने के संबंध में अदालत में दाखिल वाद के आधार पर सर्वे के लिए रविवार सुबह सात बजे कोर्ट कमिश्नर की टीम पहुंची तो संभल में बवाल हो गया। टीम के पहुंचने की सूचना पर जुटी भीड़ मस्जिद में दाखिल होने कोशिश करने लगी। रोकने पर पुलिस पर पथराव कर दिया। हिंसक हुई भीड़ ने चंदौसी के सीओ की गाड़ी समेत कई वाहनों में तोड़फोड़ कर दी और आग लगा दी।

इसी बीच उपद्रवियों ने फायरिंग भी शुरू कर दी। पुलिस ने आंसू गैस के गोले और लाठीचार्ज कर भीड़ को खदेड़ा। बवाल में घिरकर पांच लोगों की मौत हो गई। कई अधिकारियों समेत दर्जनों लोग घायल हुए हैं। तनाव को देखते हुए संभल में इंटरनेट सेवा बंद कर दी गई है। संभल के जिला अधिकारी राजेंद्र पैंसिया ने एक अधिसूचना जारी कर किसी भी बाहरी व्यक्ति, सामाजिक संगठन या जनप्रतिनिधि को अधिकारियों के आदेश के बिना संभल में प्रवेश करने पर कुछ दिनों के लिए रोक लगा दी है।

उल्लेखनीय है कि सर्वे टीम कोर्ट-कमिश्नर चंदौसी के वरिष्ठ अधिवक्ता रमेश सिंह राघव की अगुवाई में आई थी। संभल के डीएम डॉ. राजेंद्र पैंसिया और एसपी कृष्ण कुमार विश्नोई भी टीम के साथ थे। बाहर हालात बेकाबू होते देख पुलिस ने आंसू गैस के गोले और लाठियां चलाकर सर्वे टीम को किसी तरह सुरक्षित बाहर निकाला। पुलिस के आक्रमक होते ही उपद्रवी भागने लगे, लेकिन कुछ देर बाद भीड़ फिर जुट गई और पथराव शुरू कर दिया।

## भीड़ को उकसा कर कराई गई हिंसा

**संभल, 26 नवंबर (एजेंसियां)।** पुलिस ने दावा किया है कि दो बड़े नेताओं के भड़काने पर ही संभल में बवाल हुआ। संभल के सपा सांसद जियाउर्रहमान बर्क और सपा विधायक इकबाल महबूब को नामजद किया गया है। तुर्क और पठान बिरादरी के नेताओं के बीच चल रही वर्चस्व की जंग में भी संभल बवाल के कारण तलाशे जा रहे हैं। पुलिस ने दावा किया है कि इन्हीं दो बड़े नेताओं के भड़काने पर बवाल हुआ है। केस में दोनों को नामजद भी किया गया है। संभल में सपा सांसद जियाउर्रहमान बर्क और सपा विधायक इकबाल महबूब के परिवारों के बीच लंबे समय से राजनीतिक वर्चस्व की जंग है। बर्क तुर्क बिरादरी से हैं और इकबाल महमूद पठान हैं। संभल में दोनों अपना-अपना वर्चस्व कायम रखना चाहते हैं। सोशल मीडिया और शहर के कुछ हलकों में भी चर्चा है कि पथराव करने वालों को दूसरे मोहल्ले से बुलाया गया था, जबकि मरने वाले सभी जामा मस्जिद के आसपास के ही रहने वाले हैं। सपा सांसद ने बयान दिया था कि मस्जिद को बचाना है। इसके बाद ही भीड़ इकट्ठा हुई थी। संभल के डीएम ने भी अपने बयान में यही कहा है कि सर्वे पूरी तरह से शांतिपूर्ण संपन्न हुआ था। इसकी जानकारी लोगों को दी गई थी। बावजूद इसके भीड़ को उकसाया गया और पथराव कर दिया गया। इस बीच बवाल के दौरान आगजनी और तोड़फोड़ से हुए सरकारी सम्पत्ति के नुकसान का आकलन कराया जा रहा है। डीएम डॉ. राजेंद्र पैंसिया ने बताया कि आकलन के बाद नुकसान की भरपाई उपद्रवियों और मुचलकों में पाबंद लोगों से जाएगी। पुलिस सभी वीडियो और फुटेज की बारीकी से जांच कर एक-एक उपद्रवी को चिह्नित कर रही है। बवाल के दौरान जामा मस्जिद की छत से बनाया गया वीडियो भी पुलिस के पास है, जिसमें उपद्रवियों के चेहरे स्पष्ट दिख रहे हैं। 48 घंटे तक आरोपियों की धरपकड़ के लिए अभियान चलाया जाएगा।

## पुलिस पर हमला करने वाली उपद्रवी भीड़ में शामिल थीं महिलाएं

**संभल, 26 नवंबर (एजेंसियां)।** उत्तर प्रदेश के संभल जिले में रविवार 24 नवंबर को जामा मस्जिद का सर्वे करने गई प्रशासनिक टीम पर मुस्लिम भीड़ ने हमला कर दिया था। इस हमले में अब तक पांच लोगों की मौत हो चुकी है। 28 पुलिसकर्मी घायल हुए हैं जिसमें से कुछ की हालत गंभीर है। पुलिस ने दबिश दे कर कई उपद्रवियों को गिरफ्तार किया है जिसमें महिलाएं भी शामिल हैं।

हिंसा के बाद से पुलिस लगातार दबिश दे रही है। अब तक 20 से अधिक हमलावरों को गिरफ्तार किया गया है जिसमें 2 महिलाएं भी शामिल हैं। इन हमलावरों के घरों से हथियार भी बरामद हुए है। इसमें एक नए टाइप का भी हथियार है जिसमें दोनों तरफ से धार बनी हुई है। इन सभी के खिलाफ राष्ट्रीय सुरक्षा कानून (रासुका) और गैंगस्टर एक्ट में कार्रवाई की जाएगी। हिंसा में शामिल तमाम अन्य लोगों की भी पहचान कर गिरफ्तारी के प्रयास जारी हैं। एसपी कृष्ण कुमार विश्नोई ने बताया कि जिले की संभल तहसील क्षेत्र में एक दिन के लिए इंटरनेट सेवाएं निलंबित की गईं हैं। जिले में किसी भी बाहरी व्यक्ति अथवा नेता के बिना प्रशासनिक अनुमति के आवागमन पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। कक्षा 12 तक के स्कूलों को भी सोमवार तक के लिए बंद कर दिया गया है। इस घटना पर मुरादाबाद परिक्षेत्र के कमिश्नर आंजनेय सिंह ने मृतकों के परिजनों से पूछा है कि उनके घर का सदस्य पत्थरबाजी करने क्यों गया था? आंजनेय सिंह ने यह भी कहा कि पुलिस पर पत्थर के साथ गोलियां भी बरसाई गईं। पुलिस की तरफ से आंसू गैस के गोले छोड़े गए। उन्होंने बताया कि घटना की पूरी रिकार्डिंग पुलिस के पास मौजूद है। पत्थरबाज कोई धर्म-पुण्य का काम करने नहीं गए थे। जिले में फिलहाल के लिए ईंट और गिट्टी आदि की खरीदारी पर रोक लगा दी गई है। जिले के सभी निवासियों को साफ़ हिदायत दी गई है कि अगर उनकी छतों पर कोई भी पत्थर और ज्वलनशील पदार्थ मिला तो कानूनी कार्रवाई की जाएगी। नगर पालिका को भी निर्देश मिला है कि सड़क पर बिखरे किसी भी सामान को फौरन जब्त करे। इस हिंसा में 28 पुलिसकर्मी घायल हुए हैं, जिनका इलाज करवाया जा रहा है।

# जाति जनगणना सामाजिक न्याय के लिए कांग्रेस का तीसरा जन आंदोलन : रेवंत रेड्डी

**नई दिल्ली/हैदराबाद, 26 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।** तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने मंगलवार को कहा कि कांग्रेस पार्टी द्वारा राष्ट्रव्यापी जाति जनगणना की मांग सामाजिक न्याय के लिए तीसरा जन आंदोलन होगा।

संविधान दिवस पर नई दिल्ली के तालकटोरा स्टेडियम में कांग्रेस द्वारा आयोजित संविधान रक्षा अभियान बैठक में बोलते हुए मुख्यमंत्री ने पहले प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू के कार्यकाल से लेकर वर्तमान तक सामाजिक न्याय पहलों के विकास का वर्णन किया।रेवंत रेड्डी ने इस बात पर प्रकाश डाला कि सामाजिक न्याय का पहला चरण नेहरू और इंदिरा गांधी के साथ शुरू हुआ, जिसमें अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के लिए आरक्षण और बैंकों के राष्ट्रीयकरण जैसी ऐतिहासिक पहल शामिल थीं। उन्होंने कहा कि राजीव गांधी के कार्यकाल के दौरान, 18 वर्ष की आयु में मतदान के अधिकार की शुरुआत के साथ महत्वपूर्ण प्रगति हुई।दूसरा चरण, सामाजिक न्याय 2.0, मंडल आयोग जैसी नीतियों के साथ हासिल किया गया, जिसने जाति-आधारित असमानताओं को संबोधित किया।मुख्यमंत्री ने कहा कि सोनिया गांधी, मल्लिकार्जुन खड़गे और राहुल गांधी के नेतृत्व में सामाजिक न्याय 3.0 की शुरुआत हुई। राहुल गांधी को इस आंदोलन का अग्रदूत बताते हुए उन्होंने कहा कि तेलंगाना ने अपना सामाजिक, आर्थिक और जातिगत सर्वेक्षण शुरू कर दिया है, जिसकी 92 प्रतिशत प्रक्रिया पूरी हो चुकी है। उन्होंने जितनी भागीदारी, उतनी हिस्सेदारी (समान आबादी के लिए समान हिस्सा) के सिद्धांत पर जोर दिया और सर्वेक्षण के अंतिम रूप से तैयार होने के बाद इस सिद्धांत को आगे बढ़ाने की कसम खाई। उन्होंने भाजपा की आलोचना करते हुए उस पर पिछले दशक के दौरान संविधान को कमजोर करने का आरोप लगाया। रेड्डी ने संवैधानिक मूल्यों की रक्षा के लिए राहुल गांधी के राष्ट्रव्यापी आंदोलन की प्रशंसा की और वायनाड और नांदेड़ लोकसभा उपचुनाव में भाजपा की हार सहित चुनावी असफलताओं के लिए इस आंदोलन के बढ़ते समर्थन को जिम्मेदार ठहराया। रेवंत रेड्डी ने सभी नागरिकों से संविधान की रक्षा की लड़ाई में एकजुट होने का आह्वान किया और कहा कि यह संघर्ष इसके रक्षकों और इसके मूल सिद्धांतों को बदलने की मांग करने वालों के बीच है। उन्होंने आरोप लगाया कि महात्मा गांधी परिवार ने संविधान को बनाए रखने के लिए अथक प्रयास किया है, जबकि मोदी के नेतृत्व वाली भाजपा और उसके वैचारिक सहयोगी, जिन्हें उन्होंने संघ परिवार कहा, इसे बदलने का प्रयास कर रहे हैं। मुख्यमंत्री ने सभी से संवैधानिक मूल्यों की रक्षा और समाज के सभी वर्गों के लिए न्याय सुनिश्चित करने के आंदोलन में सक्रिय रूप से भाग लेने का आग्रह किया।

## रेवंत रेड्डी-भट्टी ने वायनाड जीतने के लिए प्रियंका गांधी को बधाई दी

**हैदराबाद, 26 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।** मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी और उपमुख्यमंत्री मल्लू भट्टी विक्रमार्क ने मंगलवार को नई दिल्ली में वायनाड लोकसभा क्षेत्र से चुनाव जीतने पर प्रियंका गांधी को बधाई दी।

प्रियंका गांधी ने वायनाड में हुए उपचुनाव में 6.22 लाख से अधिक मतों से जीत दर्ज की।

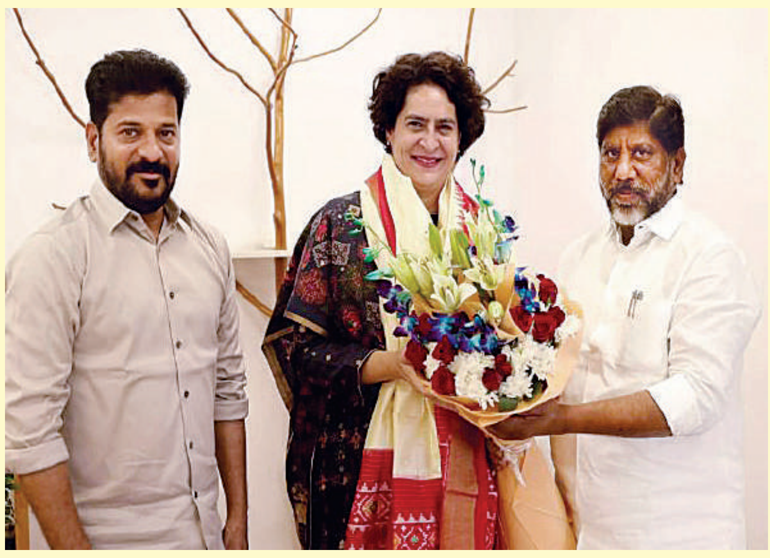

## तेलंगाना में किसान महोत्सव में आधुनिक कृषि पद्धतियों को शामिल किया जाएगा : मंत्री

**हैदराबाद, 26 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।** तेलंगाना के कृषि मंत्री तुम्माला नागेश्वर राव, आबकारी मंत्री जुपल्ली कृष्ण राव और स्वास्थ्य मंत्री दामोदर राजा नरसिम्हा ने मंगलवार को महबूबनगर में 28 नवंबर को होने वाले तीन दिवसीय किसान महोत्सव के सफल आयोजन को सुनिश्चित करने के लिए अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों के बीच घनिष्ठ समन्वय की आवश्यकता पर बल दिया।यहां सचिवालय में आयोजित समीक्षा बैठक में तुम्माला ने इस बात पर प्रकाश डाला कि राज्य सरकार ने कृषि क्षेत्र को अभूतपूर्व धनराशि आवंटित की है, विशेष रूप से ऋण माफी के माध्यम से किसानों को लाभ पहुंचाया है।उन्होंने दावा किया कि प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में 20,000 से 30,000 किसान पहले ही लाभान्वित हो चुके हैं। एक बयान में कहा गया है कि किसान महोत्सव इन उपलब्धियों पर ध्यान केंद्रित करेगा, आधुनिक कृषि पद्धतियों को पेश करेगा और अनुकरणीय किसानों के भाषणों को प्रदर्शित करेगा।यह कार्यक्रम गुरुवार दि. 28 नवंबर को संयुक्त महबूबनगर जिले के किसानों की उपस्थिति में शुरू होगा। तुम्माला नागेश्वर राव जिले के जनप्रतिनिधियों के साथ सम्मेलन का उद्घाटन करेंगे।दूसरे दिन 29 नवंबर को राज्य के अन्य हिस्सों से किसान भाग लेंगे। अंतिम दिन 30 नवंबर को तेलंगाना भर से एक लाख से अधिक किसानों के इकट्ठा होने की उम्मीद है, जिसमें मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। तीन दिवसीय उत्सव के दौरान, अनुकरणीय किसानों द्वारा भाषण, आधुनिक कृषि तकनीकों पर प्रस्तुतियाँ और डेयरी और मत्स्य पालन जैसे संबंधित क्षेत्रों में सफल प्रथाओं पर चर्चाएँ होंगी। प्रदर्शनी स्टॉल आधुनिक मशीनरी, संकर फसल किस्मों और विभिन्न सरकारी योजनाओं का प्रदर्शन करेंगे। प्रत्येक फसल में एक समर्पित अनुकरणीय किसान होगा, जिसके अनुभव उपस्थित लोगों के साथ साझा किए जाएँगे। यह सुनिश्चित करने के लिए कि यह कार्यक्रम अधिक से अधिक लोगों तक पहुँचे, कृषि मंत्री ने निर्देश दिया है कि सभी कार्यक्रमों को राज्य भर में 560 किसान मंचों के माध्यम से लाइव प्रसारित किया जाए। मुख्य सचिव शांति कुमारी ने पार्किंग, यातायात प्रबंधन और किसान जागरूकता अभियान सहित कुशल व्यवस्थाओं के महत्व पर जोर दिया। बैठक में विधान पार्षद के दामोदर रेड्डी, जिला विधायक डॉ. श्रीहरि, मेघा रेड्डी, कासिरेड्डी नारायण रेड्डी, वामसी कृष्णा, परनिका रेड्डी और येन्नम श्रीनिवास रेड्डी सहित प्रमुख अधिकारियों और प्रतिनिधियों के साथ-साथ वरिष्ठ नौकरशाहों और सलाहकारों ने व्यवस्थाओं को अंतिम रूप देने के लिए भाग लिया।

## बंडी संजय ने जेएनजेएचएस पर सप्रीम कोर्ट के फैसले पर खेद व्यक्त किया

**हैदराबाद, 26 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।** केंद्रीय गृह राज्य मंत्री बंडी संजय कुमार ने जवाहरलाल नेहरू पत्रकार आवास सोसाइटी (जेएनजेएचएस) को आवंटित आवास भूखंडों को रद्द करने के उच्चतम न्यायालय के फैसले पर खेद व्यक्त किया है।श्री कुमार ने मंगलवार को यहां एक बयान में इस बात पर जोर दिया कि अदालत के फैसले का सम्मान किया जाना चाहिए, लेकिन इस स्थिति के लिए दस साल तक सत्ता में रही भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) पार्टी और वर्तमान कांग्रेस सरकार जिम्मेदार है।

सत्रह साल पहले, पत्रकारों ने सामूहिक रूप से ऋण लेकर और सोना गिरवी रखकर 12 करोड़ रुपये जुटाए थे, और जेएनजे-एचएस के तहत भूखंड सुरक्षित करने के लिए सरकार को 2-2 लाख रुपये का भुगतान किया था। हालांकि, बीआरएस और कांग्रेस के नेतृत्व वाली लगातार सरकारें अपने वादों को पूरा करने में विफल रहीं। इसके बजाय, उन्होंने बार-बार आवंटन को नजरअंदाज किया और देरी की, जिससे पत्रकारों को भारी परेशानी हुई। केसीआर के शासन में, न्याय के लिए आवाज उठाने वाले पत्रकारों के साथ अक्सर दुर्व्यवहार और अपमान किया जाता था, जिससे कई लोग निराश और संघर्षरत हो जाते थे। संजय कुमार ने दोनों दलों की लापरवाही की आलोचना की, उन पर ऐसी स्थिति पैदा करने का आरोप लगाया जहां पत्रकार और उनके परिवार अब सुप्रीम कोर्ट के फैसले से तबाह हो गए हैं।

संजय कुमार ने यह भी चेतावनी दी कि अगर कांग्रेस कार्रवाई करने में विफल रहती है, तो भाजपा पत्रकारों के साथ एकजुटता से न्याय के लिए एक जन आंदोलन का आयोजन करेगी। उन्होंने वादा किया कि अगर भाजपा सत्ता में आती है, तो जेएनजेएचएस के सदस्यों सहित तेलंगाना के सभी पात्र पत्रकारों को बिना देरी के घर आवंटित किए जाएंगे, ताकि सम्मान और सुरक्षा के लिए उनके लंबे समय से चल रहे संघर्ष का अंत हो सके।

## आंध्र उच्च न्यायालय ने राम गोपाल वर्मा की अग्रिम जमानत याचिकाओं पर सुनवाई स्थगित की

**विशाखापट्टणम, 26 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।** आंध्र प्रदेश उच्च न्यायालय ने फिल्म निर्देशक राम गोपाल वर्मा द्वारा दायर अग्रिम जमानत याचिकाओं पर सुनवाई 27 नवंबर तक के लिए स्थगित कर दी है।ये याचिकाएं तेलुगु देशम पार्टी (टीडीपी) और जन सेना के कार्यकर्ताओं द्वारा दायर शिकायतों के जवाब में हैं, जिन्होंने आरोप लगाया है कि निर्देशक ने सोशल मीडिया पर आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू, उपमुख्यमंत्री पवन कल्याण और मंत्री लोकेश पर अनुचित टिप्पणी की है। ओंगोल, गुंटूर और विशाखापत्तनम सहित कई जिलों में मामले दर्ज किए गए हैं। ओंगोल पुलिस ने आरोपों के संबंध में वर्मा को अदालत में पेश होने के लिए नोटिस जारी किए हैं, लेकिन रिपोर्ट के अनुसार वे खुद पेश नहीं हुए।उनका पता लगाने के प्रयास में, पुलिस हैदराबाद में उनके आवास पर गई, जहां उनके कर्मचारियों ने उन्हें बताया कि वे शूटिंग के लिए दूसरे राज्य चले गए हैं। पुलिस के अनुसार, वर्मा का फोन बंद है, जिससे उनसे संपर्क करने के प्रयास जटिल हो गए हैं।

## आदिलाबाद में न्यूनतम तापमान 9.7 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया

**हैदराबाद, 26 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।** मौसम विज्ञान केंद्र ने बताया कि तेलंगाना के आदिलाबाद में सोमवार और मंगलवार की दरम्यानी रात को न्यूनतम तापमान 9.7 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।यहां जारी दैनिक मौसम रिपोर्ट में कहा गया है कि 1 और 2 दिसंबर को राज्य में अलग-अलग स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश या गरज के साथ छींटे पड़ने की संभावना है।

तेलंगाना में अगले पांच दिनों तक शुष्क मौसम रहने की संभावना है। रिपोर्ट में कहा गया है कि पिछले 24 घंटों के दौरान राज्य में शुष्क मौसम रहा।

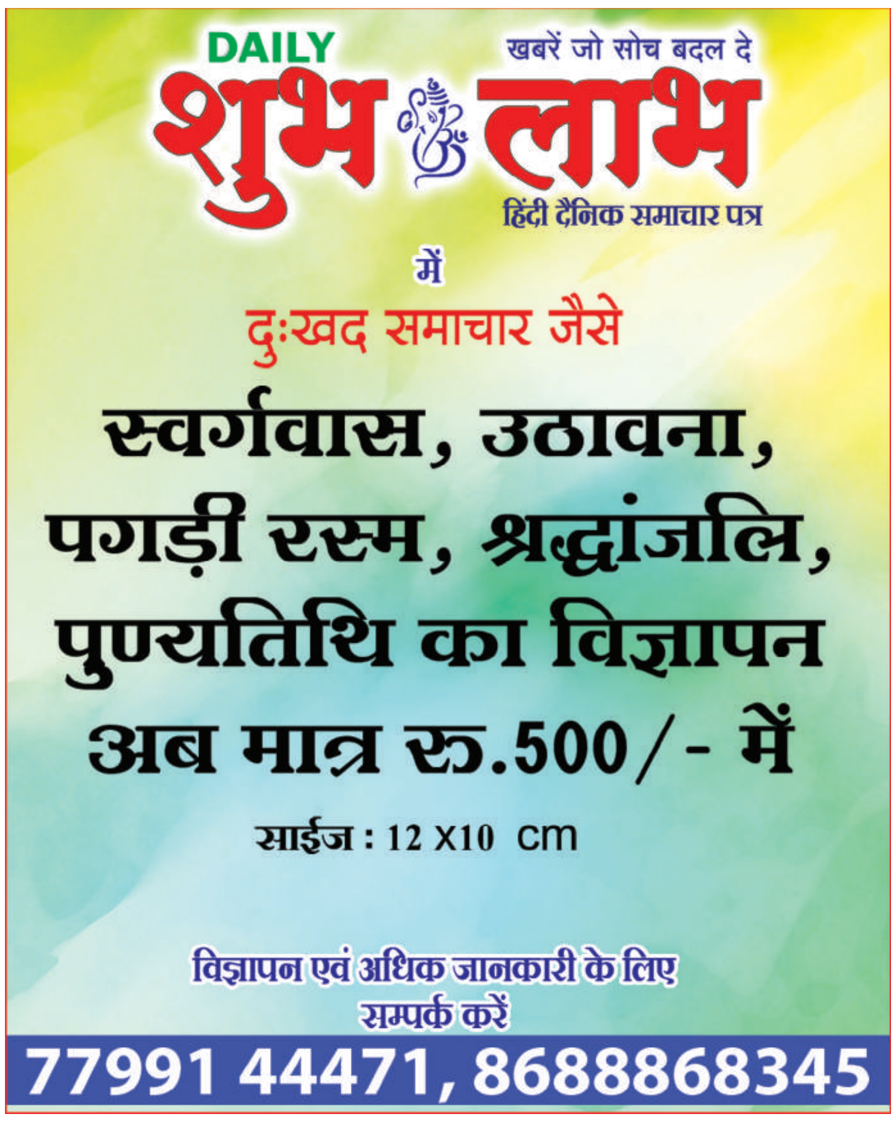


स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.